सूर्योदय 5:20 सूर्यास्त 7:18

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	27.0 अधि
धर्मशाला	18.2 न्यू	34.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,009
निफ्टी	23,913

सोना 1,58,000 चांदी 2,66,000

अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | बुधवार, 27 मई 2026 | 13 ज्येष्ठ, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 148, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मनाई

एजेंसी, अयोध्या। अयोध्या में राम परिवार यानी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मंगलवार को धूमधाम से मनाई गई। पूरा दिन सुबह से लेकर रात तक अलग-अलग आयोजन हुए। इस दौरान राम दरबार का विशेष शृंगार हुआ। भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक किया गया। भगवान को 56 भोग लगाया गया। मां सरयू की 5051 बत्ती की महाआरती उतारी गई। शाम को पांच से सात बजे तक भजन संध्या का आयोजन हुआ। साथ ही मां सरयू की फूल बंगला झांकी सजाई गई थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संत-धर्माचार्य शामिल हुए। (अनंत ज्ञान)

टेरर फंडिंग केस में इंजी. राशिद को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत

एजेंसी, नई दिल्ली। दिवंगत पिता के 40वें दिन के अंतिम संस्कार की रस्मों में शामिल होने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने बारामूला के सांसद इंजीनियर रशीद को 25 जून से 30 जून तक के लिए मंगलवार को अंतरिम जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह व न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने मामले सुनवाई के बाद इंजीनियर रशीद की अर्जी को स्वीकार कर लिया। रशीद की तरफ से अदालत को बताया गया कि वह अंतिम संस्कार में शामिल हो चुके हैं और अब 40वां दिन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शोक की कई रस्में होती हैं। (अनंत ज्ञान)

चिली में आया 6.9 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तरी चिली में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अटाकामा रेगिस्तान में कलामा शहर से 31 किलोमीटर दूर जमीन के भीतर लगभग 100 किमी की गहराई पर था। हालांकि, भूकंप के तेज झटके के बावजूद फिलहाल किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है। चिली विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 5:52 बजे आया। (अनंत ज्ञान)

यूपी में आंधी-तूफान से 6 लोगों की मौत

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच सोमवार रात आए आंधी-तूफान ने कई जिलों में तबाही मचा दी। गोंडा, लखीमपुर, शाहजहांपुर, बस्ती और सीतापुर में हुए हादसों में बच्चों समेत 6 लोगों की मौत हो गई। प्रदेश समेत देश के कई हिस्से इस समय भीषण गर्मी की चपेट में हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार बांदा और विदर्भ का ब्रह्मपुरी लगातार आठवें दिन 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान के साथ सबसे गर्म रहे। वहीं मानसून की बात करें तो यह केरल तट से अभी 30-35 किलोमीटर दूर अटका हुआ है, जबकि दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में प्री-मानसून बारिश जारी है। (अनंत ज्ञान)

पंचायत चुनाव के पहले चरण में 74% से ज्यादा मतदान

बुजुर्गों से युवाओं तक दिखा जोश, कई स्थानों पर विवाद और मतदान स्थगित होने की घटनाएं भी आईं सामने

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव का पहला चरण छिटपुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। मंगलवार को लोकतंत्र के उत्सव में मतदाताओं ने खासा उत्साह दिखाया। सुबह सात बजे से शुरू हुए मतदान में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कई जगह निर्धारित समय 3 बजे के बाद भी वोटिंग होती रही। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार पहले चरण में कुल 73.97% मतदान दर्ज किया गया।

पहले चरण में प्रदेश की 1293 पंचायतों में मतदान हुआ है। समाचार लिखे जाने तक कई जगह प्रधान, उपप्रधान और पंचायत वार्ड सदस्यों के नतीजे सामने आ गए थे। वहीं, पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्यों के लिए डाले गए मतों की गणना 31 मई को की जाएगी।

कहां कितना मतदान

बिलासपुर	72.48%
चंबा	69.36%
हमीरपुर	70.44%
कांगड़ा	70.84%
किन्नौर	66.12%
कुल्लू	82.44%
लाहौल-स्पीति	69.40%
मंडी	73.93%
शिमला	75.83%
सिरमौर	77.41%
सोलन	79.04%
ऊना	77.66%

मंडी के एक मतदान केंद्र में जुटे मतदाता।

पंचायत चुनाव को लेकर तकरार में युवक की मौत

अनंत ज्ञान, अर्की/सोलन। जिला सोलन के अर्की क्षेत्र में पंचायत चुनाव को लेकर हुई कहासुनी एक युवक की मौत का कारण बन गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले में आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अश्वनी पुत्र राम रत्न निवासी गांव डब के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अश्वनी अपने दोस्त कुनाल के साथ बैठकर शराब पी रहा था। इसी दौरान पंचायत चुनाव को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। आरोप है कि बहस के दौरान कुनाल ने अश्वनी को बालकनी से धक्का दे दिया, जिससे वह नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कालाअंब में संदिग्ध वोट से मचा हड़कंप

अनंत ज्ञान, नाहन। औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब के एक मतदान केंद्र पर कथित संदिग्ध मतदान का मामला सामने आने के बाद माहौल गरमा गया। मतदान प्रक्रिया के बीच संदिग्ध तरीके से वोट डाले जाने के आरोपों ने प्रशासन और पुलिस को भी हरकत में ला दिया है। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर रोष देखने को मिल रहा है और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। मामला कालाअंब स्थित बूथ नंबर-7 से जुड़ा है, जहां जिला परिषद चुनाव के दौरान एक संदिग्ध वोट डाले जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। आरोप है कि मतदान प्रक्रिया के दौरान बिना उचित पहचान सत्यापन के बैलेट पेपर नंबर 4735811 जारी कर दिया गया और उसके आधार पर मतदान भी कर लिया गया। जिला परिषद प्रत्याशी के पति की ओर से आरोप लगाया गया है कि कथित संदिग्ध व्यक्ति मतदाता सूची के सीरियल नंबर-212 पर दर्ज 22 वर्षीय मोहम्मद उमर के नाम पर वोट डाल रहा था।

करसोग में बैलेट पेपर में प्रत्याशी का नाम गायब, बीडीसी चुनाव स्थगित

अनंत ज्ञान, करसोग। हिमाचल प्रदेश में पंचायतीराज संस्थाओं के प्रथम चरण के चुनावों के बीच मंडी जिले के करसोग क्षेत्र में बड़ी प्रशासनिक चूक सामने आने से बीडीसी चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो गई। करसोग के थाच-थर्मी, प्रलोग और मेंडी बीडीसी वार्ड में एक प्रत्याशी का नाम बैलेट पेपर में दर्ज न होने का मामला सामने आते ही मतदान केंद्रों पर हंगामे की स्थिति बन गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने संबंधित वार्डों में मतदान प्रक्रिया को आगामी आदेशों तक स्थगित कर दिया। प्रशासन के अनुसार बैलेट पेपर में तकनीकी त्रुटि पाए जाने के कारण यह निर्णय लिया गया है तथा अब नए निर्देश जारी होने के बाद ही संबंधित वार्डों में मतदान करवाया जाएगा।

चुनाव ड्यूटी में लापरवाही पर पुलिस जवान निलंबित

अनंत ज्ञान, चंबा। चंबा जिले में पंचायत चुनाव के पहले चरण की वोटिंग के बीच सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई की गई है। ड्यूटी से गैर-हाजिर पाए गए एक पुलिस जवान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर लाइन हाजिर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार एएसपी चंबा दिनेश कुमार ने सदर चंबा के सिल्लाघाट क्षेत्र में मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इसी दौरान एक केंद्र पर तैनात पुलिस जवान बिना अनुमति ड्यूटी से अनुपस्थित पाया गया। मामले को गंभीर मानते हुए मौके पर ही कार्रवाई की गई। लापरवाही सामने आने के बाद संबंधित जवान को निलंबित कर लाइन हाजिर किया गया है। साथ ही उसके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। जिले की 118 पंचायतों में मतदान के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कुल 595 सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है, जिनमें 395 पुलिस कर्मी और 200 गृह रक्षक शामिल हैं।

सेऊ पंचायत में 113 वर्षीय मंगलू देवी ने डाला वोट

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। जिला के घुमारवीं विकास खंड की ग्राम पंचायत सेऊ के अंतर्गत स्थापित पिंक बूथ में 113 वर्षीय मंगलू देवी ने अपने मताधिकार इस्तेमाल किया। गांव भदरोग निवासी मंगलू देवी मतदान करने के लिए अन्य परिजनों के साथ मतदान केंद्र पहुंची थी।

चुनाव ड्यूटी में लापरवाही : शिक्षक और तकनीशियन को कारण बताओ नोटिस

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। कुल्लू जिले के मनाली में पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान लापरवाही का मामला सामने आने पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। चुनाव कार्य में समय पर उपस्थित न होने और ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर दो सरकारी कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला काईस में कार्यरत डीएम धर्मपाल को पोलिंग ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया गया था, लेकिन वे निर्धारित समय पर ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुए। वहीं, कटराईं स्थित आईएआरआई में तकनीशियन चंदर मणि भी चुनाव ड्यूटी में अनुपस्थित पाए गए। निर्वाचन विभाग ने दोनों मामलों को गंभीर मानते हुए इन्हें प्रशासनिक शिथिलता की श्रेणी में रखा है। रिटर्निंग ऑफिसर सह एसडीएम मनाली गुंजीत चीमा ने दोनों कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। प्रशासन ने दोनों कर्मचारियों को 24 घंटे के भीतर लिखित स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर बिना किसी अतिरिक्त नोटिस के कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले की रिपोर्ट जिला निर्वाचन अधिकारी सह उपायुक्त कुल्लू को भी भेज दी गई है, ताकि आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

- मनाली प्रशासन ने 24 घंटे में मांगा जवाब

मुख्यमंत्री सुक्खू बोले-मंडी मध्यस्थता योजना में अब सीधे खातों में पहुंचेगी राशि

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। प्रदेश सरकार ने सेब बागवानों को बड़ी राहत देने की दिशा में अहम पहल शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंडी मध्यस्थता योजना के तहत बागवानों को भुगतान की मौजूदा व्यवस्था में बदलाव कर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण प्रणाली लागू करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए हैं। इससे अब बागवानों को नकद राशि के बजाय सामग्री देने की पुरानी व्यवस्था से छुटकारा मिल सकता है और भुगतान सीधे उनके खातों में पहुंच सकेगा।

बागवानी विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण प्रणाली लागू होने से छोटे और सीमांत सेब उत्पादकों को समय पर आर्थिक सहायता मिल सकेगी और उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी सेब सीजन के लिए उत्पादन का अनुमान तैयार कर अग्रिम तैयारियां सुनिश्चित की जाएं ताकि बागवानों को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

सरकार इस वर्ष मंडी मध्यस्थता योजना के तहत लगभग 132 संग्रह केंद्र स्थापित करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जरूरत के अनुसार पर्याप्त संख्या में खरीद केंद्र स्थापित किए जाएं और सेब खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाया जाए। उन्होंने पूरी खरीद प्रक्रिया को डिजिटल करने पर जोर देते हुए कहा कि तकनीक के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने एचपीएमसी के एप्पल जूस कंसंट्रेट और अन्य उत्पादों के प्रभावी विपणन पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए उत्पादों की शीघ्र बिक्री जरूरी है। इसके लिए नीलामी केंद्रों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री सुक्खू। अनंत ज्ञान

- सेब खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाने के निर्देश
- इस सीजन में 132 संग्रह केंद्र स्थापित करने की तैयारी

सरकार किसानों व बागवानों के हितों के प्रति कृतसंकल्प

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार किसानों और बागवानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और पिछले साढ़े तीन वर्षों में इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। बैठक में एचपीएमसी के उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार, सचिव बागवानी सी. पॉलरासु, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, निदेशक डिजिटल टेक्नोलॉजी एवं गवर्नेंस डॉ. निपुण जिंदल, एचपीएमसी के प्रबंध निदेशक डी.सी. राणा, उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप और निदेशक बागवानी सतीश कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राम रहीम फिर पैरोल पर

एजेंसी, सिरसा। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर 30 दिन की पैरोल परजेल से बाहर आ गए हैं। वह मंगलवार सुबह 6.30 बजे रोहतक की सुनारिया जेल से निकले और करीब सवा 9 बजे सिरसा डेरे पहुंच गए। साध्वियों के यौन उत्पीड़न में उम्रकैद की सजा काट रहे राम रहीम की ये 16वीं पैरोल या फरलो है। इस साल के पहले 5 महीनों में ही वह दूसरी बार जेल से बाहर आए हैं। (अनंत ज्ञान)

संजय गुप्ता बने हिमाचल के नियमित मुख्य सचिव

रिटायरमेंट से 5 दिन पहले हुई नियुक्ति, कार्यवाहक मुख्य सचिव के तौर पर दे रहे थे सेवाएं

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश की नौकरशाही में मंगलवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब राज्य सरकार ने कार्यवाहक मुख्य सचिव संजय गुप्ता को नियमित मुख्य सचिव नियुक्त करने के आदेश जारी कर दिए। खास बात यह है कि संजय गुप्ता 31 मई को सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं और उनकी रिटायरमेंट में अब केवल चार दिन शेष हैं। ऐसे में सरकार के इस फैसले ने प्रशासनिक गलियारों के साथ-साथ राजनीतिक हलकों में भी नई बहस छेड़ दी है।

कार्मिक विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, संजय गुप्ता अब नियमित रूप से मुख्य सचिव के पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। इससे पहले उन्हें अतिरिक्त प्रभार के तौर पर यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। माना जा रहा है कि सरकार ने अंतिम समय में यह फैसला लेकर प्रशासनिक स्तर पर स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया है। हालांकि, विपक्ष पहले ही इस नियुक्ति को लेकर सवाल उठा चुका था और भ्रष्टाचार के आरोपों व न्यायालय में चल रहे मामलों का हवाला देते हुए सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा था।

इसी बीच सरकार ने एक अन्य प्रशासनिक आदेश में आईएएस अधिकारी अमरजीत सिंह को नगर एवं देशीय योजना तथा आवास विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। अमरजीत सिंह वर्तमान में सचिव सहकारिता के पद पर कार्यरत हैं।

सीएनजी 2 रुपए तक हुई महंगी दिल्ली में कीमत 83.09 रुपए किलो

एजेंसी, नई दिल्ली

ईरान जंग के बीच कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी सीएनजी के दाम पिछले दो हफ्तों के भीतर चौथी बार बढ़ गए हैं। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने मंगलवार 26 मई को सीएनजी 2 रुपए प्रति किलोग्राम महंगी कर दी है। दिल्ली-एनसीआर, सहित कई शहरों में ये दाम बढ़ाए गए हैं। दिल्ली में सीएनजी 81.09 रुपए प्रति किलो से बढ़कर अब 83.09 रुपए प्रति किलो हो गई है। तेल कंपनियों ने 25 मई को पेट्रोल 2.61 रुपए और डीजल 2.71 रुपए प्रति लीटर महंगा कर दिया। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 102.12 रुपए और डीजल की कीमत 95.20 रुपए हो गई है। पेट्रोल-डीजल और सीएनजी के दामों बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। (अनंत ज्ञान)

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बस पलटी, दरोगा समेत सात की मौत

एजेंसी, उन्नाव। उन्नाव जिले में दिल्ली से गोरखपुर जा रही प्राइवेट स्लीपर बस मंगलवार सुबह पांच बजे लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक दरोगा समेत सात यात्रियों की मौत हो गई। वहीं, तीन पुलिसकर्मी समेत 24 यात्री घायल हुए हैं। हादसे के वक्त बस में 52 यात्री थे। बस की रफ्तार इतनी तेज थी कि पलटने के बाद 100 मीटर तक घिसती चली गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। करीब आधे घंटे बाद यूपीडा कर्मी और पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।(अनंत ज्ञान)

राजस्थान में भारत-पाक बॉर्डर पर दहाड़े अमित शाह, बोले-

पाक की 'नापाक' हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दो

एजेंसी, बीकानेर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर स्थित सांचू पोस्ट पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बीएसएफ, सेना, जागरूक नागरिक और प्रशासन मजबूत चतुष्कोणीय ग्रिड बनाए। सीमा पार के खतरे पर नजर रखे और निर्दयता के साथ जवाब दे। सांचू ऐतिहासिक चौकी है, पाकिस्तान ने जब इस पर कब्जे का प्रयास किया तो सैनिकों ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

शाह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ के साहस की तारीफ करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले सालों में देश की सुरक्षा को लेकर आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। सेना, बीएसएल का आधुनिकीकरण किया जा रहा। 200 शहीद सीमा प्रहरियों का बलिदान 140 करोड़ भारतीयों पर ऋण है।

बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2' को भी सीमावर्ती क्षेत्रों को समर्पित किया। इस योजना के जरिए भारत-पाक सीमा से सटे राजस्थान के गांवों में शिक्षा, सड़क, बिजली, मोबाइल नेटवर्क, पर्यटन और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। योजना के तहत स्मार्ट क्लास रूम, पर्यटन सर्किट, सामुदायिक विकास कार्य,स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों के जरिए स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेंगे। (अनंत ज्ञान)

मायूसी रक्षा मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश सरकार को दिया बड़ा झटका, नागरिक क्षेत्रों में जमीन का मालिकाना हक चाहते हैं लोग

छावनी नागरिक क्षेत्रों में जमीन के स्वामित्व अधिकार की मांग खारिज

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। केंद्र सरकार के रक्षा मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश सरकार को बड़ा झटका देते हुए राज्य की छह छावनियों में नागरिक क्षेत्रों की जमीन के स्वामित्व अधिकार हस्तांतरित करने की मांग को खारिज कर दिया है। इस फैसले से कसौली, डगशाई, सुबाथू, जतोग, बकलोह और डलहौजी छावनी क्षेत्रों में रहने वाले हजारों लोगों की उम्मीदों को झटका लगा है। रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि छावनी क्षेत्रों में खाली पड़ी जमीन और निर्मित क्षेत्रों का स्वामित्व मंत्रालय के पास ही रहेगा, चाहे वह पुरानी अनुदान प्रणाली के तहत हो या पट्टे पर दी गई भूमि।

पश्चिमी कमान चंडीगढ़ के रक्षा संपदा निदेशक योगेश कुमार ने 6 मई 2026 को शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव देवेश कुमार को भेजे पत्र में यह जानकारी दी। इन छावनी क्षेत्रों में रहने वाले लोग लंबे समय से औपनिवेशिक काल की 'ओल्ड ग्रांट' व्यवस्था के तहत रह रहे हैं, जिसमें जमीन का मालिकाना हक सरकार के पास रहता है और लोगों को केवल कब्जे का अधिकार मिलता है।

रक्षा मंत्रालय ने राज्य सरकार द्वारा मांगी गई विशेष वित्तीय सहायता को भी अस्वीकार कर दिया। मंत्रालय का कहना है कि नगर निकाय कर और भवन निर्माण उपनियमों के माध्यम से अतिरिक्त राजस्व जुटा सकते हैं। साथ ही केंद्रीय वित्त आयोग पहले से ही राज्य सरकारों के जरिए छावनी बोर्डों को अनुदान देता है। कर्मचारियों की पेंशन को लेकर भी मंत्रालय ने साफ किया कि विभाजन के बाद छावनी बोर्ड कर्मचारियों की पेंशन का दायित्व राज्य सरकार को उठाना होगा, जबकि मौजूदा पेंशनभोगियों की पेंशन रक्षा मंत्रालय देता रहेगा।

हिमाचल प्रदेश कैंटोनमेंट एसोसिएशन के महासचिव मनमोहन शर्मा ने इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि जमीन के अधिकार राज्य सरकार को नहीं दिए गए तो छावनी क्षेत्रों के विभाजन का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

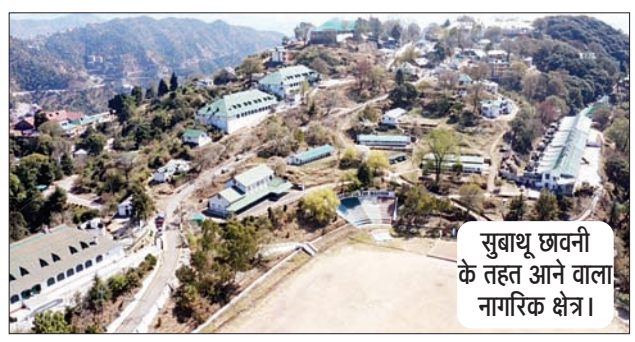

सुबाथू छावनी के तहत आने वाला नागरिक क्षेत्र।

रक्षा मंत्रालय के फैसले से बढ़ी चिंता

देशभर की छावनियों में नागरिक क्षेत्रों के पुनर्गठन और भूमि अधिकारों को लेकर विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। मई 2022 में रक्षा मंत्रालय ने छावनी क्षेत्रों को निकटवर्ती नगर निकायों में मिलाने की प्रक्रिया शुरू की थी। शुरुआती प्रस्ताव में भूमि स्वामित्व राज्य सरकार को सौंपने की बात शामिल थी। हालांकि, जून 2024 में मंत्रालय ने नया प्रावधान जोड़ते हुए भूमि पर केंद्र का नियंत्रण बनाए रखने का निर्णय लिया, जिससे 'दोहरी स्वामित्व' व्यवस्था लागू हो गई। इस व्यवस्था को लेकर राज्यों ने आपत्ति जताई है। राज्य सरकार ने नवंबर 2024 में इस व्यवस्था का विरोध करते हुए नागरिक क्षेत्रों की भूमि और मालिकाना हक राज्य को सौंपने की मांग उठाई थी। सरकार का कहना है कि छावनी बोर्डों पर लगभग 30 करोड़ रुपए की देनदारियां हैं, जबकि उनका राजस्व केवल 5 करोड़ रुपए है। अब रक्षा मंत्रालय के ताजा रुख के बाद छावनी क्षेत्रों के विभाजन और भूमि अधिकारों को लेकर विवाद और गहराने की आशंका जताई जा रही है।

शिपकी ला से फिर खुलेगा भारत-चीन सीमा व्यापार

1 जून से शुरू होगा व्यापार सत्र, 55 व्यापारियों ने किया आवेदन

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। भारत और चीन सीमा पर स्थित ऐतिहासिक शिपकी ला दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार एक बार फिर शुरू होने जा रहा है। विदेश मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद किन्नौर जिला प्रशासन ने आगामी व्यापार सत्र के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रशासन के अनुसार 1 जून से व्यापारिक गतिविधियां आरंभ होंगी, जिससे सीमांत क्षेत्रों में लंबे समय बाद आर्थिक रौनक लौटने की उम्मीद जगी है। व्यापार शुरू होने की खबर से किन्नौर के व्यापारी, बागवान और स्थानीय कारोबारी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

किन्नौर के उपायुक्त एवं सह-व्यापार प्राधिकरण डॉ. अमित कुमार शर्मा ने बताया कि अब तक करीब 55 व्यापारियों के आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इन आवेदनों को सुरक्षा मंजूरी के लिए भेजा गया है और अनुमति मिलते ही व्यापारियों को ट्रेड एवं ट्रैवल पास जारी कर दिए जाएंगे। प्रशासन का कहना है कि इस बार व्यापार प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया जाएगा ताकि सीमावर्ती व्यापार को नई गति मिल सके।

व्यापारियों के लिए विशेष कार्यशाला होगी आयोजित

व्यापारियों को आयात-निर्यात नियमों, सीमा शुल्क प्रक्रिया और सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी देने के लिए जून के पहले सप्ताह में विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी। वाणिज्य मंत्रालय, सीमा शुल्क विभाग और विदेश व्यापार महानिदेशालय के सहयोग से आयोजित होने वाली यह कार्यशाला ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से होगी।

भारत और तिब्बत के बीच होने वाले इस पारंपरिक व्यापार के तहत दोनों देशों ने वस्तुओं की सूची भी तय कर ली है। भारत की ओर से कृषि उत्पाद, चावल, जौ, आटा, गेहूं, कुट्टू, चाय, कॉफी, फल, सूखे मेवे, ताजी एवं सूखी सब्जियां, प्रसंस्कृत खाद्य सामग्री, मसाले, वस्त्र, हस्तशिल्प, जूते, घड़ियां, स्टेशनरी, बर्तन, रसायन, अगरबत्ती और स्थानीय जड़ी-बूटियां निर्यात की जाएंगी। वहीं तिब्बत की ओर से ऊन, सिल्क, कालीन, नमक, याक के बाल, पश्मीना उत्पाद, मक्खन, कंबल और स्थानीय हर्बल दवाइयों समेत करीब 20 वस्तुओं का आयात किया जाएगा।

◆ किन्नौर में बढ़ीं कारोबारी उम्मीदें भारत से 36 वस्तुओं का होगा निर्यात

प्रशासन का मानना है कि सीमा व्यापार शुरू होने से सीमांत गांवों में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। स्थानीय परिवहन, होटल कारोबार, पैकिंग, मजदूरी और कृषि उत्पादों की मांग में भी बढ़ोतरी होने की संभावना जताई जा रही है। लंबे समय से बंद पड़े इस व्यापार मार्ग के खुलने से किन्नौर की पारंपरिक व्यापारिक पहचान को भी नई मजबूती मिलेगी।

शिमला पहाड़ी स्वाद महोत्सव के लिए आवेदन आमंत्रित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। अंतरराष्ट्रीय समर फेस्टिवल शिमला के तहत इस वर्ष 'शिमला पहाड़ी स्वाद महोत्सव 2026' का आयोजन 8 जून से 12 जून तक रानी झांसी पार्क, द मॉल शिमला में किया जाएगा। इस महोत्सव के माध्यम से हिमाचल की पारंपरिक पहाड़ी पाक कला, स्थानीय व्यंजन और महिला उद्यमिता को एक नया मंच देने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन में महिला प्रोफेशनल शेफ, स्थानीय फूड उद्यमी, महिला संचालित होटल, रेस्टोरेंट, कैफ़े, स्वयं सहायता समूह तथा पारंपरिक हिमाचली व्यंजनों से जुड़ी महिलाओं को भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 मई 2026 निर्धारित की गई है।

◆ महिलाओं को मिलेगा हुनर दिखाने का मंच

चयनित प्रतिभागियों को 2 जून 2026 को आईएचएम कुफरी में आयोजित जिला स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता में हिस्सा लेना होगा, जिसके बाद फाइनलिस्ट प्रतिभागियों को समर फेस्टिवल के दौरान फूड स्टॉल आवंटित किए जाएंगे। महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का चयन बिक्री, स्टॉल सजावट, ग्राहक प्रतिक्रिया, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पारंपरिक व्यंजनों के आधार पर किया जाएगा। विजेताओं को प्रथम पुरस्कार 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 31 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार 21 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे, जबकि सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। आवेदन शुल्क 500 रुपये तथा चयनित फाइनलिस्ट के लिए स्टॉल शुल्क 25 हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

शिमला में चिट्टे के अंतरराज्यीय नेटवर्क पर पुलिस का बड़ा प्रहार

पंजाब-हरियाणा से जुड़े 3 मुख्य सरगना गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। शिमला पुलिस ने राज्य में चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए चिट्टे के अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों की जांच के दौरान बैकवर्ड लिंकेज खंगालते हुए पंजाब और हरियाणा से जुड़े तीन मुख्य सरगनाओं को गिरफ्तार किया है। इन मामलों में अब तक कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस की कार्रवाई से साफ हो गया है कि हिमाचल में नशे की सप्लाई बाहरी राज्यों से संगठित तरीके से संचालित की जा रही थी।

पुलिस थाना संजौली की टीम ने 18 मई को संजौली निवासी रवि कुमार उर्फ बंटी को 26 ग्राम चिट्टे सहित गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के मोबाइल रिकॉर्ड, वित्तीय लेन-देन और डिजिटल साक्ष्यों की गहन पड़ताल की। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी अपनी दुकान पर आने वाले ग्राहकों से अलग-अलग क्यूआर कोड के माध्यम से पैसे ट्रांसफर करवाता था और उन्हीं पैसों का इस्तेमाल चिट्टा खरीदने में किया जाता था। हैरानी की बात यह रही कि पैसे ट्रांसफर करने वाले कई लोगों को इस अवैध कारोबार की भनक तक नहीं थी। पुलिस ने इसी कड़ी को जोड़ते हुए पंजाब के तरनतारन निवासी शवनदीप को अमृतसर के जंडियाला गुरु क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

दूसरे मामले में बालूगंज थाना पुलिस ने सोलन के बसाल निवासी जय सिंघला को 14 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़ा था। पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ, बैंक खातों और सोशल मीडिया गतिविधियों की जांच में पता चला कि आरोपी इंस्टाग्राम के जरिए पंजाब के मोगा निवासी अमृत पाल के संपर्क में आया था। अमृत पाल हरियाणा के कुलदीप सिंह के साथ मिलकर चिट्टे की सप्लाई चेन संचालित कर रहा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अमृत पाल को मोगा और कुलदीप सिंह को पिंजौर से गिरफ्तार किया। जांच में लाखों रुपये के लेन-देन के प्रमाण भी मिले हैं, जिससे यह नेटवर्क काफी बड़े स्तर पर सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है।

पूरे नेटवर्क सहित उनके सरगनाओं तक पहुंचने की रणनीति पर हो रहा काम: एएसपी अभिषेक

एएसपी अभिषेक ने प्रेस वार्ता में बताया कि शिमला पुलिस अब केवल छोटे तस्करों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि नशे के पूरे नेटवर्क और उसके सरगनाओं तक पहुंचने की रणनीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बैकवर्ड लिंकेज, डिजिटल ट्रेल और वित्तीय रिकॉर्ड के जरिए पुलिस लगातार सप्लाई चेन को तोड़ने में जुटी हुई है। पुलिस का मानना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं तथा कई अन्य राज्यों से जुड़े तार सामने आने की संभावना है।

रिज मैदान पर सजेगा खुशियों का महाकुंभ

8 से 12 जून तक रंगों व संगीत से गुलजार रहेगा शिमला समर फेस्टिवल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। राजधानी शिमला का ऐतिहासिक रिज मैदान आगामी 8 से 12 जून तक रंग-बिरंगी रौनक, सांस्कृतिक उल्लास और पर्यटन गतिविधियों का केंद्र बनने जा रहा है। बहुप्रतीक्षित शिमला समर फेस्टिवल को लेकर प्रशासन और आयोजन समिति ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बार का समर फेस्टिवल पहले से अधिक आकर्षक और भव्य बनाने की तैयारी है, जिसमें स्थानीय संस्कृति, आधुनिक मनोरंजन और पर्यटन गतिविधियों का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

देश-विदेश से आने वाले सैलानियों के लिए विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला तैयार की गई है, जिससे राजधानी पांच दिनों तक उत्सवमयी वातावरण में डूबी रहेगी। समर फेस्टिवल के दौरान फ्लावर शो लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगा, जहां रंग-बिरंगे पुष्पों की मनमोहक प्रदर्शनी सजाई जाएगी। इसके साथ ही वॉलीबॉल प्रतियोगिता, डॉग शो, बेबी शो तथा 'वॉइस ऑफ माउंटेन' फैशन शो जैसे कार्यक्रम युवाओं और पर्यटकों को खासा आकर्षित करेंगे। सांस्कृतिक संध्याओं में हिमाचली लोक कलाकारों के साथ अन्य राज्यों के कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। रिज मैदान और आसपास के क्षेत्रों को विशेष सजावट से संवारा जाएगा, ताकि पर्यटक शिमला की खूबसूरती और उत्सवी माहौल का भरपूर आनंद उठा सकें।

◆ लोक संस्कृति की चमक व हेलिकॉप्टर राइड का रोमांच बनेगी पहचान

इस बार समर फेस्टिवल में हेलीकॉप्टर राइड की सुविधा भी लोगों के लिए रोमांच का बड़ा आकर्षण बनने जा रही है। पर्यटक आसमान से शिमला की वादियों और पहाड़ियों का अद्भुत नज़ारा देख सकेंगे। डीसी शिमला ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि समर फेस्टिवल पर्यटन कारोबार को नई रफ्तार देने के साथ स्थानीय व्यापारियों और होटल कारोबारियों के लिए भी लाभकारी साबित होगा। पांच दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में बड़ी संख्या में पर्यटकों की आमद की संभावना जताई जा रही है, जिसके चलते सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

जिला परिषद चुनाव : लोकतंत्र के रण में उतरी मीनाक्षी माजटा और नेहा मेहता

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। जिला परिषद चुनाव के तहत मंगलवार को कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी मीनाक्षी माजटा और नेहा मेहता ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान किया। जिला परिषद वार्ड बढ़ाल से चुनाव मैदान में उतरीं मीनाक्षी माजटा तथा सरस्वती नगर वार्ड से प्रत्याशी नेहा मेहता ने लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी निभाते हुए क्षेत्रवासियों से भी बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। दोनों प्रत्याशियों ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मत बेहद अहम होता है और जनता का एक-एक वोट क्षेत्र के भविष्य की दिशा तय करता है। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही समर्थकों और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान दोनों प्रत्याशियों ने विश्वास जताया कि क्षेत्र की जनता विकास, जनसेवा और पारदर्शी कार्यशैली को समर्थन देगी। उन्होंने कहा कि चुनाव केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और विश्वास को मजबूत करने का अवसर भी होता है। चुनावी माहौल के बीच समर्थकों में भी जोश और उत्साह साफ दिखाई दिया।

◆ मतदान कर जनता को दिया जागरूकता का संदेश

कांग्रेस जीत से बौखलाया विपक्ष: जिंटा

लगातार बढ़ रहे पेट्रोल और डीजल के दामों पर भाजपा को घेरा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महामंत्री विनोद जिंटा ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देशभर में लगातार बढ़ रही महंगाई, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी तथा आम जनता पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर भाजपा पूरी तरह मौन बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि किसान, कर्मचारी, मजदूर, व्यापारी, युवा और गृहिणियां सभी बढ़ती महंगाई से परेशान हैं, लेकिन भाजपा नेताओं को जनता की रोजमर्रा की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है। जिंटा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता को राहत देने के बजाय केवल राजनीतिक बयानबाजी और भ्रम फैलाने में व्यस्त है, जबकि पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से खाद्य पदार्थों, परिवहन और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है।

◆ नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस को मिली जीत को बताया जनसमर्थन

विनोद जिंटा ने कहा कि भाजपा के नेता जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निराधार आरोप लगा रहे हैं और झूठा प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत ने भाजपा को पूरी तरह बौखला दिया है। जनता ने भाजपा की जनविरोधी नीतियों, झूठे वादों और सत्ता की राजनीति को सिरे से नकार दिया है। इसी हताशा में भाजपा विभिन्न मंचों पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ बेबुनियाद शिकायतें दर्ज करवा रही है ताकि सहानुभूति हासिल की जा सके, लेकिन प्रदेश की जागरूक जनता भाजपा की राजनीति और उसके असली चेहरे को भली-भांति पहचान चुकी है।

जिंटा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पारदर्शिता, जनकल्याण और विकास की सोच के साथ कार्य कर रही है। सरकार द्वारा हर वर्ग के हित में लिए जा रहे फैसलों और विकासात्मक योजनाओं पर जनता ने अपनी स्पष्ट मुहर लगा दी है। उन्होंने दावा किया कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी के पक्ष में सकारात्मक माहौल दिखाई दे रहा है, जिससे भाजपा की बेचैनी लगातार बढ़ रही है। जिंटा ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी प्रदेश की जनता कांग्रेस पार्टी के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और अगले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पुन: भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी।

भुवनेश्वर में अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारी की परिषद बैठक 29 से

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भगवान जगन्नाथ की पावन धरा भुवनेश्वर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक 29 से 31 मई तक शिक्षा 'ओ' अनुसंधान विश्वविद्यालय में आयोजित होगी। इस तीन दिवसीय बैठक में देशभर के विभिन्न राज्यों से 484 प्रतिनिधि कार्यकर्ता भाग लेंगे, जिनमें राष्ट्रीय पदाधिकारी, विद्यार्थी नेतृत्वकर्ता, शिक्षाविद एवं विभिन्न आयामों से जुड़े प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। बैठक से पहले 27 मई को केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक तथा 28 मई को विभिन्न आयामों, गतिविधियों और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विशेष बैठकें आयोजित होंगी। अभाविप द्वारा चलाए जा रहे स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम अभियान, वंदे मातरम् के 150 वर्ष, छात्रावास सर्वेक्षण अभियान और आपातकाल निषेध के 50 वर्ष जैसे विषयों पर भी विस्तृत चिंतन किया जाएगा।

बैठक की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाले नागरिक अभिनंदन समारोह में ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस समारोह में अभाविप के पूर्व एवं वर्तमान कार्यकर्ताओं के साथ शिक्षाविद, सामाजिक नेतृत्वकर्ता और विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजन भाग लेंगे। परिषद बैठक के दौरान शिक्षा व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक और सामाजिक विषयों, छात्रसंघ चुनाव, संगठनात्मक विस्तार तथा युवाओं की भूमिका को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय अधिवेशन 2026, अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी संपर्क और विभिन्न संगठनात्मक योजनाओं की दिशा भी तय की जाएगी।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि यह बैठक वर्तमान समय की चुनौतियों और अवसरों के बीच संगठन की आगामी दिशा तय करने वाली महत्वपूर्ण बैठक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि देशभर से आए कार्यकर्ता शिक्षा, पर्यावरण, आर्थिक विषयों, राष्ट्रीय सुरक्षा और युवाओं की भूमिका जैसे मुद्दों पर गहन मंथन करेंगे।

समग्र अधिगम संवर्धन कार्यक्रम के तहत 68 हजार विद्यार्थियों का प्रारंभिक शैक्षणिक आकलन

4,677 सरकारी विद्यालयों में बच्चों की शैक्षणिक क्षमता परखी

अनंत ज्ञान

आकलन में भाग लेते सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने की दिशा में समग्र शिक्षा ने महत्वपूर्ण पहल की है। समग्र अधिगम संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के 4,677 सरकारी माध्यमिक, उच्च और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में छठी कक्षा के विद्यार्थियों का व्यापक प्रारंभिक शैक्षणिक आकलन कराया गया। इस प्रक्रिया में 68 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनकी विज्ञान, गणित, हिंदी और अंग्रेजी विषयों में सीखने की क्षमता का मूल्यांकन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की वास्तविक शैक्षणिक स्थिति को समझना और उनकी अधिगम संबंधी कमियों की पहचान करना है।

समग्र शिक्षा विभाग का मानना है कि इस प्रारंभिक आकलन के माध्यम से विद्यालयों और शिक्षकों को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप शैक्षणिक सहायता उपलब्ध करवाने में सहायता मिलेगी। मूल्यांकन के आधार पर यह निर्धारित किया जाएगा कि किन क्षेत्रों में विद्यार्थियों को अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग की आवश्यकता है। विभाग के अनुसार इससे शिक्षण प्रणाली को अधिक प्रभावी व परिणाममुखी बनाने में मदद मिलेगी तथा विद्यार्थियों की बुनियादी समझ को मजबूत किया जा सकेगा।

आकलन के बाद चिन्हित किए जाने वाले सबसे कमजोर 25 प्रतिशत विद्यार्थियों के लिए विशेष सुधारात्मक शैक्षणिक सहायता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को अतिरिक्त अध्ययन सामग्री, अभ्यास कार्य और विशेष शिक्षण गतिविधियों से जोड़ा जाएगा, ताकि उनकी सीखने संबंधी कमियों को दूर किया जा सके। विभाग का लक्ष्य कमजोर विद्यार्थियों को मुख्यधारा के समान शैक्षणिक स्तर तक पहुंचाना और उनमें आत्मविश्वास विकसित करना है।

इस बार मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरी तरह तकनीक आधारित बनाया गया। विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच विशेष चिह्नित उत्तर पत्रक प्रणाली के माध्यम से की जा रही है, जिससे मूल्यांकन में पारदर्शिता और एकरूपता सुनिश्चित हो रही है। इन उत्तर पत्रकों को विद्या समीक्षा केंद्र के विशेष संवाद अनुप्रयोग के जरिए स्कैन कर परिणाम तैयार किए जा रहे हैं। इससे परिणाम प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज, सरल और सटीक बन गई है। सुधारात्मक शिक्षण कार्यक्रम पूरा होने के बाद विद्यार्थियों का अंतिम शैक्षणिक आकलन भी कराया जाएगा, जिससे यह पता लगाया जा सके कि विशेष प्रयासों के माध्यम से विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में कितना सुधार हुआ है।

स्कूली बच्चों की वास्तविक स्थिति समझने का प्रयास

समग्र शिक्षा निदेशक डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि समग्र अधिगम संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत कराया गया यह प्रारंभिक शैक्षणिक आकलन प्रदेश के स्कूली बच्चों की वास्तविक सीखने की स्थिति को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें विशेष शैक्षणिक सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि प्रत्येक बच्चे की सीखने की क्षमता में प्रभावी सुधार सुनिश्चित किया जा सके। विभाग का प्रयास है कि सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को और अधिक मजबूत बनाया जाए तथा हर विद्यार्थी को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध हों।

लाइसेंसी हथियार जमा न करवाने वालों पर कार्रवाई

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में पंचायत चुनाव के बीच शिमला जिला पुलिस ने लाइसेंसी हथियार जमा न कराने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला दंडाधिकारी के आदेशों के बावजूद कई शस्त्र धारकों द्वारा अपने हथियार पुलिस के पास जमा नहीं करवाए गए, जिसके बाद चिड़गांव और रोहड़ू थानों में मामले दर्ज किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार पंचायत और नगर निकाय चुनावों को शांतिपूर्ण तरीके से करवाने के लिए जिला दंडाधिकारी ने सभी लाइसेंसी हथियार धारकों को अपने हथियार संबंधित थानों में जमा कराने के आदेश जारी किए थे। यह कदम चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया था।

चिड़गांव थाना क्षेत्र में कुल 712 लाइसेंसी हथियार दर्ज हैं। इनमें से 667 हथियार ही पुलिस के पास जमा करवाए गए, जबकि बाकी हथियार धारकों ने आदेशों का पालन नहीं किया। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (बी) और आयुध अधिनियम की धाराओं 25, 54 और 59 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि जिन्होंने अब तक अपने हथियार जमा नहीं करवाए हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

◆ चिड़गांव और रोहड़ू थानों में केस दर्ज

वहीं, रोहड़ू थाना क्षेत्र में भी इसी तरह का मामला सामने आया है। यहां कुल 2,218 लाइसेंसी हथियार हैं, लेकिन केवल 1,746 हथियार ही जमा करवाए गए। बाकी हथियार धारकों द्वारा आदेशों की अनदेखी करने पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (बी) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार संबंधित लोगों के खिलाफ आगे भी कानून के अनुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मुख्य सचिव पद को लेकर कांग्रेस सरकार पर भाजपा का तीखा हमला

प्रशासनिक व्यवस्था का बना दिया मजाक : जम्वाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मुख्य सचिव पद पर की गई नियुक्ति को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल ने कांग्रेस सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को पूरी तरह राजनीतिक हितों के आधार पर चलाया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजय गुप्ता को सेवानिवृत्ति से ठीक पहले केवल चार से पांच दिनों के लिए नियमित मुख्य सचिव नियुक्त करना सरकार की अस्थिर और भ्रमित कार्यप्रणाली को दर्शाता है। जम्वाल ने कहा कि पिछले लगभग एक वर्ष से संजय गुप्ता अतिरिक्त कार्यभार के रूप में कार्य कर रहे थे, लेकिन अब अचानक नियमित नियुक्ति देना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। भाजपा का कहना है कि इतने महत्वपूर्ण संवैधानिक और प्रशासनिक पद को इस प्रकार अल्पकालिक तरीके से भरना प्रदेश की नौकरशाही और प्रशासनिक गरिमा दोनों का अपमान है।

राकेश जम्वाल ने कांग्रेस सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में प्रशासनिक फैसले पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव और निजी हितों को ध्यान में रखकर लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की कोई चिंता नहीं है और अधिकारियों पर दबाव बनाकर मनचाहे निर्णय करवाए जा रहे हैं। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्य सचिव जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर इतनी कम अवधि की नियुक्ति से अधिकारियों के मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और इससे शासन व्यवस्था की गंभीरता पर भी प्रश्नचिह्न लगता है। भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रशासनिक निर्णयों की विश्वसनीयता लगातार कमजोर हुई है।

भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि संजय गुप्ता की नियुक्ति ऐसे समय में की गई है जब उनके खिलाफ विभिन्न विवाद और आरोप सार्वजनिक बहस का हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने चेस्टर हिल प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि इस मामले को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। साथ ही उन्होंने दावा किया कि नियुक्ति को लेकर हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की गई है, जिसमें एफआईआर, विजिलेंस क्लियरेंस और प्रशासनिक प्रक्रिया से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं। जमवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने प्रदेशहित और प्रशासनिक पारदर्शिता की अनदेखी करते हुए अपने राजनीतिक एजेंडे को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता सब कुछ देख रही है और आने वाले समय में कांग्रेस सरकार को इन फैसलों का जवाब देना पड़ेगा।

चिंता मौसम के बदलते तेवरों ने तोड़ी उम्मीदें, इस बार उत्पादन एक करोड़ पेटियों तक सिमटने की आशंका

हिमाचल में सेब सीजन पर संकट के बादल

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में सेब सीजन शुरू होने से पहले ही बागवानों के चेहरों पर चिंता साफ दिखाई देने लगी है। मई महीने के अंतिम दौर में प्रदेश के कई ऊपरी और मध्यम ऊंचाई वाले इलाकों में सेब की भारी ड्रॉपिंग ने बागवानों को झटका दिया है। पेड़ों से लगातार गिर रहे छोटे फलों ने आने वाले सीजन को लेकर आशंकाएं बढ़ा दी हैं।

बागवानों का कहना है कि इस बार मौसम का पूरा चक्र असामान्य रहा है। कभी तेज गर्मी, कभी अचानक बारिश और कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि ने शुरुआती अवस्था में ही फसल को प्रभावित कर दिया। अब जून का महीना सामने है और यदि आने वाले दिनों में मौसम ने फिर करवट बदली तो प्रदेश का कुल उत्पादन रिकॉर्ड गिरावट के साथ एक करोड़ पेटियों के आसपास सिमट सकता है। जानकारी के अनुसार प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सेब बागवानी की रीढ़ माने जाने वाले इस क्षेत्र से लाखों परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। सामान्य वर्षों में राज्य से पांच से छह करोड़ पेटियों तक उत्पादन होता रहा है, लेकिन इस बार शुरुआती संकेत बागवानों के लिए राहत देने वाले नहीं दिख रहे। कई इलाकों में पेड़ों पर फल की संख्या पहले ही कम दिखाई दे रही है, जबकि लगातार हो रही ड्रॉपिंग ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

बागवानों का कहना है कि यदि जून में तेज आंधी, तूफान या लगातार बारिश का दौर चला तो पेड़ों पर बचे फलों पर भी बड़ा असर पड़ सकता है। बागवानों के अनुसार इस बार सबसे बड़ी चिंता यह है कि मौसम लंबे समय तक स्थिर नहीं रहा। मार्च और अप्रैल में तापमान में अचानक बढ़ोतरी हुई, जिसके बाद कई क्षेत्रों में नमी की कमी महसूस की गई। इसके बाद मई में बीच-बीच में हुई बारिश और तेज हवाओं ने फल गिरने की प्रक्रिया को और बढ़ा दिया। विशेषज्ञ मानते हैं कि सेब की शुरुआती अवस्था में मौसम का संतुलन बेहद जरूरी होता है और इस बार यही संतुलन बिगड़ा हुआ दिखाई दिया। यही कारण है कि इस बार उत्पादन को लेकर अनिश्चितता लगातार बढ़ती जा रही है।

हालांकि कुछ बागवान यह भी मान रहे हैं कि यदि जून के दौरान मौसम साफ और सामान्य रहा तो पेड़ों पर बचे फलों का आकार बेहतर हो सकता है। ऐसे में उत्पादन भले कम रहे, लेकिन अच्छी गुणवत्ता के कारण बाजार में बेहतर दाम मिलने की उम्मीद बनी रहेगी। फिलहाल पूरे प्रदेश में बागवानों की नजरें आसमान पर टिकी हुई हैं और हर बदलता मौसम उनके लिए नई चिंता लेकर आ रहा है।

ड्रॉपिंग प्रकृति का सामान्य चक्र, मजबूत फल ही टिकते हैं अंत तक

बागवानी विशेषज्ञ डॉ. एसपी भारद्वाज ने कहा कि इस समय सेब में जो ड्रॉपिंग देखने को मिल रही है, वह काफी हद तक प्रकृति का सामान्य चक्र है। उन्होंने बताया कि जब पेड़ों पर जरूरत से ज्यादा फल लग जाते हैं तो कमजोर फल अपने आप नीचे गिर जाते हैं और जो फल मजबूत होते हैं वही अंत तक टिके रहते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में मौसम ने थोड़ी राहत जरूर दी है, जिससे अब पेड़ों पर बचे फलों के आकार में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है। डॉ. भारद्वाज के अनुसार यदि आने वाले दिनों में मौसम सामान्य बना रहता है तो गुणवत्ता बेहतर होगी और बाजार में अच्छे दाम भी मिल सकते हैं। उन्होंने बागवानों से घबराने के बजाय बागों की उचित देखभाल, पोषण प्रबंधन और रोग नियंत्रण पर ध्यान देने की अपील की है, ताकि पेड़ों पर टिके फल बेहतर गुणवत्ता के साथ तैयार हो सकें।

मतदाताओं में दिखा भारी जुनून

परागपुर। जसवां-परागपुर के विधायक एवं पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह ठाकुर ने परिवार के साथ मतदान किया। अनंत ज्ञान

नौरा पंचायत में हीरा लाल शर्मा (93) व उनकी धर्मपत्नी कमला देवी (83) ने वोटा डाला।

बगली पंचायत में 102 वर्षीय ईश्वर दास ठाकुर ने किया मतदान।

विकलांग माता कुशला देवी को उठाकर मतदान के लिए ले जाता बेटा।

विधायक काजल ने सहौड़ा पंचायत में परिवार सहित किया मतदान। अनंत ज्ञान

पंचायत चुनाव : महिला मतदाताओं में दिखा भारी उत्साह

मतदान के लिए सुबह से ही बूथों के बाहर लगी लाइनें, बुजुर्ग भी पीछे नहीं

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। कांगड़ा जिले में पंचायत चुनाव के तहत मंगलवार सुबह 9 बजे तक 19 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिला के विभिन्न विकास खंडों में मतदाताओं ने सुबह से ही मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

महिला मतदाताओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला और महिला मतदान प्रतिशत 19.09 दर्ज किया गया। जिलेभर में कुल 4,25,091 मतदाताओं में से सुबह 9 बजे तक 80,780 मतदाता मतदान कर चुके थे। इनमें 40,696 पुरुष और 40,084 महिला मतदाता शामिल रहे। सबसे अधिक मतदान देहरा विकास खंड में 21.43 प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि पालमपुर में 21.13 प्रतिशत, नगरोटा बगवां में 21.16 प्रतिशत और भवारना में 20.8 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं सबसे कम मतदान प्रागपुर विकास खंड में 16.16 प्रतिशत दर्ज किया गया। नूरपुर विकास खंड में 18.66 प्रतिशत, कांगड़ा में 18.66 प्रतिशत, धर्मशाला में 18.06 प्रतिशत, शाहपुर क्षेत्र के रैत ब्लॉक में 17.96 प्रतिशत तथा लंबागांव में 17.71 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

11 बजे तक 39.96 प्रतिशत मतदान, बड़ोह में सबसे अधिक: मंगलवार सुबह 11 बजे तक मतदान में तेजी देखने को मिली और कुल 39.96 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। महिला मतदाताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा महिला मतदान प्रतिशत 45.21 तक पहुंच गया। जिला भर में कुल 4,25,091 मतदाताओं में से सुबह 11 बजे तक 1,69,849 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। इनमें 74,901 पुरुष और 94,948 महिला मतदाता शामिल रहीं। सबसे अधिक मतदान बड़ोह विकास खंड में 46.89 प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि देहरा में 45.8 प्रतिशत, नगरोटा बगवां में 44.12 प्रतिशत, पालमपुर में 43.65 प्रतिशत तथा भवारना में 43.73 प्रतिशत मतदान हुआ।

महिला मतदान प्रतिशत में भी बड़ोह 55.26 प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहा। वहीं सबसे कम मतदान परागपुर विकास खंड में 36 प्रतिशत दर्ज किया गया। धर्मशाला में 37.81 प्रतिशत, लंबागांव में 37.1 प्रतिशत, नगरोटा सूरियां में 37.95 प्रतिशत तथा पंचरुखी में 37.54 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

गढ़ खास पंचायत में मतदाता अपना मतदान करने के लिए लाइन में खड़े प्रतीक्षा करते हुए। अनंत ज्ञान

पंचायत सपडुल के मतदान केंद्र में मतदान के लिए खड़े मतदाता।

दोपहर 1 बजे तक 59.42 फीसदी मतदान

जिले में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के दौरान सोमवार दोपहर 1 बजे तक कुल 59.42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। महिला मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला और महिला वोट प्रतिशत 68.08 फीसदी रहा। आंकड़ों के अनुसार नूरपुर ब्लॉक में सबसे अधिक 20,601 वोट पड़े, जबकि कांगड़ा ब्लॉक में 20,061 और नगरोटा सूरियां में 19,972 मत डाले गए। मतदान प्रतिशत के लिहाज से बरोह ब्लॉक सबसे आगे रहा, जहां 66.16 फीसदी मतदान हुआ। वहीं नगरोटा बगवां में 65.34 और देहरा में 64.23 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इंदौरा ब्लॉक में 59.34 प्रतिशत, भवारना में 62.29, सुरानी में 61.31, रैत में 57.44, धर्मशाला में 57.77, बैजनाथ में 57.71 और फतेहपुर में 60.33 प्रतिशत मतदान हुआ। जिला भर में कुल 4,25,091 मतदाताओं में से दोपहर 1 बजे तक 2,52,570 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे।

करियाड़ा-ठाकुरद्वारा पंचायत चुनाव में धूप भी नहीं रोक पाई मतदातों के कदम

अनंत ज्ञान, गरली। करियाड़ा-ठाकुरद्वारा पंचायत चुनाव में इस बार लोकतंत्र का ऐसा नजारा देखने को मिला जिसने पूरे क्षेत्र को गर्व से भर दिया।

कड़क धूप के बावजूद महिलाएं, पुरुष और युवा सुबह से ही लंबी-लंबी कतारों में खड़े रहे। हर चेहरा केवल एक ही संकल्प लिए थामतदान जरूर करना है। वार्ड नंबर 5 में 107 वर्षीय बुजुर्ग महिला चिड़ी देवी ने उम्र को मात देते हुए मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उनका यह साहस पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन गया। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी बाबू राम शर्मा (94 वर्ष) ने भी मतदान कर यह साबित किया कि जिम्मेदारी उम्र की मोहताज नहीं होती। गंभीर बीमारी से जूझ रहीं। संतोष कुमारी शर्मा (78 वर्ष) ने परिजनों के सहारे मतदान केंद्र पहुंचकर लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभाई। निचला करियाड़ा (कुंदली हार) के 77 वर्षीय गुलबंत सिंह, जो पैरालाइसिस से बुरी तरह ग्रस्त हैं, उन्हें युवाओं ने कंधों पर उठाकर करियाड़ा मिडल स्कूल स्थित पोलिंग बूथ तक पहुंचाया और उन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

107 वर्षीय चिड़ी देवी से लेकर पैरालाइसिस पीड़ित गुलबंत सिंह तक कंधों पर पहुंचे मतदान करने मतदाता। अनंत ज्ञान

ग्वाल टिक्कर पोलिंग बूथ पर 80 वर्षीय दीनाराम वोट डालने जाते हुए। अनंत ज्ञान

कृषि उपज मंडी समिति एवं प्रदेश ओबीसी के अध्यक्ष निशु मोगरा ने किया मतदान। अनंत ज्ञान

28 को लंबागांव की 17 पंचायतों में होगा मतदान

अनंत ज्ञान, नरेंद्र डोगरा, जयसिंहपुर। विकास खंड लंबागांव में दूसरे चरण 28 मई को 17 पंचायतों में मतदान होगा। इन पंचायतों में जैद, जांगल, लंबागांव , दगोह, जालग, बरडाम, मोलग, हारसी, चंबी, बीजापुर, भगेतर, अप्पर ठेहड्डू, हरोट, सोल बुनेहड़, पपलाह, लाहड्डू और जयसिंहपुर शामिल है।

पठियार पंचायत वार्ड नंबर 5 में नगरोटा बगवां के उपमंडल अधिकारी अपने मत का प्रयोग किया। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी व बेटे भी मतदान किया।

चीन का मकसद तिब्बत की पहचान को नष्ट करना: लेक्शे

अनंत ज्ञान

- धर्मगुरु के पुर्नजन्म पर चीन का न हिस्टोरिकल और न ही ट्रेडिशनल कोई अधिकार
- कहा- तिब्बती संस्कृति की दिखेगी छटा, तिब्बत को जानने का मिलेगा अवसर

ब्यूरो, धर्मशाला। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के प्रवक्ता तेन्जिन लेक्शे ने कहा कि चीन का मकसद तिब्बत की पहचान को नष्ट करना है, जिसके लिए चीन लंबे समय से प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि धर्मगुरु दलाईलामा के पुर्नजन्म पर चीन का न हिस्टोरिकल और न ही ट्रेडिशनल कोई अधिकार है। चीन के पास सिर्फ पावर है, उसका इस्तेमाल करके चीन, जो उसके पास नहीं था, उसे पाने का प्रयास चीन कर रहा है।

स्पष्ट है कि चीन के पास धर्मगुरु के पुर्नजन्म को लेकर कोई अधिकार नहीं है, बल्कि केवल धर्मगुरु के पास ही उनके पुर्नजन्म का अधिकार है। उन्होंने कहा कि तिब्बती लोग निर्वासन में रहते हुए तिब्बत की सांस्कृतिक परंपरा और पहचान को बचाने की कोशिश में लगे हैं। इसी कड़ी में 28 से 30 मई तक धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड में तिब्बती सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

जिला मुख्यालय धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड में लोगों को तीन दिनों तक तिब्बती संस्कृति को जानने का मौका मिलेगा। तेन्जिन लेक्शे ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में बताया कि तिब्बती सांस्कृतिक उत्सव में तिब्बती संस्कृति व परंपरा को प्रदर्शित किया जाएगा। तिब्बती संस्कृति की छठा बिखेरते सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा। वहीं, किताबों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। तिब्बत संस्कृति को जानने के इच्छुक लोगों के लिए यह कार्यक्रम काफी सहायक होगा। गौरतलब है कि तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा के 90वें जन्मदिन वर्ष को तिब्बती समुदाय कम्पैशन ईयर के रूप में मना रहा है, जिसके चलते धर्मगुरु पर बनी फिल्म भी हिंदी में प्रदर्शित की जाएगी।

नवनिर्वाचित तिब्बती राष्ट्रपति पेंपा त्सेरिंग का शपथ ग्रहण समारोह आज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। निर्वासित तिब्बत सरकार के केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) ने नवनिर्वाचित सिक्योंग यानी राष्ट्रपति पेंपा त्सेरिंग का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। भव्य समारोह 27 मई बुधवार को सुबह आठ बजे धर्मशाला स्थित त्सुगलाखंग मठ में आयोजित किया जाएगा। समारोह में 14वें तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा की उपस्थिति में नए राष्ट्रपति शपथ ग्रहण कर पदभार संभालेंगे। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन सीटीए की ओर से आयोजित किए जाने वाले समारोह को तिब्बती लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य अतिथि, अधिकारी, विदेशी प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम लोग शामिल होंगे। सीटीए प्रशासन का कहना है कि यह आयोजन न केवल तिब्बती समुदाय बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों और तिब्बती संघर्ष के समर्थन का प्रतीक बनेगा। सीटीए की ओर से शपथ ग्रहण समारोह को लेकर धर्मशाला में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और अतिथियों के स्वागत के लिए प्रशासनिक स्तर पर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

थुरल टीम ने जीता 81वां जूनियर जनरल जनक मेमोरियल वॉलीबाल टूर्नामेंट

अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा, डरोह। खैरा में आयोजित 81वें रायबहादुर मेजर जनरल जनक मेमोरियल वॉलीबाल जूनियर वर्ग का टूर्नामेंट संपन्न हो गया। प्रतियोगिता में जिले के स्कूली छात्रों की 11 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जयसिंहपुर टीम की थुरल के खिलाड़ियों से जोरदार भिड़ंत देखने को मिली। थुरल टीम ने विजेता ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। मुख्यातिथि डॉ. चंदन देव सिंह कटोच ने थुरल की विजेता टीम व जयसिंहपुर की उपविजेता टीम को ट्रॉफी व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। अर्चित शर्मा व लविश को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। इसके साथ-साथ सीनियर वर्ग की प्रतियोगिता का भी शुभारंभ हो गया। सीनियर वर्ग में हिमाचल प्रदेश सहित अन्य पड़ोसी राज्यों, सेना व खेल संघों की चर्चित टीमें इस बार भी शिरकत कर रही हैं।

अर्चित शर्मा व लविश को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया। अनंत ज्ञान

तलवाड़ टीम बनी सिद्ध बाबा घासी राम क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता

अनंत ज्ञान, नरेंद्र डोगरा, जयसिंहपुर। जयसिंहपुर उपमंडल के अंतर्गत सकोह पंचायत में आयोजित सिद्ध बाबा घासी राम क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न हो गई। फाइनल मुकाबला तलवाड़ और सकोह टीम के बीच हुआ। तलवाड़ टीम विजेता रही। मुख्यतिथि हिमांशु राणा ने विजेता ओर उप विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया व अपनी तरफ से आयोजकों को 11000 रुपए का योगदान दिया। इस अवसर पर हेम राज शर्मा, प्रताप चंद, प्रकाश चंद, कमलेश कुमार, सुनील राणा, सरूप धीमान, जगता उपस्थित रहे।

स्कूलों में शुरू होगी नि:शुल्क करियर काउंसिलिंग योजना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को शिक्षा बोर्ड कार्यालय धर्मशाला में एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा बोर्ड के सचिव, अकादमिक शाखा के अधिकारियों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान डॉ. शर्मा ने जानकारी दी कि शिक्षा बोर्ड प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क करियर काउंसिलिंग कार्यक्रम शुरू करने की दिशा में कार्य कर रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता और भविष्य की संभावनाओं के अनुरूप सही करियर मार्गदर्शन उपलब्ध करवाना है। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, कार्यान्वयन प्रक्रिया और विद्यालय स्तर पर इसकी प्रभावी व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा बोर्ड आधुनिक एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

आईपीएल मैच तीन बजे ही स्टेडियम की ओर दर्शकों का रुख, मैच के रोमांच के आगे कड़क़ती धूप दिखी बेअसर

विराट के साथ दिखी शुभमन गिल की दीवानगी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में पहली बार आईपीएल टूर्नामेंट का फर्स्ट क्वालीफायर रॉयल चैलेंजर बंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच खेला गया। मैच के चलते दर्शकों में विराट कोहली और शुभमन गिल को लेकर खासी दिवानगी दिखी। आलम यह था कि मैच साढ़े सात बजे शुरू होना था, जबकि दर्शकों का हुजूम तीन बजे के लगभग ही स्टेडियम की ओर रुख करना शुरू हो गया था। ऐसे में कड़कती धूप भी क्रिकेट के रोमांच के आगे बेअसर नजर आई।

दर्शक बोले- विराट को देखने आए: पंजाब से आए दर्शकों का कहना था कि भले ही आज पंजाब का मैच नहीं है, लेकिन विराट कोहली का खेल देखने वे यहां आए हैं। इस बार विराट कोहली का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है। वहीं शुभमन गिल के भी कई फैन्स भी मैच देखने पहुंचे थे।

सुरक्षा व ट्रैफिक इंतजाम बेहतर

मैच के लिए उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व ट्रैफिक के पुलिस की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कहीं भी जाम की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस जवान तैनात किए गए थे।

विराट के नारे लगाते चले क्रिकेट प्रेमी: मैच देखने जा रहे क्रिकेट प्रेमियों में विराट कोहली की बैटिंग देखने का खासा क्रेज नजर आया। उनके प्रशंसक, विराट कोहली के नारे लगाते हुए स्टेडियम की ओर बढ़ते रहे। साथ ही दावा जता रहे थे कि विराट की टीम ही जीतेगी।

विराट की जर्सियों की भारी मांग

मैच देखने आए अधिकतर दर्शकों ने विराट कोहली के नाम वाली जर्सियां पहन रखी थी। वहीं, शुभमन गिल के नाम ही जर्सियों को लेकर भी लोगों में क्रेज दिखा। इनमें से कुछ ऐसे भी थे जो कि चेन्नई टीम के फैन्स थे, लेकिन धर्मशाला में हो रहे पहले क्वालीफायर को देखने आए थे।

कांगड़ा एयरपोर्ट पर मैच के चलते पांच चार्टर विमान हुए लैंड

अनंत ज्ञान, गगल। कांगड़ा एयरपोर्ट पर आज पांच चार्टर विमान लैंड हुए जिनमें से सुबह के विमान में गुजरात टाइटन के मालिक और शाम को 4:50 मिनट पर रॉयल चैलेंज बेंगलुरु की मालकिन अनन्य बिरला कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंची, जहां प्रशासकों का अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर अनन्य बिरला ने गग्गल एयरपोर्ट पर स्थापित काउंटर की कार्यकर्ता शीतल से हाथ मिलाकर बातचीत की और उसे गले से लगाए जिस पर सभी आसपास में खड़े लोग हैरान हो गए की इतनी मासूम चेहरे वाली अनन्य बिरला सभी का दिल ले गई।

क्वालीफायर मुकाबले से चरम पर पर्यटन कारोबार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश के विख्यात पर्यटनों में शामिल धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में हुए फर्स्ट क्वालीफायर मैच को लेकर ऑक्यूपेंसी में काफी वृद्धि दर्ज की गई है। वीकेंड के बाद से धर्मशाला पर्यटन सर्किल में ऑक्यूपेंसी 100 प्रतिशत के करीब पहुंच गई जिससे पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिल गए।

हालांकि, आईपीएल के इस सीजन के दौरान धर्मशाला के पर्यटन कारोबार को काफी लाभ मिला है। पर्यटन से जुड़े लोगों के अनुसार आईपीएल सीजन के यहां हुए 4 मुकाबलों के दौरान ऑक्यूपेंसी का लेबल 60 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत रहा, जबकि क्वालीफायर मुकाबले को लेकर ऑक्यूपेंसी 90 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई। बताते चलें कि आईपीएल टूर्नामेंट से हर बार पर्यटन कारोबार को खासा मुनाफा होता है। मैचों के दौरान होटल ऑक्यूपेंसी 60 से 90 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई, जबकि पूरे आयोजन अवधि में औसतन 60 प्रतिशत तक कमरे भरे रहे। होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन धर्मशाला के अध्यक्ष अश्वनी बांबा ने बताया कि आईपीएल मुकाबलों से हर वर्ष की तरह इस बार भी पर्यटन उद्योग को बड़ा लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि अब 26 मई को होने वाले पहले क्वालिफायर मुकाबले से कारोबार में और उछाल मिला है।

पठानकोट में आईएसआई के हाई-टेक जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़, 3 और आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, अशोक ठाकुर, पठानकोट। पठानकोट पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक हाई-टेक जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। मामले में पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या पांच हो गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मुख्य आरोपी बलजीत सिंह उर्फ बीतू का सगा भाई हरदीप सिंह भी शामिल है। उस पर पुलिस रेड के दौरान मोबाइल फोन छिपाने और डिजिटल साक्ष्य नष्ट करने का आरोप है। इसके अलावा गुरदासपुर के दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है, जो कथित रूप से आईएसआई हैंडलर्स के सीधे संपर्क में थे। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने एनएच-44 पर सुजानपुर के पास रणनीतिक स्थान पर सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। इन कैमरों के जरिए भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों की लाइव मूवमेंट रिकॉर्ड कर पाकिस्तान भेजी जा रही थी। पुलिस ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता और अन्य कड़े कानूनों के तहत केस दर्ज किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां अब पूरे नेटवर्क और इसके विदेशी संपर्कों की गहन जांच कर रही हैं।

मतदान को लेकर दिखा भारी उत्साह

वोट डालने के बाद सेल्फी खिंचवाते मतदाता। अनंत ज्ञान

विकलांग व्यक्ति को बूथ तक ले जाते हुए एनएसएस के बच्चे।

भोरंज के चंबोह स्कूल में वोट डालने जाती बुजुर्ग महिला।

टिक्करी मिन्हासा पंचायत के वार्ड-1 से 100 वर्षीय रेस्मो देवी ने वोट डाला।

पांडवी में 95 वर्षीय नारायणी देवी वोट डालने के बाद चुनाव चिन्ह दिखाती हुई।

चायत उखली के वार्ड नंबर 2 गौटा में 85 वर्षीय जीतो देवी, 92 वर्षीय बाबू राम वोट डालने जाते हुए। अनंत ज्ञान

जिले में साढ़े चार बजे तक चलता रहा मतदान

83 पंचायतों में प्रधान-उपप्रधान और 481 वार्ड सदस्यों के लिए डाले गए वोट, बूथों के बाहर सुबह ही लग गई थीं लाइनें

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के पहले चरण में जिला हमीरपुर की 83 ग्राम पंचायतों में मंगलवार को सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया था, लेकिन कई बूथों पर लंबी कतारें होने के कारण मतदान साढ़े चार बजे तक चलता रहा। उसके बाद मतगणना का प्रक्रिया को मुकम्मल किया गया। गौर रहे कि जिले की 83 पंचायत चुनावों में प्रधान और उपप्रधान के 83-83 पदों और पंचायत वार्ड सदस्यों के 481 पदों के लिए वोट डाले गए। उसके बाद ही मतगणना शुरू की गई। सभी बूथों से मत पेटियों को एक स्थान पर लाया गयाद्व उसके बाद मतगणना शुरू कर दी गई। हालांकि, लोग सुबह से वोट डालने के पहुंचने लगे थे, लेकिन दोपहर धूप अधिक होने के मतदान कुछ धीमा हो गया। जैसे ही धूप कम होने लगी लोग घरों से निकल कर बूथों पर पहुंचे जिससे मतदान के लिए लंबी कतारें लग गई।

चंगर पोलिंग बूथ पर 93 वर्षीय महिला वोट डालने की इंतजार में। अनंत ज्ञान

उपायुक्त हमीरपुर गंधर्वा राठौड़ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पट्टा में बनाए गए बूथ में जानकारी लेती हुईं।

बिझड़ी वार्ड से चुनाव लड़ रहे तीनों उम्मीदवारों ने भाईचारे की मिसाल पेश करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक बूथ पर जब तीनों उम्मीदवार समर्थकों सहित इकट्ठे हुए। तीनों ने ही एक-दूसरे को बहुत ही आदर भाव के साथ गले लगाया और हाथ मिलाकर अभिनंदन किया।

धमरोल वार्ड में हाई वोल्टेज चुनावी ड्रामा, विधायक की गाड़ी को डंडे दिखाकर लौटाने का आरोप

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोंरज के तहत धमरोल वार्ड में जिला परिषद चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल उस समय गरमा गया, जब वार्ड से चुनाव लड़ रही उम्मीदवार राजकुमारी और उनके पति पवन कुमार ने विधायक की गाड़ी को क्षेत्र से वापस भेजने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि धमरोल में पहुंचे विधायक के विरोध में स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई और गाड़ी को वापस लौटना पड़ा। राजकुमारी और पवन कुमार ने आरोप लगाया कि चुनावी माहौल के बीच एक सेवानिवृत्त अधिकारी की उपस्थिति भी कई सवाल खड़े कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होने चाहिए तथा प्रशासन को पूरे मामले का संज्ञान लेना चाहिए।

गौरतलब है कि 26 मई को धमरोल पंचायत में चुनाव होने हैं। चुनाव से ठीक एक दिन पहले हुए इस घटनाक्रम ने पूरे क्षेत्र में राजनीतिक माहौल को और गर्मा दिया है। क्षेत्र में इस मामले को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है और लोग इसे हाई वोल्टेज चुनावी ड्रामे के रूप में देख रहे हैं।

दूसरे चरण की 82 पंचायतों में चुनाव प्रचार थमा

प्रधान-उपप्रधान के 164 व पंचायत सदस्यों के 466 पदों और जिला परिषद और बीडीसी वार्डों के लिए भी मतदान होगा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, हमीरपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के दूसरे चरण में हमीरपुर जिले की 82 ग्राम पंचायतों में मंगलवार सायं 3 बजे चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। इन पंचायतों में प्रधान एवं उपप्रधान के कुल 164 पदों और पंचायत सदस्यों के कुल 466 पदों के अलावा इनके अंतर्गत आने वाले जिला परिषद और बीडीसी वार्डों के लिए भी मतदान होगा।

दूसरे चरण में नादौन ब्लॉक की 21 पंचायतों में 115 बूथ बनाए गए हैं। बिझड़ी ब्लॉक की 17 पंचायतों में 99 बूथ, बमसन ब्लॉक की 8 पंचायतों में 42 बूथ, भोरंज ब्लॉक की 15 पंचायतों में 91 बूथ, हमीरपुर ब्लॉक की 13 पंचायतों में 75 बूथ और सुजानपुर की 8 पंचायतों में 44 बूथ बनाए गए हैं। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इन पंचायतों में मतदान की समाप्ति के लिए निर्धारित समय तक की 48 घंटे की अवधि के भीतर किसी भी तरह की चुनावी जनसभा, जुलूस, सांस्कृतिक कार्यक्रम, टीवी-सिनेमा शो और सार्वजनिक बैठकों इत्यादि पर प्रतिबंध रहेगा। 48 घंटे की इसी अवधि के दौरान इन पंचायतों में शराब की बिक्री और वितरण पर भी प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान किसी भी होटल, रेस्तरां, बार, क्लब, मैरिज पैलेस और अन्य सार्वजनिक एवं निजी व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी शराब के वितरण पर पूर्ण पाबंदी रहेगी। मतदान के दिन सभी मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में सभी तरह की प्रचार गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी तरह की प्रचार सामग्री प्रदर्शित करने, मतदाताओं को लुभाने या प्रभावित करने से संबंधित अन्य सभी गतिविधियों पर पूर्ण पाबंदी रहेगी। मतदान केंद्रों और इसके आस-पास के क्षेत्रों में हथियार लेकर चलने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मतदान ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। 28 मई को मतदान का समय सुबह 7 बजे से सायं 3 बजे तक रहेगा। पंचायत प्रधान, उपप्रधान और वार्ड सदस्यों के चुनाव परिणाम उसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे, जबकि पंचायत समिति और जिला परिषद के मतों की गिनती 31 मई को सुबह 9 बजे सभी ब्लॉक मुख्यालयों में आरंभ होगी।

दूसरा चरण : 82 पंचायतों में होगा मतदान

1. ब्राहलड़ी
2. ताल
3. चमनेड़
4. सेर बलौणी
5. अग्घार
6. नेरी
7. टिब्बी
8. काले अंब
9. छियोड़ीं
10. बलोह
11. नाल्टी
12. भगेटू
13. ख्याह लोहाखरियां
14. भेरड़ा
15. पुरली
16. लग-कढियार
17. चारियां दी धार
18. बारीं
19. समीरपुर
20. पंजोत
21. टपरे
22. लहड़ा
23. पनसाई
24. लाहड़ कोटलू
25. मालग
26. बसारल
27. बढेड़ा
28. सरेड़ी
29. कलूर
30. लंजयाणा
31. जसाई
32. भदरूं
33. रंगस
34. हथोल
35. बदारन
36. करौर
37. भदरोल
38. बूणी
39. सपड़ोह
40. बरधियाड़
41. भरमोटी खुर्द
42. चमराल
43. जंगल
44. बीड़ बगेहड़ा
45. सपाहल
46. पटलांदर
47. चलोह
48. बनाल
49. बलेहू
50. री
51. जाहू
52. रौहीं
53. बडैहर
54. भलवाणी
55. लुद्दर महादेव
56. झरलोग
57. बजड़ोह
58. हनोह
59. भुक्कड़
60. दाड़ीं
61. ढनवान
62. दसमल
63. खरवाड़
64. दिम्मी
65. बधानी
66. सठवीं
67. धंगोटा
68. ग्यारहग्रां
69. चकमोह
70. दांदड़ू
71. करेर
72. गरली
73. कलवाल
74. बड़ाग्रां
75. जोड़े अंब
76. ननावां
77. धबड़ियाणा
78. दलचेहड़ा
79. सोहारी
80. कठियाणा
81. समताणा कलां
82. मोरसू सुल्तानी

मझौ के जंगल में लगी भीषण आग आम का बगीचा जलने से बचाया

धिरड़ पंचायत के मझौ जंगल में लगी भीषण आग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

भोरंज। उपमंडल भोंरज की धिरड़ पंचायत के अंतर्गत मझौ जंगल में सोमवार को भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। तेज गर्मी और सूखी झाड़ियों के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और देखते ही देखते जंगल का बड़ा हिस्सा इसकी चपेट में आ गया।

आग धीरे-धीरे रिहायशी क्षेत्रों और आसपास के बगीचों की ओर बढ़ने लगी, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। इसी दौरान स्थानीय निवासी चमन लाल का आम का बगीचा भी खतरे की जद में आ गया। स्थिति गंभीर होते देख ग्रामीणों ने तुरंत फायर ब्रिगेड विभाग और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फायर ब्रिगेड की तत्परता और ग्रामीणों की सूझबूझ से चमन लाल का आम का बगीचा सुरक्षित बच गया और एक बड़ा नुकसान टल गया। ग्रामीणों ने दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, हालांकि प्रारंभिक तौर पर सूखी घास या लापरवाही को इसकी वजह माना जा रहा है।

प्रदूषण से परेशान भिड़ावासी, विभाग ने भी किया दौरा

तीन दिन का नोटिस जारी, बेस्ट मटेरियल के ट्रीटमेंट का इंतजाम न होने से सड़क किनारे नाली पर बह रही गंदगी

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। हमीरपुर भोटा नेशनल हाईवे पर भिड़ा में वाहन बेचने वाली कई कंपनियां प्रदूषण भी फैला रही हैं। कारण यह है कि उनके भीतर से गंदगी के आकार का तरल पदार्थ बाहर आ रहा है। वह सड़क किनारे बनी नाली से बहता हुआ नीचे तक पहुंच रहा है।

इस वजह से यह बदबू फैला रहा है। आसपास के लोगों को इससे किल्लत हो रही है। आने जाने वालों को भी परेशानी है और ऐसा नहीं है कि यह दिक्कत कोई एक-दो दिनों से हुई है। काफी समय से ऐसा ही चल रहा है। इसी वजह से लोग बार-बार शिकायत कर रहे हैं। लोगों ने सोमवार को जब प्रदूषण विभाग से इसकी शिकायत की तो उनके अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने एक कंपनी को तीन दिन का नोटिस दिया और कहा कि व्यवस्था बना लें, क्योंकि भीतर का कचरा तरल पदार्थ के रूप में बाहर नहीं आना चाहिए। उसके लिए जो भी ट्रीटमेंट प्लांट है, उसका सदुपयोग किया जाए।

नोटिस के बाद सफाई में जुटे कर्मचारी। अनंत ज्ञान

हालांकि, ट्रीटमेंट प्लांट यदि अंदर है तो फिर व्यवस्था क्यों नहीं बन रही। क्या वह खराब चल रहा है या दिखावे का है। कंपनी के भीतर से किसी भी तरह का वेस्टेज सड़क तक नहीं आना चाहिए। ऐसा लगता है कि यहां लापरवाही लंबे समय से हो रही है। किसी एक कंपनी की यह स्थिति नहीं है और कंपनियां भी इसी तरह से काम चलाऊ व्यवस्था में माहौल बनाए हुए हैं, लेकिन अब क्योंकि लोग भी थोड़े जागरूक हुए हैं और प्रदूषण विभाग ने साफ कह दिया है कि व्यवस्था बना लें। मंगलवार को अनंत ज्ञान की टीम जब यहां पहुंची तो टाटा मोटर्स के इंचार्ज सुमित कुमार का कहना था कि निश्चित रूप में शाम तक ही सारी व्यवस्था हो जाएगी। यहां पर वेस्ट मटेरियल बाहर नहीं आएगा और जिस नाली में पानी का रिसाव हो रहा है, उसे व्यवस्थित कर दिया जाएगा, इसकी साफ सफाई भी होगी।

ब्यास नदी में मिला नहाते समय डूबे युवक का शव

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। सुजानपुर के भलेठ क्षेत्र के पास सिहोरबाला पुल समीप ब्यास नदी के बीचों-बीच एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

स्थानीय लोगों ने नदी में शव फंसा हुआ देखा तो तुरंत इसकी सूचना सुजानपुर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव को नदी से बाहर निकालकर किनारे तक पहुंचाया गया।

जांच के दौरान मृतक युवक की पहचान 26 वर्षीय प्रवासी युवक आकाश के रूप में हुई, जो डोली क्षेत्र में तूड़ी की दुकान पर काम करता था। जानकारी के अनुसार आकाश करीब तीन दिन पहले अपने कुछ प्रवासी साथियों के साथ ब्यास नदी में नहाने गया था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और तेज बहाव में वह नदी में डूब गया। बताया जा रहा है

◆ साथियों ने नहीं दी थी सूचना, पुलिस जांच में जुटी

कि युवक के साथी काफी देर तक उसकी तलाश करते रहे, लेकिन जब उसका कोई सुराग नहीं मिला तो वे वहां से चले गए। सबसे गंभीर बात यह रही कि घटना की सूचना न तो पुलिस को दी गई और न ही प्रशासन को अवगत करवाया गया। यदि समय रहते जानकारी दी जाती तो तलाश अभियान पहले शुरू किया जा सकता था।

मंगलवार को युवक का शव सिहोरबाला पुल के पास दिखाई देने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। थाना प्रभारी प्रकाश ठाकुर ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है तथा युवक के साथ मौजूद लोगों से भी पूछताछ की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

भोटा स्कूल में सात और बच्चे पीलिया की चपेट में

अनंत ज्ञान

◆ स्टूडेंट्स की संख्या 31 पहुंची, एक बच्चे को चंडीगढ़ किया रेफर

संजीव भाटिया, भोटा। भोटा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पीलिया से पीड़ित बच्चों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और यह संख्या 31 पहुंच गई है। मंगलवार को सात और विद्यार्थियों में पीलिया की पुष्टि होने के बाद स्कूल और अभिभावकों में चिंता का माहौल गहरा गया है। जानकारी के अनुसार एक सातवीं कक्षा के छात्र की हालत गंभीर होने पर उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है, जहां उसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। वहीं सात अन्य छात्र भोटा के चैरिटेबल अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

मामले में स्वास्थ्य विभाग और जल शक्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। दोनों विभागों ने पहले विभिन्न स्थानों से पानी के सैंपल लेकर औपचारिकताएं निभाई, लेकिन जिस पुरानी बावड़ी का पानी बच्चे अक्सर पीते थे, उसके सैंपल मंगलवार को लिए गए। यह बावड़ी स्कूल परिसर से करीब 20 से 30 मीटर दूर झाड़ियों में स्थित है। स्कूल के प्रधानाचार्य सनम ने बताया कि कुछ विद्यार्थियों ने जानकारी दी थी कि खेल के दौरान वे इस बावड़ी का ठंडा पानी पी लिया करते थे। इसके बाद जल शक्ति विभाग ने वहां से पानी के नमूने एकत्र किए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही बीमारी फैलने के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। स्कूल में मंगलवार को करीब 50 बच्चे अनुपस्थित रहे। अभिभावकों में बीमारी को लेकर भय का माहौल है, जिसके चलते वे बच्चों को स्कूल भेजने से हिचक रहे हैं। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटा हुआ है।

सत्र न्यायाधीश ने पुलिस अधीक्षक को जारी कारण बताओ नोटिस

जिला सत्र न्यायालय में दोनाली बंदूक के साथ पहुंच गया था पूर्व सैनिक

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। जिला सत्र न्यायालय में सोमवार को जिस प्रकार का घटनाक्रम हुआ है, उससे कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस प्रकार से एक व्यक्ति बंदूक और दराट को साथ लेकर सत्र न्यायाधीश के कोर्ट रूम के बाहर पहुंच गया था उससे पुलिस प्रशासन को सकते में आ गया था।

बताया जा रहा है मंगलवार को जिला सत्र न्यायाधीश ने पुलिस अधीक्षक को इस घटनाक्रम को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही बुधवार को पुलिस अधीक्षक को कोर्ट में हाजिर होने के लिए भी कहा है। इतना तो तय है कि कहीं न कहीं तो चूक हुई है। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने कोर्ट परिसर के गेट पर मेटल डिटेक्टर भी लगा दिया है। हालांकि जिला बार एसोसिएशन ने पुलिस प्रशासन से कोर्ट परिसर में 4 मेटल डिटेक्टर लगाने की मांग की थी। पुलिस प्रशासन का कहना था कि उनके पास केवल 5-6 मेटल डिटेक्टर हैं, इसलिए यहां पर एक ही लगाया जा सकता है। बता दें कि मंगलवार को कोर्ट परिसर के अंदर दोनाली बंदूक के साथ पकड़े गए आरोपी को एसडीएम के पास पेश किया। उसके बाद आरोपी पूर्व सैनिक रमन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या कहते हैं जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील कौंडल का कहना है कि 3 महीने पहले डीसीएमएस की बैठक हुई थी, जिसमें 4 मेटल डिटेक्टर लगाने का आग्रह किया था। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने 4 मेटल डिटेक्टर लगाने असमर्थता जताई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस के 5 -6 ही मेटल डिटेक्टर हैं। उन्होंने बताया कि जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, उस समय चीफ जस्टिस का भी दौरा था। जिला बार एसोसिएशन ने उनके समक्ष भी यह मांग रखी थी।

अनंत ज्ञान फॉलोअप

पूर्व सैनिक को आज कोर्ट में किया जाएगा पेश

पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह ने बताया कि कोर्ट परिसर में बंदूक साथ ले जाने व्यक्ति को मंगलवार को एसडीएम के पास पेश किया गया। उसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी की गई। उन्होंने बताया कि आरोपी को बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पुलिस ने डूढ़ाना में ट्राले के चोरी टायर 12 घंटे में किए बरामद

अनंत ज्ञान

गलोड़। डूढ़ाना क्षेत्र में ट्राले के टायर चोरी होने के मामले को पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर सुलझाते हुए चोरी किए गए टायर बरामद कर लिए पुलिस ने दो आरोपियों को नामजद किया है, जिन्होंने पूछताछ के दौरान चोरी की वारदात कबूल कर ली है।

जानकारी के अनुसार ठेकेदार सुभाष चंद्र ने अपना ट्राला (नंबर एचपी 67-5343) घर से कुछ दूरी पर खड़ा किया था। सुबह जब वह मौके पर पहुंचे तो ट्राले के टायर गायब पाए गए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही हमीरपुर और गलोड़ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्धों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने अमन कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार निवासी गोईस तथा ऋषभ कुमार पुत्र मनोहर लाल निवासी खंगरू डाकघर कसवाड को

इस मामले में नामजद किया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने रात के समय ट्राले के टायर निकाले थे।

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किए गए टायर बराहलड़ी के जंगल से बरामद कर लिए। बताया जा रहा है कि मामले में नामजद एक आरोपी पहले भी कई मामलों में संलिप्त रह चुका है। डीएसपी राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात में अन्य लोग भी शामिल थे या नहीं।

अग्निवीर भर्ती : एआरओ हमीरपुर से 1000 युवा सिलेक्ट 27 को रिपोर्ट करने के आदेश

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। थल सेना अग्निवीर भर्ती 2025-26 के तहत जिला हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना के युवाओं के लिए आयोजित अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल और ट्रेड्समैन भर्ती का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। थल सेना भर्ती कार्यालय हमीरपुर के निदेशक कर्नल श्रीधर राजन ने बताया कि अभ्यर्थी अपना परिणाम ज्वाइन इंडियन आर्मी की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। इस वर्ष भर्ती कार्यालय हमीरपुर के अंतर्गत लगभग 1000 युवाओं का चयन हुआ है, जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड माना जा रहा है। कर्नल श्रीधर राजन ने सभी सफल उम्मीदवारों को बधाई देते हुए निर्देश दिए हैं कि वे 27 मई को सुबह 8:30 बजे थल सेना भर्ती कार्यालय हमीरपुर में आगामी औपचारिकताओं के लिए अनिवार्य रूप से रिपोर्ट करें। उन्होंने अभ्यर्थियों से सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लाने और समय पर पहुंचने की अपील भी की है।

मतदान की झलकियां

करसोग के तत्तापानी वार्ड नंबर-4 में द्वारकू देवी (101) ने लोकतंत्र के प्रति आस्था व्यक्त की।

राजदेई (105) पत्नी कृष्ण चंद निवासी गांव मतेहड़ी ने मतदान केंद्र में जाकर वोट डाला।

भेखलु राम (89) और बुज्जी देवी (80) दंपती ने बरोट पंचायत के वार्ड नंबर 6 में किया मतदान।

चेत्री देवी 86 ने बरोट पंचायत के वार्ड नंबर 6 में किया मतदान।

जोगिंद्रनगर। रेखा देवी (89) मतदान के उपरांत एसडीएम मनीश चौधरी व एसएचओ सकीनी कपूर के साथ।

सुंदरनगर। ग्राम पंचायत मलोह में 101 वर्षीय दुर्गा राम ने मतदान किया।

सरकाघाट। रिस्सा पंचायत के वार्ड रिस्सा छिड़ की निवासी रोशनी देवी (95) ने मतदान किया।

नबाही वॉर्ड नंबर 6 में बुजुर्ग दंपती ज्ञान चंद शर्मा (88) और पत्नी ब्रह्मी देवी (68) ने मतदान किया।

सरकाघाट। मसेरन ग्रीन बूथ पर पन्छू देवी (101) अपना वोट डालते हुए काफी उत्साहित दिखी।

घरवासड़ा पंचायत के वार्ड-1 में कारजू देवी (106) ने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

दिव्यांग मतदाता को कंधों पर उठाकर बूथ तक पहुंचाया

सरौन पंचायत में मतदान केंद्र तक पहुंचना बना चुनौती, अव्यवस्थाओं की खुली पोल

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। उपमंडल धर्मपुर के अंतर्गत पड़ने वाली सरौन पंचायत में अव्यवस्थाओं की पोल खुलती नज़र आई। एक तरफ़ जहां पोलिंग बूथ तक सड़क सुविधा न होने से चमयोलका निवासी 26 वर्षीय 100% दिव्यांग को कंधों पर उठा कर, पॉलिंग बूथ तक लाया गया, वहीं कच्चे और अस्थाई रास्ते की वजह से अन्य नागरिकों ख़ासकर बजुर्ग महिला और वरिष्ठ नागरिकों को, पोलिंग बूथ तक पहुंचने में अच्छी खासी परेशानी झेलना पड़ी।

दूसरी तरफ राष्ट्रीय उच्च निर्माण कंपनी ने पाठशाला की पुरानी सड़क को तोड़ दिया था जिसे बार बार बोलने पर भी नहीं बनाया गया। ऊपर से चोलथरा बाज़ार की तरफ़ जाने वाली सड़क की वर्तमान चौड़ाई जो पहले ही कम थी, उसे और कम कर, पोलिंग बूथ की तरफ़ कच्चा रास्ता बना दिया गया, जिसकी वजह से बड़ी गाड़ियों को वहां से निकलना अति मुश्किल होता है और चालकों में चिड़चिड़ा पन होने की कारण बनती हैं। और ये वही स्थान हैं जहां कुछ दिन पहले एक औरत का पांव फिसलने से वो ट्रक के नीचे आ कर गंभीर रूप से घायल हो गई थी, और उनके इलाज़ के दौरान उनकी टांग काटना पड़ी हैं। अब इसी जगह

की और कम कर दिया गया है, जिससे बसो के टायर के फटने का अंदेशा भी रहता हैं।

हिमाचल दिव्यांग कल्याण समिति के प्रदेश महासचिव व सामाजिक कार्यकर्ता रमेश चन्द भारद्वाज ने चुनाव आयोग से, जनता द्वारा घर बैठकर वोट देने का आग्रह किया है साथ ही वर्तमान चुनाव प्रक्रिया में बदलाव करने का भी आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि बूथ के बाहर भी मतदाताओं की मदद के लिए, जनसंख्या के हिसाब से 3-4 लोगों की ड्यूटी लगाने का आग्रह किया है साथ ही बैलेट पेपर के पीछे वार्ड, पंचायत या पोलिंग बूथ के नाम के बजाएं, पहचान और वोटो की गिनती के लिए, केवल विशेष कोड नंबर लिखने की बात कही है, विशेष कोड की जानकारी, चुनावी ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को ही होनी चाहिए और वार्ड वाइस चुनाव परिणामों को घोषित करने के बजाए, पूरी ही पंचायत का चुनाव परिणाम घोषित करना चाहिए, जिससे लोगों में राजनीतिक मत भेदों को कम या ख़त्म किया का सके। जब तक घर से वोट देने की प्रक्रिया शुरू नहीं हो जाती, तबतक बायोमेट्रिक के माध्यम से, मतदान करवाना चाहिए, जिससे ज़ाली वोट पर पाबंदी लगाई जा सके। पोलिंग बूथ पर मतदाता के वोटर को चेक न करना, भी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल पैदा करता है। चुनावों में पारदर्शिता पर नहीं बल्कि गुप्तता पर बल देना चाहिए।

स्थानीय लोगों में प्रताप सिंह भारद्वाज, अजय कुमार, सोमा देवी, बिहारी लाल, लता पठानिया, अजय भारद्वाज, किरण कुमारी इत्यादि ने उपरोक्त मांगों का समर्थन कर, मौजूदा व्यवस्था को सुदृढ़ करने को मांग की है।

जयदेवी पंचायत में सुबह 6:00 से ही लाइनों में खड़े हो गए मतदाता

अनंत ज्ञान

राजेंद्र कुमार, जयदेवी। ग्राम पंचायत जय देवी में चुनाव के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखा गया है। मतदाता सुबह 6:00 से ही लाइनों में खड़े हो गए थे। 1593 मतदाताओं वाली पंचायत में इस बार प्रधान पद के लिए पांच उप-प्रधान के लिए पांच तथा बीडीसी के लिए तीन उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

जय देवी-1 जय देवी -2 तथा जन्द्रैहली से वार्ड सदस्य को निर्विरोध चुन लिया गया है, बाकी बचे चार वार्डों में आठ उम्मीदवार वार्ड सदस्य के लिए भाग्य आजमा रहे हैं। वोटिंग में सबसे अधिक उम्र के बुजुर्ग हिम्मत राम, रंची देवी 85 साल तथा हिमी देवी 86 साल ने भी अपना वोट डाला। समाचार लिखे जाने तक सभी पोलिंग बूथ

बुजुर्ग हिम्मत राम ने जयदेवी पंचायत में मतदान किया।

में 70% वोटिंग हो चुकी थी इस बार 90 से 95% तक वोटिंग होने का अनुमान है।

8.54 ग्राम हेरोइन मामले में दोषी को पांच साल की सजा

अनंत ज्ञान

◆ अदालत ने लगाया 50 हजार रुपए जुर्माना

सरकाघाट। स्पेशल जज सरकाघाट की माननीय अदालत ने एनडीपीएस एक्ट के तहत एक महत्वपूर्ण मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। उप जिला न्यायवादी राजीव शर्मा ने बताया कि माननीय स्पैशल जज डॉ. अबीरा वासू की अदालत ने सरकार बनाम अजय कुमार मामले में यह फैसला सुनाया।

आरोपी अजय कुमार (28) पुत्र सोमदत्त निवासी गांव बारीं, तहसील बलद्वाड़ा जिला मंडी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत दोषी पाया गया। अदालत ने जुर्माना अदा न करने की स्थिति में आरोपी को अतिरिक्त तीन माह के साधारण कारावास की सजा भी सुनाई है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 25 जून 2021 को शाम करीब 6:10 बजे पुलिस टीम गश्त पर थी। इसी दौरान एक व्यक्ति बारीं से भाम्बला की ओर पैदल जा रहा था। पुलिस को देखकर वह अचानक घबराकर पीछे मुड़कर भागने लगा और अपनी निक्कर की जेब से एक लिफाफा निकालकर झाड़ियों में फेंक दिया। पुलिस ने संदेह के आधार पर उसे मौके पर पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उसकी पहचान अजय कुमार के रूप में हुई।

पुलिस ने झाड़ियों से बरामद लिफाफे की जांच की तो उसमें भूरे रंग का गोलाकार पदार्थ मिला, जो जांच में हेरोइन (स्मैक) पाया गया। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन करने पर इसकी मात्रा 8.54 ग्राम दर्ज की गई। उप जिला न्यायवादी ने बताया कि मामले में अभियोजन पक्ष ने अदालत में कुल 14 गवाहों के बयान दर्ज करवाए और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए। गवाहों की गवाही और प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई।

बरोट-चौहार और छोटाभंगाल घाटी में जियो व बीएसएनएल नेटवर्क व्यवस्था चरमराई

अनंत ज्ञान, रूपी ठाकुर, बरोट। बरोट-चौहार घाटी तथा छोटाभंगाल घाटी के दुर्गम क्षेत्रों में जियो और बीएसएनएल नेटवर्क की लगातार बिगड़ती व्यवस्था से उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घाटी के अनेक गांवों में पिछले लगभग एक माह से मोबाइल नेटवर्क कभी पूरी तरह ठप हो जाता है तो कभी अत्यंत कमजोर सिग्नलों के साथ काम कर रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है। जियो तथा बीएसएनएल उपभोक्ता सुरेश कुमार, बुद्धि सिंह, रागी राम, श्याम सिंह, विजय कुमार, त्रिलोक चंद, अंजू, माधवी, दीपा तथा माया ने बताया कि जब क्षेत्र में जियो कंपनी के टावर स्थापित किए गए थे, तब नेटवर्क सुविधा काफी बेहतर थी, लेकिन पिछले एक माह से सेवाएं लगातार बाधित चल रही हैं। लोगों का कहना है कि चौहार घाटी की खलैहल पंचायत के छोटी झरवाड़ गांव तथा मुल्थान के समीप ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थापित टावर अपेक्षित सेवाएं देने में असफल साबित हो रहे हैं। स्थिति यह है कि दुर्गम गांवों के साथ-साथ बरोट और मुल्थान बाजार सहित आसपास के क्षेत्रों में भी मोबाइल उपभोक्ताओं को नेटवर्क समस्या से जूझना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने जियो और बीएसएनएल प्रबंधन से मांग की है कि टावरों में आई तकनीकी खराबी को शीघ्र दूर कर उपभोक्ताओं को सुचारू मोबाइल सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएं।

चौहार और छोटाभंगाल घाटी में पेट्रोल पंप व गैस एजेंसी खोलने की मांग तेज

अनंत ज्ञान

रूपी ठाकुर, बरोट। चौहार घाटी और छोटाभंगाल घाटी में पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी तथा वाहन मरम्मत कार्यशाला जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर स्थानीय लोगों ने केंद्र सरकार से शीघ्र ठोस कदम उठाने की मांग की है। चौहार घाटी की बरोट पंचायत के थुजी गांव निवासी एवं पूर्व सूबेदार रामसरन चौहान ने कहा कि लगभग पंद्रह वर्ष पूर्व हिमाचल प्रदेश के दौरे पर आए पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए गैस एजेंसियां और पेट्रोल पंप खोलने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक क्षेत्र को इन सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि बरोट, झटिंगरी, फुलाधार, मुल्थान, राजगुंधा, बड़ा ग्रां, नलहौता, प्लाचक और पनिहारटू जैसे पर्यटन स्थल तेजी से विकसित हो रहे हैं तथा यहां प्रतिवर्ष हजारों देशी-विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन पेट्रोल पंप न होने से पर्यटकों और स्थानीय वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि घाटी में वाहन मरम्मत कार्यशालाओं की कमी भी लंबे समय से महसूस की जा रही है, जबकि गैस एजेंसी न होने के कारण लोगों को गैस सिलेंडर भरवाने के लिए दूर-दराज क्षेत्रों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। रामसरन चौहान ने क्षेत्रवासियों की ओर से केंद्र सरकार से मांग की है कि पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण इन घाटियों में शीघ्र पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी तथा मिनी वर्कशॉप स्थापित किए जाएं, ताकि लोगों व पर्यटकों को राहत मिल सके।

छात्रों और सीआईएसएफ जवानों ने दिया सफाई का संदेश

अनंत ज्ञान, जंगमबाग। बीएसएल प्रोजेक्ट सुंदरनगर द्वारा 16 मई से 30 मई तक मनाए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' के तहत आसपास के परिवेश को साफ-सुथरा रखने और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज एक विशेष 'स्वच्छता जागरूकता रैली' का आयोजन किया गया। उप मुख्य अभियंता कश्मीर सिंह ठाकुर द्वारा स्वच्छता रैली को एस-4 चौक से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस जागरूकता रैली में बीएसएल सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल और सरकारी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल सुंदरनगर के छात्रों और सीआईएसएफ के जवानों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। रैली की शुरुआत के अवसर पर 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' के महत्व को ध्यान में रखते हुए सभी प्रतिभागियों को 'स्वच्छता की शपथ' भी दिलाई गई।

ढांगू में भक्ति और गुरु कृपा से आलोकित हुआ शतचंडी महायज्ञ

ढांगू स्थित प्रणव आश्रम में आयोजित शतचंडी महायज्ञ में उपस्थित श्रद्धालु व स्वामी प्रणवानंद।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। प्रणव आश्रम विकास सभा, ढांगू में श्रद्धामूर्ति स्वामी प्रणवानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में 21 मई से 28 मई 2026 तक आयोजित शतचण्डी महायज्ञ श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के वातावरण में संपन्न हो रहा है। महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन दर्शन शास्त्र सत्संग, आरोग्य सत्संग, यज्ञ अनुष्ठान, जप-पाठ एवं आध्यात्मिक प्रवचनों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। वैदिक मंत्रोच्चार और पवित्र आहुतियों से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान है। गुरुजी के अमृतमय वचनों से श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन को नई दिशा देने वाली प्रेरणा प्राप्त हो रही है।

योग्य सम्मान से वंचित लेखक व साहित्यकार

अनंत ज्ञान, विजय कुमार, हटगढ़। हिमाचल प्रदेश के लेखक और साहित्यकार देशभर में अपनी अलग पहचान रखते हैं तथा कहानी, कविता, उपन्यास, नाटक, संस्मरण, लघुकथा, व्यंग्य और अन्य साहित्यिक विधाओं में लगातार उत्कृष्ट साहित्य रच रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद राज्य में साहित्यकारों और कलाकारों को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने कहा कि कला संस्कृति भाषा अकादमी और भाषा संस्कृति विभाग बेहतर कार्य कर रहे हैं, मगर पर्याप्त बजट के अभाव में कई योजनाएं प्रभावित होती हैं। उन्होंने मांग उठाई कि शिमला, धर्मशाला, मंडी, सुंदरनगर, कुल्लू, मनाली, चंबा, हमीरपुर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लेखक गृह बनाए जाएं तथा पहले से बंद पड़े लेखक गृहों को पुनः बहाल किया जाए ताकि साहित्यकार, कलाकार और रंगकर्मी वहां ठहरकर रचनात्मक गतिविधियां, विचार गोष्ठियां, सम्मेलन, पुस्तक विमोचन और सांस्कृतिक आयोजन कर सकें। सुकेत साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद सुंदरनगर के सचिव एवं साहित्यकार कृष्ण महादेविया ने भी सरकार से सुंदरनगर में लेखक गृह निर्माण और पुराने लेखक गृहों की बहाली की मांग करते हुए कहा कि साहित्य और कला से जुड़े लोगों को सम्मान और सुविधाएं मिलना आवश्यक है।

बलद्वाड़ा स्कूल में बच्चों को स्वस्थ और जागरूक रहने के दिए टिप्स

विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच करते हुए।

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट के अतंर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बलद्वाड़ा में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

इस दौरान स्वास्थ्य निरीक्षण टीम के सदस्य डॉ. विशाल कुमार सोनी, डॉ. विमल प्रतिम, हेमंत कुमार और अनिता शर्मा ने स्कूल के 370 से अधिक विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच के दौरान कई बच्चों में दंत रोग, कान संबंधी समस्याएं, गले के रोग, दृष्टि हानि तथा अन्य जन्मजात विकारों के लक्षण पाए गए। जिन बच्चों में अधिक स्वास्थ्य समस्याएं सामने आईं, उन्हें बेहतर उपचार और विस्तृत जांच के लिए उच्च चिकित्सालय में परामर्श लेने की सलाह दी गई।

स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, स्वच्छता अपनाने और नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहने के लिए भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। टीम ने बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में स्कूल की प्रधानाचार्य शकुंतला का विशेष सहयोग रहा, जिनके प्रयासों से कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

ड्राइविंग टेस्ट व वाहन पासिंग प्रक्रिया स्थगित

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। आगामी पंचायती राज चुनावों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने उपमंडल सरकाघाट में आयोजित होने वाले ड्राइविंग लाइसेंस ट्रायल और वाहन पासिंग प्रक्रिया को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है। यह निर्णय प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने और चुनाव संबंधी कार्यों को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से लिया गया है। उपमंडलाधिकारी (नागरिक) एवं पंजीकरण व अनुज्ञापन प्राधिकारी, सरकाघाट ने जानकारी देते हुए बताया कि 28 एवं 29 मई को निर्धारित ड्राइविंग टेस्ट और वाहनों की पासिंग अब आगामी आदेशों तक आयोजित नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनावी तैयारियों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की व्यस्तता बढ़ गई है, जिसके चलते यह कदम उठाना आवश्यक हो गया। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नई तिथियों की घोषणा शीघ्र ही अलग से जारी कर दी जाएगी।

चांबी पंचायत में मतदान को लेकर उत्साह

अनंत ज्ञान, भीम बसेड़ू राजपूत, महादेव। पंचायतीराज चुनाव के अंतर्गत कुल 2752 मतदाताओं (पुरुष 1400व महिला मतदाता 1352) वाली ग्राम पंचायत चांबी में 2 बजे तक 1774 मतदाताओं जिनमें 815 पुरुष तथा 959 महिला मतदाताओं ने प्रधान प्रत्याशी तीन, उप प्रधान प्रत्याशी तीन, बीडीसी दो और जिला परिषद सदस्य प्रत्याशी सहित वार्ड सदस्यों आदि के पक्ष में अपनी-अपनी समझ के मुताबिक मतदान किया। इस प्रकार चांबी पंचायत को मिलाकर 11 पंचायतों में दो बजे तक कुल 63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

77 वर्षीय कला देवी ने स्वयं आकर किया मतदान

अनंत ज्ञान, महादेव। पंचायतीराज चुनाव के पहले चरण में मंगलवार को नाचन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत एवं विकास खंड धनोटू में आती ग्राम पंचायत छातर में 12 बजे तक 50 प्रतिशत वोटिंग हुई ।इस दौरान सबसे अधिक उम्र की महिला मतदाता 77 वर्षीय कला देवी ने स्वयं आकर मतदान किया। नौ वार्डों वाली इस पंचायत में करीब 2300मतदाता हैं जिन्होंने प्रधान पद के 4प्रत्शासियों सहित 4ही प्रत्याशियों उपप्रधान, 4 बीडीसी, 4 जिला परिषद आदि प्रत्याशियों के पक्ष में अपना - अपना मतदान किया।

अनदेखी जगन्नाथ रथयात्रा से पहले जंगमबाग मंदिर परिसर में स्वच्छता व सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग

जंगमबाग मंदिर परिसर की प्राचीन बावड़ी बदहाल

अनंत ज्ञान मुद्दा

अनंत ज्ञान

जंगमबाग। ताम्रकूट पर्वत (त्रांबड़ी) की मनोरम तराई में स्थित ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व की धरोहर जंगमबाग इन दिनों प्रशासनिक उपेक्षा के चलते मूलभूत व्यवस्थाओं की कमी से जूझ रही है। प्राचीन नक्काशी से अलंकृत राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में स्थित विशाल बावड़ी साफ-सफाई और समुचित रखरखाव के अभाव में अपनी दुर्दशा पर आंसू बहाती नजर आ रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बावड़ी परिसर में गंदगी फैलाने वालों पर सख्ती की जाए तथा जल जीवों विशेषकर मछलियों को आटा एवं अन्य खाद्य सामग्री न डालने संबंधी चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं।

लोगों का कहना है कि श्रद्धालुओं द्वारा दिनभर अत्यधिक मात्रा में आटा और अन्य सामग्री जल में डाले जाने से बावड़ी का जल दूषित हो रहा है, जिससे जल जीवों के अस्तित्व पर भी संकट उत्पन्न होने लगा है। वहीं मंदिर परिसर के अंदरूनी हिस्सों में जगह-जगह आई टूट-फूट भी चिंता का विषय बनी हुई है, जिसकी शीघ्र मरम्मत आवश्यक मानी जा रही है ताकि आगामी भगवान जगन्नाथ रथयात्रा उत्सव की तैयारियां व्यवस्थित ढंग से पूर्ण की जा सकें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऋषि-मुनियों की तपोभूमि माने जाने वाले इस स्थल का संबंध प्राचीन संत परंपरा से भी जुड़ा हुआ है। जनश्रुतियों के अनुसार जंगम नामक ऋषि ने यहां तपस्या की थी तथा समीप बहने वाली प्राचीन जलधारा लंबे समय तक 'जन्मजोगी री कूहल' के नाम से विख्यात रही।

यह भी मान्यता है कि महर्षि जमदग्नि ने इस स्थल पर तप साधना की थी। वर्षों से यह स्थान धार्मिक अनुष्ठानों, कथा-वाचन और आध्यात्मिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां दूर-दराज से श्रद्धालु

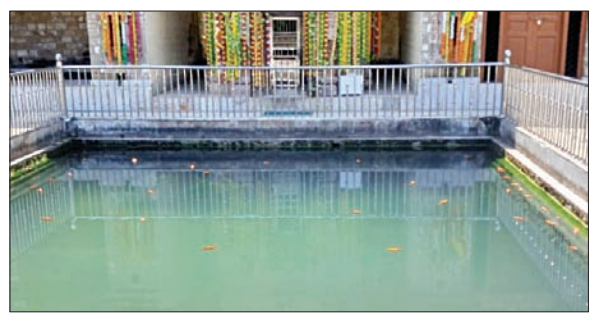

जंगमबाग मंदिर परिसर की प्राचीन बावड़ी की हालत।

दर्शन और पुण्य लाभ के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बावड़ी में मौजूद रंगीन मछलियां सामान्य प्रजाति की न होकर विशेष प्रजाति की हैं, जिनके संरक्षण के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार इन मछलियों को सीमित मात्रा में ही आहार की आवश्यकता होती है, जबकि वर्तमान में श्रद्धालुओं द्वारा अत्यधिक मात्रा में आटा डाले जाने से जल प्रदूषण बढ़ रहा है। इसके अतिरिक्त बावड़ी में अन्य प्रकार की सामग्री फेंके जाने से भी परिसर की स्वच्छता प्रभावित हो रही है। ग्राम पंचायत चांबी क्षेत्र के लोगों ने मंदिर परिसर में मौजूद पुराने विशाल वृक्षों की जर्जर एवं सूखी शाखाओं को भी खतरे का कारण बताते हुए समय रहते उन्हें हटाने की मांग की है, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस ऐतिहासिक स्थल की सुरक्षा और नियमित देखरेख के लिए चौकीदार की नियुक्ति अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि बंदरों तथा लंबी चोंच वाले पक्षियों द्वारा बावड़ी की मछलियों को लगातार नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे उनकी संख्या घटती जा रही है। प्रत्येक वर्ष गरुड़ द्वितीया के शुभ अवसर पर पुराने बाजार से भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक रथयात्रा यहां पहुंचती है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर पूजा-अर्चना और भंडारे में सम्मिलित होते हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों ने प्रशासन और सरकार से मांग की है कि धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक महत्व से समृद्ध जंगमबाग क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाए तथा इसके संरक्षण, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के लिए स्थायी एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं। स्थानीय समाजसेवी कर्नल भीम सिंह राघवा, परमानंद कौंडल, राजेन्द्र कुमार तथा सुरेंद्र सिंह ने प्रशासन से जंगमबाग की ऐतिहासिक गरिमा को संरक्षित रखने और इसे पर्यटन मानचित्र पर विशेष पहचान दिलाने की मांग की है।

कोई भी भाषा अपने साथ एक संस्कार, एक सोच, एक पहचान और प्रवृत्ति को लेकर चलती है। **-भरत प्रसाद**

संपादकीय

पंचायत चुनावों में बढ़ती हिंसा

हिमाचल प्रदेश में ग्रामसत्ता पर कब्जे को लेकर इस बार पंचायत चुनावों में जिस तरह का माहौल देखने को मिल रहा है, उसने पूरे प्रदेश को चिंता में डाल दिया है। हिमाचल में पंचायत चुनाव हमेशा लोकतांत्रिक उत्सव की तरह संपन्न होते रहे हैं, लेकिन इस बार पहले चरण के मतदान में जो घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि कहीं हिमाचल की पहचान बदल तो नहीं रही। प्रदेश की 1293 पंचायतों में हुए मतदान के दौरान कहीं खून-खराबा हुआ, कहीं हिंसक झड़पें देखने को मिलीं, कहीं फर्जी वोटिंग के आरोप लगे और कहीं चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के गैरहाजिर रहने की शिकायतें सामने आईं। यह चुनावी घटनाएं बदलते सामाजिक और राजनीतिक माहौल का संकेत हैं।

इससे पहले हिमाचल में चुनाव इतने तनावपूर्ण माहौल में शायद ही कभी संपन्न हुए हों। पंचायत चुनाव गांव की एकता, आपसी भाईचारे और विकास की भावना से जुड़े होते थे, लेकिन अब राजनीतिक दलों की बढ़ती दखलअंदाजी और सत्ता की भूख ने इन चुनावों का स्वरूप बदल दिया है। पहले पंचायत चुनावों में स्थानीय मुद्दे प्रमुख होते थे, लेकिन अब राजनीतिक प्रभाव और वर्चस्व की लड़ाई अधिक दिखाई देने लगी है। यही कारण है कि छोटी-छोटी बहसें भी हिंसक रूप ले रही हैं।

ऊना के हरोली और दून विधानसभा क्षेत्र के शीतलपुर बूथ पर हुई झड़पें भले ही छोटी हों, लेकिन उन्होंने पूरे समाज को झकझोर दिया। मतदान केंद्रों पर तनाव और मारपीट की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि लोगों में सहनशीलता लगातार कम हो रही है। आज का समाज किसी की बात सुनने और समझने को तैयार नहीं दिखता। हर व्यक्ति स्वयं को सही मानता है और विरोध को सहन करने की क्षमता कमजोर पड़ती जा रही है। लोकतंत्र संवाद और सहमति की व्यवस्था है, लेकिन जब संवाद की जगह हिंसा ले लेती है, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होने लगती है।

सबसे दुखद घटना सोलन जिला के अर्की क्षेत्र के दाड़लाघाट में हुई, जहां पंचायत चुनाव को लेकर हुई बहस में एक युवक की जान चली गई। शराब पार्टी के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि युवक को बालकनी से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया गया। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, अपितु समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामक मानसिकता का भयावह उदाहरण है। एक पल का गुस्सा किसी परिवार की पूरी जिंदगी उजाड़ देता है। सवाल यह भी है कि क्या आरोपी ने यह नहीं सोचा कि इस घटना के बाद उसका और उसके परिवार का क्या होगा? एक मां-बाप का बेटा हमेशा के लिए उनसे छिन गया और दूसरी तरफ आरोपी का जीवन भी अब कानूनी कार्रवाई और सामाजिक तिरस्कार के बीच गुजरने वाला है।

ऐसी घटनाएं कई सवाल खड़े करती हैं। क्या चुनाव जीतना इंसानी जिंदगी से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है? क्या राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब सामाजिक दुश्मनी में बदलती जा रही है? क्या युवाओं में बढ़ती आक्रामकता और नशे की प्रवृत्ति भी इस तरह की घटनाओं को बढ़ावा दे रही है? इन सवालों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। समाज को भी आत्ममंथन करना होगा कि आखिर वह किस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मंडी जिले के धर्मपुर क्षेत्र के टिहरा जिला परिषद वार्ड में फर्जी वोटिंग के आरोप भी बेहद गंभीर हैं। यदि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत मतदान प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाए, तो जनता का विश्वास कमजोर होना स्वाभाविक है। फर्जी वोटिंग केवल कानून का उल्लंघन नहीं, अपितु लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। ऐसे मामलों की निष्पक्ष और व्यापक जांच होनी चाहिए ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सके। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रहे।

इन घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि चुनाव के दौरान हिंसा, झड़पें और अव्यवस्था फैलती है, तो सुरक्षा में लगे कर्मचारियों और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। चुनाव केवल मतदान कराने तक सीमित नहीं होते, अपितु शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक होता है। प्रशासन को संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए थी ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

यह भी सच है कि बदलते समय के साथ समाज का स्वभाव भी बदल रहा है। सोशल मीडिया, राजनीतिक ध्रुवीकरण और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने लोगों को अधिक आक्रामक बना दिया है। छोटी-छोटी बातों पर विवाद बढ़ जाना अब सामान्य होता जा रहा है, लेकिन हिमाचल जैसे शांत प्रदेश में यदि यह प्रवृत्ति बढ़ती गई, तो यह चिंता का विषय है। प्रदेश की पहचान हमेशा शांति, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की रही है। इसे किसी भी कीमत पर टूटने नहीं देना चाहिए। पंचायत चुनाव वास्तव में लोकतंत्र का सबसे निचला और सबसे मजबूत आधार होते हैं। गांव की सरकार गांव के लोगों की भागीदारी से चलती है। इसलिए इन चुनावों को किसी युद्ध की तरह नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव की तरह देखा जाना चाहिए। यदि इस उत्सव में हिंसा, डर और अव्यवस्था का माहौल बनता है, तो यह पूरे लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत है। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि चुनाव के दौरान हुई सभी घटनाओं की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करे। साथ ही राजनीतिक दलों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

आज की प्रमुख हस्ती

उद्योगपति और भाजपा के वरिष्ठ नेता

नितिन गडकरी भारत के उद्योगपति और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ राजनेता हैं। वे केंद्र की मोदी सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री हैं

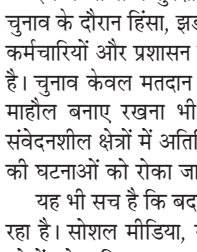

नितिन गडकरी
जन्म : 27 मई, 1957

उनका जन्म 27 मई 1957 को महाराष्ट्र के नागपुर में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। अपने ऊर्जावान व्यक्तित्व और सबको साथ लेकर चलने की खूबी की वजह से नितिन गडकरी सदा अपने वरिष्ठ नेताओं प्रिय बने रहे। साल 1995 में वे महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा की गठबंधन सरकार में लोक निर्माण मंत्री बनाए गए थे और चार साल तक इस मंत्री पद पर रहे। एक मंत्री के रूप में नितिन अपने अच्छे कामों के कारण सदा प्रशंसा में रहे हैं। उन्होंने वाणिज्य में परा स्नातक और इसके अलावा कानून तथा बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई भी की है। उनके पिता जहां संघ के एक सामान्य कार्यकर्ता थे, वहीं माता एक प्रसिद्ध प्रचारक थीं। गडकरी के परिवार में उनकी पत्नी कंचन सहित दो बेटे, निखिल और सारंग तथा पुत्र वधुएं और एक बेटी केतकी हैं। छात्र जीवन से निकलकर देश की सियासत में ऊंचा मुकाम हासिल करने वाले नितिन गडकरी को मोदी सरकार का विकास का पुरुष भी कहा जाता है। उनके कार्यकाल में आलीशान सड़कें, एक्सप्रेस-वे और फ्लाईओवर के निर्माण कार्य तेजी से हुए हैं।

वन महोत्सव

डॉ. उर्मिल कौंडल, टीजीटी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, टावा, तहसील बल्ह, जिला मंडी

पेड़ लगाकर वन महोत्सव मनाओ, खुशी-खुशी बिगड़ते पर्यावरण को बचाओ। आओ हम सब मिल कर पेड़ लगाएं, पेड़ लगाकर प्रदूषण को दूर भगाएं। पेड़ हमारे आन, बान, शान हैं, पेड़ सभी जीव जंतुओं की जान हैं। मन से अवगुणों को दूर भगाओ, हमेशा सद्गुणों को हृदय में बसाओ। पेड़ों को न कभी काटो न कटवाओ, कम से कम दस पेड़ अवश्य लगाओ। वनों की सुरक्षा हमें करनी चाहिए, दूसरों को भी यही शिक्षा देनी चाहिए। पेड़ हमेशा स्वच्छ हवा हमें देते हैं, तभी तो स्वच्छ वातावरण में हम रहते हैं। वन महोत्सव वनों का उत्सव है, पेड़ों की सुरक्षा हम सबका कर्तव्य है।।

कॉकरोच जनता पार्टी : सिस्टम से नाराज युवाओं की नई आवाज

देश के मुख्य न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट में बैठकर एक सख्त लहजे में कहा कि जो युवा बेरोजगार होकर घरों में बैठे हैं, आलसी हैं, हारे हुए हैं, वे 'कॉकरोच' की तरह हैं। मी लार्ड का यह शब्द देशभर में आग की तरह फैल गया। कुछ लोगों ने इसे अपमान माना, तो कुछ ने कहा कि शायद यह शब्द उन करोड़ों युवाओं को जगाने के लिए था जो सिस्टम से हारकर चुपचाप अपने घरों में बैठ गए हैं, परंतु यह शब्द सीधे उस युवा पीढ़ी के दिल में जाकर लगा जो वर्षों से बेरोजगारी, पेपर लीक, भ्रष्टाचार और टूटी उम्मीदों के बीच जी रही है।

डॉ. अशोक कुमार चौबे
पूर्व कृषि वैज्ञानिक, कृ.वि.वि, पालमपुर

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

साथ ही न्यायालय ने यह भी कहा कि नकली डिग्री लेकर वकालत करने वालों की जांच होनी चाहिए। यह बात भी सही है। जनता को जानने का अधिकार है कि देश में कितने लोग फर्जी डिग्रियों के सहारे व्यवस्था में बैठे हैं, परंतु सवाल यह भी उठता है कि जब किसी नेता की शैक्षिक योग्यता पर सवाल उठता है, तब न्यायालय क्यों चुप हो जाता है? जनता यदि यह जानना चाहती है कि किसी मंत्री या नेता की डिग्री असली है या नकली, तो इसमें गलत क्या है? जनता यदि पीएम केयर फंड का हिसाब मांगती है कि पैसा कहां खर्च हुआ, किस काम में लगा, तो यह उसका लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन ऐसे सवाल पूछने वालों को ही गलत ठहरा दिया जाता है। यही वह जगह है जहां से जनता के भीतर सिस्टम के प्रति अविश्वास जन्म लेता है। मुख्य न्यायाधीश का 'कॉकरोच' शब्द महाराष्ट्र के सम्भाजीनगर के एक युवा अभिजीत दीपके को भीतर तक छू गया। वह अमेरिका में पढ़ाई कर रहा था, पर भारत के सिस्टम को लेकर उसके मन में आक्रोश भरा हुआ था।

उसने सोशल मीडिया पर सवाल पूछा कि यदि 'कॉकरोच' जनता पार्टी बनाई जाए तो क्या लोग साथ देंगे। देखते ही देखते हजारों लोगों ने समर्थन देना शुरू कर दिया। फिर लाखों लोग जुड़ते चले गए। कुछ ही दिनों में करोड़ों युवा सोशल मीडिया पर खुद को 'कॉकरोच' कहने लगे। 'मैं भी कॉकरोच हूं' लिखे पोस्ट और वीडियो वायरल होने लगे। यह मजाक से शुरू हुई बात धीरे-धीरे सिस्टम से नाराज युवाओं की आवाज बन गई। आज सोशल मीडिया पर लाखों युवा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि बार-बार नीट परीक्षा का पेपर लीक होता है, छात्रों का भविष्य बर्बाद होता है, कई छात्र आत्महत्या तक कर लेते हैं, लेकिन कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। युवाओं का गुस्सा केवल एक परीक्षा को लेकर नहीं है, बल्कि पूरे सिस्टम को लेकर है। नौकरी की भर्ती वर्षों तक अटकी रहती है, परीक्षा होती है तो पेपर लीक हो जाता है, रिजल्ट में घोटाले सामने

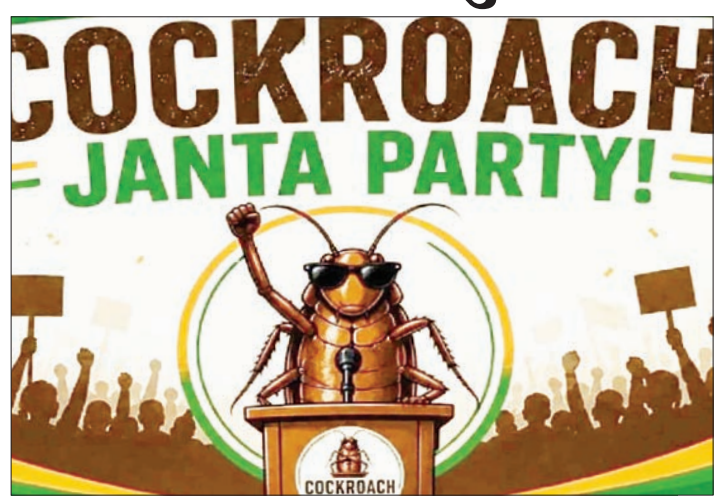

आते हैं और फिर सब कुछ धीरे-धीरे दबा दिया जाता है। यही कारण है कि आज लाखों युवा खुद को 'सिस्टम का कॉकरोच' कह रहे हैं। सरकार ने जब कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया अकाउंट को बैन कराया तो युवाओं का गुस्सा और बढ़ गया। नया अकाउंट बना और फिर लाखों लोग उससे जुड़ गए। सरकार विरोध की आवाजों को दबाने में लगी हुई दिखाई देती है।

बहुत से यूट्यूबर, पत्रकार और सोशल मीडिया एक्टिविस्ट पहले भी बैन होते रहे हैं। विरोध को देश विरोध बताने की एक नई परंपरा शुरू हो गई है। जनता के भीतर डर बैठाया जा रहा है कि सरकार की आलोचना मत करो, परंतु लोकतंत्र में सवाल पूछना अपराध नहीं होता। आज देश का युवा केवल रोजगार नहीं मांग रहा, वह सम्मान भी मांग रहा है। वह पूछ रहा है कि आखिर उसकी मेहनत का मूल्य क्यों नहीं है। किसान, मजदूर, छात्र, बेरोजगार-हर वर्ग के भीतर गुस्सा है, परंतु यह गुस्सा अभी तक संगठित नहीं था। कॉकरोच जनता पार्टी ने उसी गुस्से को एक प्रतीक दे दिया। यह नाम व्यंग्य में रखा गया था, लेकिन अब यह व्यवस्था से निराश लोगों की पहचान बनता जा रहा है।

कई विपक्षी नेताओं ने भी इसका समर्थन किया है। शशि थरूर, प्रियंका चतुर्वेदी और योगेन्द्र यादव जैसे नेताओं ने इस पर टिप्पणी की। मीडिया ने भी इसके भविष्य पर चर्चा शुरू कर दी। कुछ इसे सोशल मीडिया का क्षणिक ट्रेंड बता रहे हैं, तो कुछ इसे युवाओं के बड़े असंतोष का संकेत मान रहे हैं, परंतु अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह वास्तव में कोई राजनीतिक शक्ति बनेगी या केवल डिजिटल विरोध बनकर रह जाएगी।

भारत में पहले भी आंदोलनों ने अचानक जन्म लिया है। अन्ना आंदोलन से निकले अरविंद केजरीवाल को जनता ने रातों-रात नेता बना दिया था। लोगों को उम्मीद थी कि वह सिस्टम बदल देंगे, पर समय के साथ वही सिस्टम उन्हें भी बदलता हुआ दिखाई दिया। इसलिए कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर भी लोगों के मन में सवाल हैं कि क्या यह सचमुच बदलाव लाएगी या फिर धीरे-धीरे उसी राजनीति का हिस्सा बन जाएगी जिसके खिलाफ आज आवाज उठा रही है।

फिलहाल यह आंदोलन सोशल मीडिया तक सीमित है। असली परीक्षा तब होगी जब ये युवा सड़क पर उतरेंगे, जनता के बीच जाएंगे और वास्तविक संघर्ष करेंगे। केवल मीम, पोस्ट और वीडियो से सिस्टम नहीं बदलता। बदलाव के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ता है, परंतु इतना जरूर है कि इस 'कॉकरोच' शब्द ने देश के युवाओं के भीतर दबे आ,ोश को बाहर निकाल दिया है।

आज देश का युवा कह रहा है कि वह आलसी नहीं है, बल्कि सिस्टम से टूटा हुआ है। वह कह रहा है कि सरकार ने उसे बेरोजगार बनाया, भ्रष्ट व्यवस्था ने उसे हताश किया और अब उसी पर ताने कसे जा रहे हैं। यही कारण है कि 'कॉकरोच' शब्द अब व्यवस्था से नाराज युवाओं की नई पहचान बन गया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

प्रकृति का 45 दिनों का उपहार: कैसे काफल संवारता है हिमालयी समुदायों का जीवन

हिमालय प्रकृति की अनमोल देनों से भरपूर है, लेकिन इनमें कुछ मौसमी उपहार ऐसे हैं जिनका इंतजार लोगों को पूरे वर्ष रहता है। ऐसा ही एक अद्भुत वन फल है काफल, जिसे वैज्ञानिक रूप से Myrica esculenta कहा जाता है। लालिमा लिए यह छोटा-सा रसीला फल हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड तथा अन्य हिमालयी क्षेत्रों के समशीतोष्ण वनों में लगभग 1000 से 2200 मीटर की ऊंचाई पर प्राकृतिक रूप से उगता है। पहाड़ों के लोगों के लिए काफल केवल एक फल नहीं, बल्कि स्वाद, परंपरा, आजीविका और जंगलों से जुड़ी भावनात्मक विरासत का प्रतीक है।

डॉ. तारा देवी सेन
विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग
वल्लभ कॉलेज, मंडी

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

जैसे ही गर्मियों की आहट पहाड़ों तक पहुंचती है, जंगल काफल की लाल-लाल बेरियों से सजने लगते हैं। सामान्यत: इसका harvesting season अप्रैल के अंतिम सप्ताह से शुरू होकर जून के प्रारंभ तक चलता है। हालांकि इसकी उपलब्धता केवल 40-45 दिनों तक ही रहती है, यही कारण है कि लोग पूरे वर्ष इसके आने का इंतजार करते हैं, लेकिन इस वर्ष स्थिति कुछ अलग दिखाई दे रही है।

स्थानीय विक्रेताओं बेगी देवी, मीना देवी और रमा देवी से हुई बातचीत से पता चलता है कि इस बार मौसम की अनियमितता और कम पैदावार ने काफल उत्पादन को प्रभावित किया है। उनके अनुसार काफल का सीजन घटकर लगभग 25-30 दिनों तक सीमित रह सकता है। कम उत्पादन के कारण शुरुआती दिनों में इसकी कीमत लगभग 500 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई। हालांकि विक्रेताओं का मानना है कि सीजन के चरम पर पहुंचने के बाद यह कीमत 400 या 300 रुपए प्रति किलो तक आ सकती है।

इन महिलाओं की बातें इस तथ्य को उजागर करती हैं कि हिमालयी वन आधारित अर्थव्यवस्थाएं जलवायु और प्राकृतिक चक्रों से कितनी गहराई से जुड़ी हुई हैं। वर्षा और

तापमान में थोड़े से बदलाव का सीधा असर फल आने की प्रक्रिया, उपलब्धता और स्थानीय लोगों की आजीविका पर पड़ता है।

फिर भी, चुनौतियों के बावजूद काफल आज भी पहाड़ों में 40 दिनों का चमत्कार पैदा करता है।

सिर्फ डेढ़ महीने की इस छोटी-सी अवधि में यह जंगली फल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देता है। स्थानीय अनुमान बताते हैं कि इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 25 से 30 क्विंटल काफल एकत्रित और बेचा जाता है। सबसे रोचक बात यह है कि इसके लिए न खेती की आवश्यकता होती है, न रासायनिक उर्वरकों की और न ही किसी बड़े औद्योगिक ढांचे की। प्रकृति स्वयं लोगों को सम्मानजनक आजीविका प्रदान करती है।

सुबह-सुबह जंगलों में जाकर काफल तोड़ने वाले ग्रामीण, उसे बाजार तक पहुंचाने वाले बिचौलिए और सड़क किनारे टोकरियों में बेचने वाली महिलाएं-सभी इस मौसमी अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा हैं। स्थानीय लोग प्रतिदिन लगभग 1000 से 1200 रुपए तक की आय अर्जित कर लेते हैं, जो कई परिवारों, विशेषकर महिलाओं के लिए आर्थिक सहारा बनती है।

काफल केवल स्वादिष्ट फल नहीं, बल्कि हिमालयी संस्कृति और भावनाओं से जुड़ा प्रतीक है। इसका मीठा-खट्टा स्वाद लोगों को बचपन और गांव की याद दिलाता है। यह विटामिन-सी, पोटैशियम, कैल्शियम और आयरन से भरपूर होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता, हड्डियों और पाचन तंत्र के लिए लाभकारी है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स हृदय रोग और मधुमेह जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने में सहायक माने जाते हैं। आयुर्वेद में भी काफल का विशेष महत्व है। इसके फल, पत्तियां और छाल का उपयोग दमा, दस्त और सूजन जैसी समस्याओं के उपचार में किया जाता रहा है। हालांकि इसकी सबसे बड़ी चुनौती इसकी कम शेल्फ लाइफ है, क्योंकि तोड़ने के कुछ घंटों बाद ही यह सिकुड़ने लगता है। काफल केवल एक जंगली फल नहीं, बल्कि हिमालयी जीवन, पारंपरिक ज्ञान और प्रकृति से जुड़े संतुलित जीवन का प्रतीक है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

मिनी संसद : पंचायतों का चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और इस लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति गांवों में बसती है। गांवों की सरकार अर्थात पंचायतें भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का कार्य करती हैं। पंचायत चुनाव केवल प्रतिनिधियों के चयन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह जनता की भागीदारी, जागरूकता और अधिकारों का उत्सव है।

प्रो. मनोज डोगरा
राजकीय महाविद्यालय, बड़सर

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

यही कारण है कि पंचायत चुनावों को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व कहा जाता है। यह पर्व गांवों की छोटी संसद यानी मिनी संसद के गठन का अवसर प्रदान करता है।

भारत में पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक मान्यता 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के माध्यम से मिली। इसके बाद गांव स्तर पर लोकतंत्र को नई मजबूती प्राप्त हुई। पंचायतों को स्थानीय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सड़क, जल प्रबंधन और सामाजिक कल्याण जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्यों की जिम्मेदारी दी गई। ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद के रूप में त्रिस्तरीय व्यवस्था ने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पंचायत चुनावों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि इसमें सीधे तौर पर आम जनता की भागीदारी होती है। गांव का हर मतदाता अपने प्रतिनिधि को चुनता है, जो उसकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझता है। यह चुनाव ग्रामीण क्षेत्रों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने का भी कार्य करते हैं। गांव के लोग चुनाव प्र्रि, या के माध्यम से अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग होते हैं। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब आम नागरिक सक्रिय रूप से उसमें भाग लें और पंचायत चुनाव इसी सक्रियता का प्रतीक हैं। पंचायतें वास्तव में गांवों की मिनी संसद हैं। जिस प्रकार संसद में देशहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होती है, उसी प्रकार ग्राम सभाओं और

पंचायत बैठकों में गांव के विकास, समस्याओं और योजनाओं पर विचार-विमर्श किया जाता है। पंचायतों के माध्यम से सरकार की योजनाएं सीधे गांव तक पहुंचती हैं। मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन जैसी अनेक योजनाओं के क्रियान्वयन में पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

महिलाओं और पिछड़े वर्गों को राजनीति में भागीदारी दिलाने में भी पंचायत चुनावों ने बड़ी भूमिका निभाई है। संविधान के तहत पंचायतों में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई, जिसके परिणामस्वरूप लाखों महिलाएं आज गांवों की नेतृत्वकर्ता बनी हैं। इससे ग्रामीण समाज में महिलाओं की स्थिति मजबूत हुई है और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ी है।

कई राज्यों में महिलाओं ने सरपंच और पंचायत प्रतिनिधि बनकर विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। हालांकि पंचायत चुनावों के सामने कई चुनौतियां भी हैं। कई स्थानों पर चुनाव जातिवाद, धनबल और बाहुबल से प्रभावित होते हैं। राजनीतिक दलों का अत्यधिक हस्तक्षेप भी पंचायतों की निष्पक्षता को प्रभावित करता है। कई बार निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशासनिक अधिकार और संसाधन पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलते, जिससे विकास कार्य प्रभावित होते हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार और पारदर्शिता की कमी भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है।

इन चुनौतियों के बावजूद पंचायत चुनाव लोकतंत्र की आत्मा हैं। यदि गांव मजबूत होंगे, तभी देश मजबूत होगा। पंचायतों को अधिक अधिकार, वित्तीय संसाधन और तकनीकी सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है। साथ ही ग्रामीण जनता को भी जागरूक होकर योग्य, ईमानदार और विकासशील सोच वाले प्रतिनिधियों का चयन करना चाहिए।

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं, बल्कि चुने गए प्रतिनिधियों के कार्यों पर निगरानी रखना भी नागरिकों का कर्तव्य है। डिजिटल तकनीक और ई-गवर्नेंस से पंचायतों में पारदर्शिता बढ़ रही है। पंचायत चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व हैं, जो गांवों के विकास, भागीदारी और मजबूत नेतृत्व की नींव रखते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपने मत का सही उपयोग करें, गांव का भविष्य सुरक्षित बनाएं

हिमाचल प्रदेश में इन दिनों पंचायत चुनावों का माहौल पूरे उत्साह और जोश के साथ चल रहा है। गांव-गांव में चुनावी चर्चाएं सुनाई दे रही हैं और प्रत्याशी जनता के बीच जाकर अपने पक्ष में समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं। ऐसे समय में प्रत्येक मतदाता की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि पंचायत चुनाव केवल किसी व्यक्ति को चुनने का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह गांव के आने वाले पांच वर्षों के विकास, सुविधाओं और भविष्य का निर्णय भी होता है।

अभिषेक शर्मा
स्वतंत्र लेखक, जोगिंद्रनगर

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र

पंचायत किसी भी गांव की सबसे महत्वपूर्ण इकाई होती है। गांव के विकास से जुड़े अनेक फैसले पंचायत के माध्यम से ही लिए जाते हैं। सड़क, पानी, बिजली, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं का सीधा संबंध पंचायत से होता है। इसलिए पंचायत में चुना गया प्रतिनिधि यदि ईमानदार, जिम्मेदार और दूरदर्शी हो, तो वह गांव की तस्वीर बदल सकता है। वहीं यदि गलत व्यक्ति चुन लिया जाए, तो पूरा गांव विकास की दौड़ में पीछे रह सकता है।

आज के समय में कई बार चुनावों में जात-पात, रिश्तेदारी, निजी स्वार्थ या लालच जैसी बातें हावी हो जाती हैं। कुछ लोग दबाव या प्रलोभन में आकर अपना मत देते हैं, लेकिन यह समझना जरूरी है कि वोट केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।

एक गलत वोट का असर पूरे गांव को कई वर्षों तक भुगतना पड़ सकता है। इसलिए मतदाताओं को चाहिए कि वे बिना किसी दबाव और लालच के अपने विवेक से मतदान करें। मतदाता को उम्मीदवार के बारे में पूरी जानकारी अवश्य लेनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि प्रत्याशी का व्यवहार कैसा है, क्या वह जनता के सुख-दुख में शामिल रहता है, क्या उसने पहले समाजहित में कोई कार्य किया है और क्या उसके पास गांव के विकास के लिए स्पष्ट सोच और योजनाएं हैं। केवल बड़े वादे करने वाला व्यक्ति अच्छा प्रतिनिधि नहीं बन जाता,

बल्कि वह उम्मीदवार बेहतर माना जाएगा जो जमीन पर काम करने की क्षमता रखता हो और जनता की समस्याओं को समझता हो।

पंचायत चुनाव गांव के भविष्य का आधार होते हैं। यदि गांव में योग्य और कर्मठ प्रतिनिधि चुने जाएंगे, तो विकास कार्य तेजी से होंगे और युवाओं, महिलाओं तथा बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान भी बेहतर तरीके से किया जा सकेगा।

गांव में स्वच्छता, शिक्षा और रोजगार जैसी सुविधाओं को मजबूत बनाने में भी पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए मतदान करते समय हर नागरिक को यह सोचना चाहिए कि उसका एक वोट आने वाले वर्षों में गांव को किस दिशा में ले जाएगा।लोकतंत्र में वोट सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है। यह ताकत हमें देश के संविधान ने दी है।

यदि हम अपने मत का सही उपयोग नहीं करेंगे, तो बाद में शिकायत करने का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। जागरूक नागरिक वही होता है जो अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे। इसलिए सभी मतदाताओं को चाहिए कि वे स्वयं भी जागरूक बनें और दूसरों को भी जागरूक करें ताकि गांव का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बन सके। विशेष रूप से युवाओं की जिम्मेदारी और भी अधिक है। युवा वर्ग समाज की नई सोच और ऊर्जा का प्रतीक होता है। यदि युवा सही निर्णय लेकर योग्य उम्मीदवार को समर्थन देंगे, तो गांव में सकारात्मक बदलाव निश्चित रूप से दिखाई देंगे। महिलाओं की भागीदारी भी पंचायत चुनावों में बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे गांव की सामाजिक और पारिवारिक समस्याओं को बेहतर तरीके से समझती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

खूबसूरत अंदाज में लॉरेन बेल

इंग्लैंड। इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल अपनी हाइट और तेज रफ्तार गेंदबाजी के लिए जानी जाती हैं। उन्हें 'द शार्द' के नाम से भी जाना जाता है। मैदान पर उनकी आक्रामक गेंदबाजी और स्टाइलिश लुक फैंस को काफी पसंद आता है।

स्पोर्ट्स विंडो

मेग लैनिंग ने विक्टोरिया अनुबंध छोड़ अपनाया फ्रीलांस क्रिकेटर का रास्ता

एजेंसी, मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग ने अगले सत्र के लिए विक्टोरिया का अनुबंध नहीं लेने का फैसला किया है और अब वह फ्रीलांस क्रिकेटर के रूप में खेलती नजर आएंगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी लैनिंग विक्टोरिया टीम का हिस्सा बनी हुई थीं, लेकिन पिछले सत्र में उन्होंने टीम के लिए केवल चार मुकाबले खेले थे। महिला बिग बैश लीग के बाद वह किसी भी मैच में नहीं उतरीं। मेग लैनिंग इस समय दुनिया की विभिन्न फ्रेंचाइजी लीगों में खेल रही हैं। वह महिला प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्स, द हंड्रेड में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स और इस सत्र में लंकाशायर के लिए टी-20 ब्लास्ट में हिस्सा ले चुकी हैं। लैनिंग फिलहाल मेलबर्न स्टार्स के साथ भी अनुबंधित नहीं हैं। हालांकि, पिछले महिला बिग बैश लीग सत्र में वह टीम की दूसरी सबसे सफल बल्लेबाज रहीं। उन्होंने 53.22 की औसत और 136.07 के स्ट्राइक रेट से 479 रन बनाए थे।

क्रिकेट विक्टोरिया की महिला क्रिकेट प्रमुख किर्बी शॉर्ट ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, 'हम मेग के फैसले का सम्मान करते हैं। महिला क्रिकेट तेजी से विकसित हो रहा है और खिलाड़ियों को अब दुनिया भर में खेलने के अवसर मिल रहे हैं। यह हमारे खेल के विकास का सकारात्मक संकेत है।' किर्बी शॉर्ट ने स्वीकार किया कि 2025-26 सत्र विक्टोरिया के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जहां टीम अपने सभी 12 मुकाबले हार गई थी। उन्होंने कहा, 'हम पिछले सत्र के परिणामों पर गर्व नहीं कर सकते और हमें पता है कि हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हालांकि, समीक्षा के बाद खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के बीच सकारात्मक माहौल बनाने को लेकर स्पष्ट समझ बनी है।' उन्होंने आगे कहा कि टीम धीरे-धीरे सुधार की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है और रातोंरात बदलाव की उम्मीद नहीं कर रही। (अनंत ज्ञान)

फीफा विश्व कप के लिए कोलंबिया टीम का ऐलान, जेम्स रोड्रिगेज को मिली जगह

एजेंसी, नई दिल्ली। कोलंबिया ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में पूर्व रियल मैड्रिड स्टार जेम्स रोड्रिगेज को शामिल किया गया है, जबकि अल नास्र के डिफेंडर जॉन दुरान को जगह नहीं मिली। मुख्य कोच नेस्टर लोरेन्जो की टीम में बायर्न म्यूनिख के स्टार फॉरवर्ड लुइस डियाज सबसे बड़े आकर्षण होंगे। कोलंबिया इस बार पहली बार विश्व कप खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा। कोलंबिया वर्ष 2022 विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया था। वहीं, 2018 विश्व कप में टीम इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हारकर प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी। कोलंबिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 विश्व कप में रहा था, जब टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी और ब्राजील से हार गई थी। विश्व कप 2026 में कोलंबिया को ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला पुर्तगाल, उज्बेकिस्तान और डीआर कांगो से होगा। (अनंत ज्ञान)

नॉर्वे शतरंज में प्रज्ञानानंद, गुकेश और दिव्या ने दर्ज की जीत

एजेंसी, ओस्लो (नॉर्वे)। ओस्लो में शुरू हुई नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता के पहले दौर में भारतीय खिलाड़ियों ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए शानदार शुरुआत की। आर प्रज्ञानानंद, डी गुकेश और दिव्या देशमुख ने अपने-अपने मुकाबलों में धैर्य और सटीक खेल दिखाते हुए निर्णायक बाजियों में जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर सभी को चौंका दिया। लंबे समय तक कार्लसन बेहतर स्थिति में नजर आ रहे थे, लेकिन समय के दबाव में हुई एक बड़ी गलती ने पूरा मुकाबला बदल दिया। इसका फायदा उठाकर फिरोजा ने शानदार वापसी की और जीत अपने नाम कर ली। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने जर्मनी के विंसेंट कीमर के खिलाफ कठिन स्थिति में भी संयम बनाए रखा। मुकाबला बराबरी पर समाप्त होने के बाद निर्णायक बाजी में गुकेश ने आक्रामक खेल दिखाते हुए जीत हासिल की। वहीं, आर प्रज्ञानानंद ने अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ भी समान स्थिति के बाद निर्णायक बाजी में बढ़त बनाकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने मौजूदा विश्व चैंपियन जू वेनजुन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। दोनों के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा, लेकिन निर्णायक बाजी में दिव्या ने बेहतरीन रणनीति अपनाते हुए जीत हासिल की और प्रतियोगिता की मजबूत शुरुआत की। वहीं, कजाकिस्तान की बिबिसारा असाउबायेवा ने भारत की शीर्ष खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को हराकर बड़ा उलटफेर किया। पहले दौर के बाद सभी खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और प्रतियोगिता रोमांचक मोड़ पर पहुंच गई है। (अनंत ज्ञान)

इंडियन प्रीमियर लीग-2026 का एलिमिनेटर मुकाबला

हैदराबाद-राजस्थान में कांटे की टक्कर आज

एजेंसी, मुल्लापुर (चंडीगढ़)

इंडियन प्रीमियर लीग-2026 का एलिमिनेटर मुकाबला बुधवार, 27 मई को सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा। यह मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होगा।

सनराइजर्स हैदराबाद लीग चरण में तीसरे स्थान पर रही और पूरे सीजन में लगातार मजबूत प्रदर्शन करती नजर आई। वहीं, राजस्थान रॉयल्स किसी तरह चौथे स्थान पर पहुंची। उन्हें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपने आखिरी लीग मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 30 रन से बड़ी जीत दर्ज करनी पड़ी, जिसके बाद पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। मुल्लांपुर के इस मैदान पर अब तक खेले गए चार मैचों में ज्यादातर मुकाबले हाई-स्कोरिंग रहे हैं। आठ पारियों में से छह बार 200 से ज्यादा रन बने हैं, जिससे साफ है कि यह पिच बल्लेबाजों के लिए काफी मददगार रही है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना पसंद कर सकती है, क्योंकि लक्ष्य का पीछा करना यहां अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

मैच : शाम 7.30 बजे से

संभावित टीमें

राजस्थान रॉयल्स: यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, यश राज पुंजा, ब्रिजेश शर्मा, रविंद्र जड़ेजा

सनराइजर्स हैदराबाद: अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, नीतीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), हर्षल पटेल, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन।

सिरमौर के वीर सपूत रविंद्र राणा ने फतह किया माउंट एवरेस्ट

अनंत ज्ञान

शिलाई, पांवटा। जिला सिरमौर शिलाई विधानसभा क्षेत्र के गांव मिल्ला के वीर सैनिक रविंद्र राणा ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट फतह कर हिमाचल प्रदेश सहित पूरे देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है तथा उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं।

जानकारी के अनुसार रविंद्र राणा पिछले करीब 11 वर्षों से भारतीय सेना की प्रतिष्ठित यूनिट 9 पैरा स्पेशल फोर्सेज में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में वह देश की सबसे प्रतिष्ठित सुरक्षा इकाइयों में शामिल नेशनल सिक्योरिटी गार्ड में कार्यरत हैं। एनएसजी देश की सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियानों और वीआईपी सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है।

बताया जा रहा है कि रविन्द्र राणा ने अपने 10 साथियों के साथ 23 मई को समुद्र तल से 8,848.86 मीटर ऊंची माउंट एवरेस्ट की चोटी पर सफलतापूर्वक पहुंचकर यह कठिन उपलब्धि हासिल की। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई को दुनिया की सबसे कठिन पर्वतारोहण चुनौतियों में माना जाता है, जहां मौसम, ऑक्सीजन की कमी और कठिन परिस्थितियों के कारण बड़े-बड़े पर्वतारोही भी हार मान लेते हैं। ऐसे में सिरमौर के इस वीर जवान ने साहस, धैर्य और समर्पण का परिचय देते हुए इतिहास रच दिया। रविन्द्र राणा पूर्व सैनिक स्वर्गीय उदय राणा और माता सुरतो राणा के सुपुत्र हैं। सैन्य परिवार से संबंध रखने वाले रविन्द्र ने अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाते हुए न केवल सेना में उत्कृष्ट सेवाएं दीं, बल्कि अब माउंट एवरेस्ट फतह कर पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि रविन्द्र राणा आज युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उनका संघर्ष, अनुशासन और देशभक्ति यह संदेश देता है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनका सौम्य और मिलनसार व्यक्तित्व भी लोगों को बेहद प्रभावित करता है। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई है कि रविन्द्र राणा भविष्य में भी इसी तरह नई ऊंचाइयों को छूते हुए देश और प्रदेश का नाम रोशन करते रहेंगे।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

एजेंसी, कोलंबो

श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस को व्हाइट-बॉल कप्तान नियुक्त किया है। तीन से सात जुलाई तक दोनों टीमें तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट मैच खेलेंगी। इस बीच चार-दिवसीय वॉर्मअप मुकाबला भी खेला जाना है। 31 वर्षीय कुसाल मेंडिस वनडे और टी20 दोनों सीरीज में श्रीलंका की कप्तानी करेंगे, जबकि धनंजय डी सिल्वा दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज के लिए टेस्ट टीम के कप्तान बने रहेंगे।

श्रीलंका क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर टीमों की घोषणा करते हुए कहा, 'श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति ने श्रीलंका के वेस्टइंडीज दौरे 2026 के लिए इन टीमों का चयन किया है। इस दौरे में तीनों फॉर्मेट- वनडे, टी20 और टेस्ट क्रिकेट के मैच खेले जाएंगे।' लीडरशिप में यह बदलाव इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के निराशाजनक टी20 विश्व कप अभियान के बाद हुआ है। शनाका की कप्तानी में टीम नॉकआउट दौर के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थी। शनाका 16-सदस्यीय टी20 टीम में बने हुए हैं, जबकि असलंका को वनडे टीम में शामिल किए जाने के बावजूद टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है।

स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा की वापसी हुई है। कामिंदु मेंडिस दोनों व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। पथुम निसांका, महीश तीक्षणा और दुष्मंथा चमीरा जैसे अन्य अनुभवी खिलाड़ी भी टीमों में शामिल हैं। (अनंत ज्ञान)

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इंस्टाग्राम से हटाए 200 पोस्ट!

एजेंसी, चंडीगढ़। भारतीय टीम और पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह इन दिनों अपने प्रदर्शन से ज्यादा सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर चर्चा में हैं। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का अभियान खत्म होते ही अर्शदीप ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से 200 से ज्यादा पोस्ट डिलीट कर दिए, जिसके बाद फैंस के बीच कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सबसे ज्यादा हैरानी इस बात को लेकर हुई कि उन्होंने विराट कोहली के साथ अपनी वायरल रील भी हटा दी, जिसे करोड़ों बार देखा गया था।

अर्शदीप ने जिन पोस्ट्स को हटाया, उनमें 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान विराट कोहली के साथ बनाई गई उनकी चर्चित रील भी शामिल थी। इस वीडियो को करीब 150 मिलियन व्यूज मिले थे और यह सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हुआ था। ऐसे में उसका अचानक गायब होना फैंस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। हालांकि, अर्शदीप ने अभी तक इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। यही वजह है कि उनके प्रशंसकों के बीच उत्सुकता और बढ़ गई है। फिलहाल उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर सिर्फ करीब 44 पोस्ट ही बाकी हैं। दिलचस्प बात यह है कि अर्शदीप ने पंजाब किंग्स से जुड़े पोस्ट नहीं हटाए हैं। उनके इंस्टाग्राम बायो में अब भी पीबीकेएस का नाम मौजूद है। अकाउंट पर बची पोस्ट्स में परिवार के साथ बिताए पल और क्रिकेट मैदान की उपलब्धियां दिखाई देती हैं। (अनंत ज्ञान)

विनेश फोगाट के एशियन गेम्स खेलने पर सस्पेंस कायम

एजेंसी, पंचकूला

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर ट्रायल में हिस्सा लेने की छूट के बाद भी रेसलर विनेश फोगाट के जापान में एशियन गेम्स-2026 खेलने की गारंटी नहीं है। 19 सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भेजी गई संभावित खिलाड़ियों (लांग लिस्ट) में विनेश का नाम नहीं है।

◆ लांग लिस्ट में नाम नहीं ट्रायल जीतीं तो भी ओसीए करेगा अंतिम फैसला

भारतीय कुश्ती फेडरेशन डब्लयूएफआई) की ओर से इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन (आईओसी) को भेजी सूची में इस रेसलर का नाम नहीं था। आईओसी ने यही लिस्ट आगे एशियन ओलंपिक परिषद (ओसीए) और जापान की आयोजन समिति को भेजी। ऐसे में अब ओसीए के रुख पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने विनेश की याचिका पर सुनवाई करते हुए 23 मई को फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि मातृत्व को किसी महिला खिलाड़ी के खिलाफ हथियार नहीं बनाया जा सकता। इसमें विनेश को ट्रायल में हिस्सा लेने की रियायत दी गई थी।

यह ट्रायल 30 और 31 मई को होने हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ ने उनके मातृत्व अवकाश और अन्य कारणों का हवाला देते हुए उन्हें शुरुआत में अयोग्य ठहराया था, जिसके कारण उनका नाम लांग लिस्ट में नहीं भेजा। दिल्ली हाईकोर्ट ने केवल उन्हें ट्रायल में शामिल होने का अधिकार दिया है। एशियन गेम्स की टिकट पक्की करने के लिए विनेश को पहले अपनी वेट कैटेगरी का ट्रायल जीतना होगा। भले ही दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर भारत सरकार और आईओए विनेश का नाम भेजने को तैयार हो जाए, लेकिन अंतिम फैसला एशियन ओलंपिक परिषद (ओसीए) और जापान की आयोजन समिति के हाथ में है। चूंकि उनका नाम सिस्टम में पहले से दर्ज नहीं है, इसलिए उन्हें शामिल करना नियमों का एक विशेष अपवाद माना जाएगा। (अनंत ज्ञान)

ईरान ने मार गिराया अमेरिका का एमक्यू-9 रीपर ड्रोन

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है। आईआरजीसी का कहना है कि यह ड्रोन ईरानी हवाई क्षेत्र में घुस आया था। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका संघर्षविराम का उल्लंघन करता है, तो उसे जवाब देने का पूरा अधिकार है।

इससे पहले अमेरिकी सेना ने मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास बारूदी सुरंग बिछा रही बोट्स को निशाना बनाया। इसके अलावा बंदर अब्बास पोर्ट के पास सरफेस टू एयर मिसाइल साइट पर भी हमला किया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) के मुताबिक यह कार्रवाई सेल्फ-डिफेंस यानी आत्मरक्षा में की गई। सेंटकाम के प्रवक्ता टिमोथी हॉकिंस ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों और युद्धपोतों को खतरे से बचाने के लिए ये हमले किए गए।

अमेरिकी सेना का आरोप है कि बारूदी सुरंगें बिछाने से अंतरराष्ट्रीय जहाजों और अमेरिकी युद्धपोतों को खतरा हो सकता था। हालांकि, हॉकिन्स ने यह भी कहा कि सीजफायर के दौरान अमेरिका संयम बरत रहा है। (अनंत ज्ञान)

पाक बोला : इसराइल को नहीं मानेंगे देश, विचारधारा से समझौता मंजूर नहीं

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान ने इसराइल से दोस्ती करने और उसे देश की मान्यता देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान अपनी मौलिक विचारधाराओं से समझौता नहीं कर सकता। आसिफ ने कहा कि हम उन लोगों के साथ कैसे बैठ सकते हैं जिनकी बात पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान दुनिया का शायद इकलौता देश है, जिसके पासपोर्ट पर लिखा होता है कि यह इसराइल के लिए मान्य नहीं है। इससे पाकिस्तान का रुख पूरी तरह साफ है और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुस्लिम देशों से इसराइल से रिश्ते सुधारने और अब्राहम समझौते में शामिल होने की अपील की थी। पाकिस्तान से भी कहा गया था कि अगर वह अमेरिका-ईरान शांति प्रक्रिया का हिस्सा बनना चाहता है, तो उसे इसराइल को मान्यता देनी होगी। पाकिस्तान के लिए अब्राहम समझौते में शामिल होने का मामला संवेदनशील है और राजनीतिक रूप से मुश्किल है। पाकिस्तान लंबे समय से खुद को फिलिस्तीन के समर्थक देश के तौर पर पेश करता रहा है। वहां आम जनता के बीच फिलिस्तीन का मुद्दा भावनात्मक और धार्मिक दोनों स्तर पर बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि पाकिस्तान अमेरिका के साथ अपने रिश्ते खराब नहीं करना चाहेगा लेकिन वह अपनी घरेलू राजनीति को भी नजरअंदाज नहीं कर सकता है। पाकिस्तान ने पिछले 78 साल में कभी इजराइल को मान्यता नहीं दी है। उसका आधिकारिक रुख यह रहा है कि जब तक 1967 से पहले की सीमाओं के आधार पर स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य नहीं बनता, तब तक वह इसराइल को मान्यता नहीं देगा। (अनंत ज्ञान)

सेंसेक्स 479 अंक लुढ़का निफ्टी भी 118 अंक टूटा

एजेंसी, मुंबई

शेयर बाजार में आज गिरावट देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 479.26 अंक यानी 0.63% गिरकर 76,009.70 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 118 अंक यानी 0.49% लुढ़ककर 23,913.70 पर पहुंच गया। लगभग 2,057 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। 1,973 शेयरों में गिरावट आई। 165 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सेंसेक्स का इंट्राडे हाई 76,627 रहा। वहीं, निफ्टी का इंट्राडे हाई 24,089.8 था।

वहीं, अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 47 पैसे टूटकर 95.73 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। 25 मई को बेंचमार्क इंडेक्स के दो हफ्ते के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचने के बाद आज प्रॉफिट बुकिंग देखी गई। इसकी वजह यह उम्मीद थी कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता जल्द ही हो सकता है। हालांकि, अमेरिकी हमलों ने ईरान के साथ जल्द शांति समझौते की उम्मीदों को झटका दिया। यह घटना इंडेक्स के दो हफ्ते के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचने के ठीक एक दिन बाद हुई, जब निवेशकों ने महीनों से चल रहे युद्ध के खत्म होने पर दांव लगाया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने मंगलवार को कहा कि ईरान के साथ समझौता करने में कुछ दिन लग सकते हैं। (अनंत ज्ञान)

डीजल महंगा होने से 19 लाख ट्रक बंद, 15 प्रतिशत तक बढ़ा माल भाड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्टर्स ने ट्रकों को खड़ा करना शुरू कर दिया है। हालात ये है कि देशभर में मौजूद 95 लाख ट्रकों में से करीब 20 प्रतिशत यानी 19 लाख ट्रक सड़कों से हट गए हैं। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डीजल की कमी और ऊंचे दामों की वजह से ट्रांसपोर्ट कंपनियों ने मालभाड़ा भी बढ़ा दिया है। पश्चिम से उत्तर भारत जैसे मुख्य रूट्स पर भाड़े में 10 से 15% की बढ़ोतरी हुई है।

30 किलोमीटर तक की लोकल ढुलाई के दाम तो और भी ज्यादा बढ़े हैं। इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा, क्योंकि आने वाले दिनों में फल, सब्जी और राशन के दाम बढ़ सकते हैं। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से सरकारी तेल कंपनियों ने पिछले 11 दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम 4 बार बढ़ाए हैं, जिससे कुल बढ़त 7.5 रुपए से 8 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गई है। नेशनल हाईवे के पेट्रोल पंपों पर ट्रकों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। भारत के ट्रांसपोर्ट सेक्टर में 70 प्रतिशत से ज्यादा छोटे ट्रक ऑपरेटर्स हैं। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के नेशनल प्रेसिडेंट हरीश सभरवाल के मुताबिक, ट्रक चलाने के कुल खर्च में 40-45 प्रतिशत हिस्सा अकेले डीजल का होता है। तेल की कीमतों में किस्तों में हुई बढ़ोतरी का बोझ अब छोटे ऑपरेटर्स उठाने की स्थिति में नहीं हैं। कई पंपों ने उधार पर तेल देना बंद कर दिया है, जिससे वर्किंग कैपिटल का संकट खड़ा हो गया है। (अनंत ज्ञान)

चांदी 4,750 और सोना 1,135 रुपए हुआ सस्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। अगर आप शादी-ब्याह या निवेश के लिए सोना-चांदी खरीदने की सोच रहे हैं, तो आज आपके लिए एक अच्छी खबर है। सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है. 'इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन' के मुताबिक, आज एक किलो चांदी की कीमत 4,750 रुपए कम होकर 2.66 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं, 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने का दाम 1,135 रुपए गिरकर 1.58 लाख रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। साल की शुरुआत (31 दिसंबर 2025) को सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो महज एक महीने में उछलकर 29 जनवरी 2026 को 1.76 लाख रुपएके ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया था। मौजूदा कीमतों को देखें तो सोना अपने उच्चतम स्तर से अब तक 18,000 रुपए सस्ता हो चुका है। (अनंत ज्ञान)

बैठक नई दिल्ली में सात क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक संपन्न

क्वाड बैठक में होर्मुज पर मंथन, समुद्री सुरक्षा पर सहमति

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों की क्वाड बैठक संपन्न हो गई। बैठक में समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने होर्मुज स्ट्रेट का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ईरान की ओर से संभावित बंदी का असर वैश्विक तेल और ऊर्जा आपूर्ति पर दिखने लगा है। उन्होंने जोर दिया कि समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता सुनिश्चित रहनी चाहिए और किसी भी जहाज पर रोक या टोल स्वीकार्य नहीं है।

भारत की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद पर सख्त रुख दोहराते हुए कहा कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस जरूरी है और जिन देशों पर हमला होता है, उन्हें आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है। उन्होंने बताया कि बैठक में तीन प्रमुख सहमतियां बनीं।

क्वाड देशों ने समुद्री निगरानी, खुफिया जानकारी साझा करने और बंदरगाह सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई। इसके तहत फिजी में 'पोर्ट्स ऑफ द फ्यूचर' परियोजना शुरू होगी और समुद्र के नीचे बिछी केबल नेटवर्क पर सहयोग बढ़ेगा। इसके अलावा क्रिटिकल मिनरल्स की आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने के लिए साझा फ्रेमवर्क तैयार किया गया, जिसमें भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय समझौता भी शामिल है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नई पहल शुरू करने पर भी सहमति बनी, जिसमें तकनीक, नीति सहयोग और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम शामिल होंगे। (अनंत ज्ञान)

बुजुर्गों में दिखा भारी उत्साह

मंडलगढ़ पंचायत के शिम गांव के 102 वर्षीय बुजुर्ग ने वोटा डाला। अनंत ज्ञान

मनाली के मझाच गांव की 101 साल की बुजुर्ग महिला दिली देवी ने किया मतदान, घर से बिना किसी के सहारे चलकर बूथ आई। अनंत ज्ञान

कुल्लू के ग्रामंग में 90 साल की जुम्मी देवी ने किया मतदान।

स्पीति उपमंडल स्थित चिचम 1 वार्ड में 86 वर्षीय छेरिंग कुंजोम ने मतदान किया।

अनंत ज्ञान
पंचायत शमशी के पोलिंग बूथ में 95 वर्षीय मोतु देवी और 90 वर्षीय लाली देवी ने मतदान कर लोकतंत्र की मजबूती का संदेश दिया।

ग्रामीण संसद चुनने को लेकर मतदाताओं में दिखा उत्साह

बुजुर्ग मतदाताओं सहित पहली बार मतदान करने वाले दिखे उत्साहित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू व लाहुल स्पीति की जनता लोकतंत्र की भावना का किस कद्र सम्मान करती है, यह साबित किया है यहां के बुजुर्ग मतदाताओं ने। जी हां,मंगलवार को पंचायतीराज चुनाव के पहले चरण में दोनों जिला के विभिन्न मतदान केंद्रों में काफी संख्या में बुजुर्ग मतदाता मतदान करने पहुंचे। कुल्लू व लाहुल स्पीति के विभिन्न गांवों में अन्य बुजुर्ग लोगों में मतदान किया और अन्य लोगों के लिए प्रेरणा बने। जिला के पुरातन मलाणा गांव में भी लोगों ने लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। वहीं, शाम 3 बजे तक विकास खंड आनी में 81.9 फीसदी जबकि नग्गर में 85.18 फीसद व विकास खंड भुंतर में 82.2 व विकास खंड बंजार में 87.13% मतदान हुआ। कुल्लू , लाहौल ब्लॉक में पंचायतीराज चुनाव के प्रथम चरण में 12 पंचायत में हुए चुनाव में मतदान की प्रतिशतता 66.77% रही, पुरुषों की मतदान प्रतिशतता 67.99 प्रतिशत रही और महिलाओं की मतदान प्रतिशतता 65.49% रही ।गौरतलब है कि इन 12 पंचायतों में कुल मतदाताओं की संख्या 6758 थी जिनमें से 4512 मतदाताओं ने मतदान किया। महिला मतदाताओं की संख्या 3315 थी, जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 3443 थी। जिले में पहले चरण में 85 ग्राम पंचायतों में 1,14,072 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया।

शमशी पंचायत के वार्ड-7 व सेरी बेहड़-2 में मतदान को लेकर लोगों में दिखा भारी उत्साह अनंत ज्ञान

पंचायत चुनाव के प्रथम चरण में डीसी लाहौल स्पीति ने किया मतदान केंद्र का निरीक्षण

चुनाव अधिकारियों से बातचीत करती डीसी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। जिला लाहौल-स्पीति में चल रहे पंचायतीराज चुनावों के प्रथम चरण के मतदान के दौरान मंगलवार को उपायुक्त लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने मंगलवार को त्रिलोकनाथ पंचायत के हिंसा मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं, मतदान प्रक्रिया तथा सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया और निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुचारु मतदान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि हिंसा मतदान केंद्र को 'पिंक बूथ' के रूप में स्थापित किया गया है, जिसका संचालन पूर्णतः महिला कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। मतदान केंद्र पर तैनात पोलिंग स्टाफ के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था भी महिला पुलिस कर्मियों द्वारा संभाली जा रही है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पंचायतीराज चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। लोकतंत्र के इस महापर्व में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं, ताकि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

234 ग्राम चरस के साथ दो युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, आनी। आनी पुलिस ने पंचायत चुनावों के मद्देनजर चलाए जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए 234 ग्राम चरस बरामद की है। यह कार्रवाई लुहरी मोड़ पर की गई नाकाबंदी के दौरान हुई, जब एक संदिग्ध वाहन को जांच के लिए रोका गया। जानकारी के अनुसार, काले रंग की कार नंबर एचपी 95-3049 को आनी की ओर से लुहरी की तरफ जाते समय रोका गया। तलाशी के दौरान गाड़ी के डैशबोर्ड में रखी नीले रंग की थैली से 234 ग्राम चरस/कैनाबिस बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही कार में सवार दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया, जिनकी पहचान गौरव ठाकुर (32), निवासी खटकर, डाकघर फराल, तहसील कुमारसैन, जिला शिमला तथा दीपक (31), निवासी गांव नाग, डाकघर शिवान, तहसील कुमारसैन, जिला शिमला के रूप में हुई है। मामले की पुष्टि एसपी कुल्लू मदन लाल ने की है। पुलिस थाना आनी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 और 29 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

दिल्ली-लेह बस में सैलानियों का सुहाना सफर शुरू

आसमान छूते चार दर्रों से होकर सड़क मार्ग से पर्यटक बस के माध्यम से सीधा दिल्ली से पहुंच सकेंगे लेह

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, केलांग। पहाड़ी रास्तों के रोमांच और यात्रा का शौक रखने वाले सैलानियों का सुहाना सफर शुरु हो गया है। देश के सबसे ऊंचे दिल्ली-लेह रूट पर मंगलवार को एचआरटीसी की बस सेवा शुरु हो गई है। देश की सबसे अधिक ऊंचाई से गुजरने वाली लेह-दिल्ली रूट के इस सुहाने सफर पर करीब नौ माह बाद एक बार फिर से हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस दौड़ पड़ी है। मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे केलांग से लेह के लिए 12 यात्रियों के साथ बस रवाना हुई। इस दौरान एचआरटीसी केलंग डिपो के आरएम अंशित शर्मा मौजूद रहे। उन्होंने विधिवत पूजा पाठ कर 12 यात्रियों सहित चालक परिचालक को खतक पहनाकर लेह के लिए रवाना किया। वहीं, लेह दिल्ली बस सेवा बुधवार को शुरू होगी। सनद रहे कि दुनिया के सबसे रोमांचक सफर का एहसास करवाने वाले दिल्ली-मनाली-लेह सड़क मार्ग पर जहां अन्य वाहनों की आवाजाही पहले ही शुरू हो गई है। वहीं, अब देश के सबसे लंबे व ऊंचे दिल्ली-लेह मार्ग पर पर्यटक एचआरटीसी की बस के सफर का आनंद ले सकेंगे।

◆ **12 यात्रियों के साथ केलांग से लेह के लिए रवाना हुई निगम की बस**

दिल्ली-लेह बस बर्फ के दर्रों से गुजरती हुई। अनंत ज्ञान

समयसारिणी

दिल्ली आईएसबीटी से दोपहर 12:10 बजे, अंबाला कैंट 3:590, चंडीगढ़-43 से शाम 6:20 बजे, मंडी रात 10:55, कुल्लू 1:30 बजे, मनाली से रात 2:30 बजे,केलांग से सुबह 5:30 बजे, शाम 7 बजे लेह। वापसी यात्रा में लेह से प्रातः 3:30 बजे, शाम 4:30 केलांग और वहां से चंडीगढ़-दिल्ली के लिए रवाना होगी।

> दिल्ली-लेह बस सेवा शुरू हो गई है। पहले दिन 12 यात्रियों के साथ इस बस को केलांग से लेह के लिए रवाना किया गया है। इस बस सेवा का पर्यटकों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। दिल्ली से लेह जाने वाला पर्यटक बिना रुके चंडीगढ़, मनाली, केलंग व सरचू होते हुए लेह पहुंचेगा।
> -अंशित शर्मा, क्षेत्रीय प्रबंधक एचआरटीसी केलांग डिपो।

1839 रुपए किराया निर्धारित

गौर हो कि 990 किमी लंबे सफर का एचआरटीसी ने 1839 रुपए किराया निर्धारित किया है। पर्यटक 16500 फुट ऊंचे बारालाचा दर्रे, 15547 फुट ऊंचे नाकुला दर्रे, 13480 फुट तंगलांग ला और 16616 फुट ऊंचे लाचुंगला दर्रे का दीदार करवाएगी। यहां पर सैलानियों के लिए थोड़ी देर बस को रोका जाएगा है और सैलानी दर्रे पर फोटोग्राफी का आनंद ले सकेंगे।

सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है यह मार्ग

इस मार्ग के खुल जाने से चीन व पाकिस्तान की सीमा पर बैठे प्रहरियों तक पहुंचना आसान होता है। जम्मू-कश्मीर रास्ते की तुलना में यह मार्ग सुरक्षित है। इसी वजह से भारतीय सेना इस सड़क को अधिक तरजीह देती है, इसलिए यह मार्ग सामरिक दृष्टि से भी अति महत्वपूर्ण है।

चार दर्रों को पार कर पहुंचते हैं लेह

एचआरटीसी की बस 4 बर्फीले र्दें पार कर 990 किलोमीटर लंबा सफर 30 घंटों में तय करेगी। जिनमें एचआरटीसी को एशिया के सबसे ऊंचे गांव किब्बर और मनाली, लेह रूट पर बारालाचा दर्रा, 16020 नकी दर्रा, 15552 लाचुंग दर्रा,16620 तंगलंग दर्रा, 17480 से होते हुए सेवाएं देने के लिए वर्ष 2017 में एचआरटीसी का केलांग डिपो लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवा चुका है।

रौरिक आर्ट गैलरी में डॉ. नीता की चित्रकला प्रदर्शनी का आगाज

रशियन क्यूरेटर लारिसा सुरगिना ने किया प्रदर्शनी का उद्घाटन, रंगों और संगीत की लय से सजी कला प्रदर्शनी ने मोहा मन

अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। अंतरराष्ट्रीय रौरिक मैमोरियल ट्रस्ट नग्गर में मंगलवार को राजस्थान की विख्यात चित्रकार डॉ. नीता एस भटनागर (नीता श्रीवास्तव) की एकल चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन रशियन क्यूरेटर लारिसा सुरगिना ने रिबन काटकर किया। डॉ. नीता श्रीवास्तव पहली बार रौरिक आर्ट गैलरी में अपनी कला को प्रदर्शित कर रही हैं, जिसे लेकर स्थानीय कला प्रेमियों और पर्यटकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

इस भव्य अवसर पर रशियन क्यूरेटर सहायक दमित्री सुरगिन सहित कुल्लू घाटी के कई लोग भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। डॉ. नीता श्रीवास्तव पिछले 25 वर्षों से निरंतर चित्रकला के क्षेत्र में सक्रिय हैं और देश-विदेश में अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन कर चुकी हैं। कला के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें अमेरिकी सीनेटर द्वारा सराहना पत्र (प्रशस्ति पत्र) प्रदान किया गया है। इसके अलावा, उन्हें ललित कला अकादमी राजस्थान और टौंक आर्ट एसोसिएशन राजस्थान द्वारा राष्ट्रीय कलाकार के रूप में भी सम्मानित किया जा चुका है।

नग्गर आर्ट गैलरी में चित्रकार डॉ. नीता की एकल चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन करते अनंत ज्ञान

भील आदिवासी संस्कृति, कृष्ण लीला और शास्त्रीय संगीत के रागों का अनूठा संगम

प्रदर्शनी की सबसे बड़ी विशेषता इसमें प्रदर्शित चित्रों की विविधता और लयात्मकता है। डॉ. नीता ने भील आदिवासी जनजीवन पर पीएचडी की है, यही कारण है कि उनकी कलाकृतियों में आदिवासियों के लोक जीवन, उनकी सामाजिक गतिविधियों और सांस्कृतिक पहलुओं का गहरा प्रभाव साफ झलकता है। उन्होंने आदिवासी परंपराओं को आधुनिक शैली के साथ बेहद खूबसूरती से सामंजस्य बिठाकर नए ढंग से कैनवास पर उतारा है। इसके साथ ही अध्यात्म में गहरी रुचि होने के कारण उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न बाल और रास लीलाओं को भी अपने मौलिक अंदाज में अभिव्यक्ति दी है।चित्रकला के साथ-साथ डॉ. नीता शास्त्रीय संगीत में भी स्नातकोत्तर हैं और उन्होंने विश्व विख्यात ध्रुपद गुरु जिया फरीदुद्दीन डागर से ध्रुपद गायन की विधिवत शिक्षा ली है। संगीत के इस गहरे ज्ञान का असर उनकी पेंटिंग्स पर भी दिखता है, जहां भारतीय शास्त्रीय संगीत के विविध रागों को रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त किया है। यही वजह है कि उनकी कलाकृतियों में एक अनोखी संगीतमय लयात्मकता (रैदम) देखने को मिलती है। मुख्य अतिथि लारिसा सुरगिना ने कलाकार डॉ. नीता का स्वागत किया और उनकी असाधारण कार्यक्षमता की सराहना करते हुए भविष्य में भी रौरिक ट्रस्ट के साथ जुड़े रहने की अपील की। चित्रकार नीता श्रीवास्तव ने इस सफल आयोजन के लिए रौरिक ट्रस्ट के निदेशक व जिलाधीश कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा सहित पूरे प्रबंधन वर्ग का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रदर्शनी को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए श्री हेमंत श्रीवास्तव, डॉ. अविनाश दुबे और सुषमा दुबे का भी विशेष धन्यवाद किया। इस एकल प्रदर्शनी में डॉ. नीता के लगभग 40 बेहतरीन चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। कला प्रेमी और घाटी में घूमने आए पर्यटक इस अनूठी प्रदर्शनी का अवलोकन 28 मई तक कर सकते हैं।

लोसर-ग्राम्फू मार्ग हल्के वाहनों के लिए खुला

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। लाहौल-स्पीति आने-जाने वाले यात्रियों और पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों के लिए राहत भरी खबर है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहौल-स्पीति ने लोसर-ग्राम्फू तथा चंद्रताल मार्ग को हल्के मोटर वाहनों के लिए खोलने के आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार, सीमा सड़क संगठन की 108 आरसीसी इकाई द्वारा सड़क की स्थिति का आकलन करने के बाद फिलहाल फोर बाई फोर हल्के वाहनों की आवाजाही संभव बताई गई है। वहीं, भारी वाहनों के लिए सड़क को पूरी तरह तैयार करने का कार्य अभी जारी है। उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण किरण भडाना ने आदेश जारी करते हुए कहा कि यह मार्ग आगामी आदेशों तक हल्के वाहनों के लिए खुला रहेगा। हालांकि वाहन संचालन मौसम और सड़क की वास्तविक स्थिति पर निर्भर करेगा।प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यातायात व्यवस्था की निगरानी पुलिस विभाग करेगा तथा लोगों से जिला प्रशासन की ओर से जारी दैनिक एडवाइजरी का पालन करने की अपील की गई है।मार्ग खुलने से पर्यटन गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, वहीं यात्रियों को भी अब लाहौल-स्पीति और चंद्रताल की ओर आवाजाही में बड़ी राहत मिलेगी।

◆ **लाहौल-स्पीति में पर्यटकों और यात्रियों के लिए बड़ी राहत**

◆ **प्रशासन ने जारी किए आदेश, मौसम और सड़क की स्थिति के अनुसार होगा वाहनों का संचालन**

तीर्थ स्नान से तन शुद्ध, साधना से आत्मा शुद्धः सुधांशु महाराज

आशीर्वाद देते सुधांशु जी महाराज व साधना में लीन साधक। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। जिले के घुड़दौड़ स्थित साधना धाम में आयोजित 15 दिवसीय अर्ध चंद्रायण साधना शिविर का मंगलवार को प्रातःकालीन सत्र के साथ विधिवत समापन हुआ। इस मौके पर सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी ने उपस्थित साधकों के उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए आशीर्वाद ले साथ विदाई किए। सुधांशु जी महाराज ने कहा कि स्नान करने से तन शुद्ध होगा लेकिन ध्यान साधना से आत्मा शुद्ध होगा। उन्होंने स्वयं को पवित्र करते हुए अपने अंदर रह रहे कालिमा को जलाकर आत्मा को पवित्र करके एक नया जीवन ले जाने को कहा। उन्होंने अपना स्वरूप को जानने और भीड़ का हिस्सा न बनकर रह जाने की सलाह देते हुए कहा कि आपका संबंध अपने गुरु और पित्रों से जुड़ा रहे। प्रातःकालीन के सत्र में डॉ. दीदी जी ने स्वयं को प्रेम, शांति और प्रसन्नता के साथ रहने को कहा और कहा कि इस संसार में गुरु की एक शक्ति है जो परमात्मा से मिलाने का कार्य करती है। कुल्लू मंडल प्रधान पवन गुप्ता ने बताया कि उपस्थित समस्त साधकों ने अपनी गलतियों को अग्नि में जलाकर नया होकर जाने के संकल्प गुरुदेव के समीप लेकर संकल्पित हुए।

लाहौल में लोगों की सुरक्षा के लिए मजबूत सड़क नेटवर्क जरूरी : रवि

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। लाहौल-स्पीति में लगातार बढ़ रही पर्यटकों और स्थानीय लोगों की आवाजाही के बीच अब क्षेत्र में मजबूत और वैकल्पिक सड़क नेटवर्क की आवश्यकता एक बार फिर प्रमुख मुद्दा बनकर सामने आई है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण लाहौल में सड़क संपर्क केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा और जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुका है।

पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि ने कहा कि इस विषय पर पहले भी बीआरओ और संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की जा चुकी है, लेकिन हाल के दिनों में सामने आई सड़क समस्याओं ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। हाल ही में मूलिंग पुल के पास पहाड़ी का हिस्सा गिरने से कई घंटों तक यातायात पूरी तरह ठप हो गया। इस दौरान पर्यटकों, स्थानीय लोगों और भारी वाहनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा जाहलमा नाले के समीप जमीन खिसकने और पुल में दरार आने की घटनाओं ने भी चिंता बढ़ा दी है। वहीं कोकसर क्षेत्र में लगातार सामने आ रही समस्याओं से भी आवागमन प्रभावित हो रहा है।इन परिस्थितियों को देखते हुए रवि ठाकुर ने गौशाल-लिंगर-जोबरंग से होते हुए जाहलमा तक वैकल्पिक मार्ग विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही गौशाल से बरगुल-मूलिंग होते हुए दालंग वामतट संपर्क मार्ग और कोखसर-डीम्पुग-छतड़ू वामतट संपर्क मार्ग निर्माण के मुद्दे को भी उठाया गया। उन्होंने बताया कि बीआरओ की टीम जल्द क्षेत्र का दौरा कर इन स्थानों का निरीक्षण करेगी और यह अध्ययन करेगी कि इन वैकल्पिक मार्गों को भविष्य में किस प्रकार विकसित और मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लाहौल-स्पीति जैसे संवेदनशील और सीमावर्ती क्षेत्र में मजबूत सड़क नेटवर्क समय की मांग है।

◆ **मूलिंग, जाहलमा और कोखसर में बार-बार बाधित हो रहा यातायात**

◆ **पूर्व विधायक ने बीआरओ के समक्ष उठाए अहम मुद्दे**

खुशी सरकार ने भेजा बीआरओ को पत्र, व्यवसायियों ने विधायक का जताया आभार

कुल्लू-मनाली लेफ्ट बैंक मार्ग होगा बीआरओ के अधीन

अनंत ज्ञान

मनाली। कुल्लू-मनाली लेफ्ट बैंक मार्ग को प्रदेश सरकार की ओर से बीआरओ को दिए जाने को लेकर इन दिनों चर्चा जोरों पर है, जिससे लेफ्ट बैंक मार्ग के लोगों में खुशी का माहौल है।

लेफ्ट बैंक के बागवान और पर्यटन व्यवसायी खासे खुश नजर आ रहे हैं। यदि बीआरओ हामी भरता है तो लंबी प्रक्रिया होगी, परंतु इस क्षेत्र के लोगों को इससे बहुत लाभ होगा 1988 से 2023 तक आई भयंकर बाढ़ के चलते सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण लेफ्ट बैंक मार्ग को प्रदेश सरकार ने बीआरओ के अधीन करने का आग्रह किया था लेकिन बहुत विचार करने के बाद हिमाचल सरकार ने इस मार्ग को बीआरओ को देने का निर्णय लिया है, जिसमें मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ की महत्वपूर्ण भूमिका है।

विधायक ने कहा कि लेफ्ट बैंक मार्ग सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, क्यूंकि जब भी कुल्लू मनाली के बीच बाढ़ आती है तो यही एक मार्ग जीवन रेखा कहलाती है। गौड़ ने बताया कि उन्होंने प्रदेश सरकार से आग्रह किया था, जिस प्रकार से 1988 से लेकर 2023 तक लेफ्ट बैंक मार्ग न केवल स्थानीय बागवानों और पर्यटन व्यवसायियों के लिए रीड काम किया था। वहीं, सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण लेह, लद्दाख, और कारगिल के लिए भी एक सुरक्षित और महत्वूर्ण भूमिका निभा चुका है। गौड़ ने बताया कि बीआरओ द्वारा बार-बार लेफ्ट बैंक मार्ग को बीआरओ को देने का आग्रह किया गया था। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दूरदर्शिता पूर्ण निर्णय लेते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। लेफ्ट बैंक निवासी संजीव शर्मा, सोहन ठाकुर, सोमदेव कोतवाल, राजेंद्र शर्मा, मनाली होटलियर एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त गोविंद शर्मा, अनूप ठाकुर ने कहा कि मनाली के विधायक और प्रदेश सरकार द्वारा यह महत्वपूर्ण निर्णय है, जो कि काबिलेतारीफ तारीफ है और इस फैसले का न केवल लेफ्ट मार्ग के लोग बल्कि खुश हैं, बल्कि मनाली के पर्यटन व्यवसायी भी बेहद खुश हैं। कुल्लू फलोत्पादक संघ के अध्यक्ष प्रेम शर्मा ने बताया कि लेफ्ट बैंक मार्ग सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है इससे बीआरओ को दिया जाना राष्ट्रहित में प्रदेश सरकार द्वारा लिया गया फैसला है। उन्होंने कहा कि सेब सीजन के दौरान यही एक वैकल्पिक मार्ग है जो किसानों और बागवानों की फसल को स्थानीय मंडियों तक पहुंचता है द्य उन्होंने कहा कि यदि लेफ्ट बैंक वैकल्पिक मार्ग न होता तो किसानों और बागवानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता। पर लोक निर्माण विभाग के मनाली डिवीजन के अधिशाषी अभियंता अनूप शर्मा ने बताया कि बीआरओ द्वारा बार-बार मनाली कुल्लू लेफ्ट बैंक मार्ग को बीआरओ के अधीन देने का आग्रह किया था लेकिन प्रदेश सरकार द्वारा इस मार्ग को देने का निर्णय अब लिया गया है तथा प्रदेश सरकार द्वारा इस संदर्भ में बीआरओ को पत्र भी लिखा है। उन्होंने आशा जताई कि जल्द ही लेफ्ट बैंक मार्ग बीआरओ के अधीन किया जाएगा ।

◆ **लेफ्ट मार्ग के लोगों ने भी विधायक भुवनेश्वर गौड़ का किया धन्यवाद**

गुरुद्वारा गुरुग्रंथ साहिब भुंतर प्रबंधक कमेटी का किया गठन

गुरुद्वारा गुरुग्रंथ साहिब भुंतर प्रबंधक कमेटी की नई कार्यकारिणी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

भुंतर। गुरुद्वारा श्री गुरुग्रंथ साहिब भुंतर की प्रबंधक कमेटी के चुनाव करवाए गए। चुनाव प्रक्रिया के दौरान संगत की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। विभिन्न पदाधिकारियों का चयन किया तथा गुरुद्वारे की धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी गईं। नई कार्यकारिणी में सरदार विनोद सिंह को चेयरमैन, सरदार सतविंद्र सिंह को प्रधान, सरदार राजप्रीत सिंह को उप प्रधान, सरदार हरजिंद्र सिंह को महासचिव, सरदार परमींद्र सिंह को सह सचिव, सरदार सुखदेव सिंह को कोषाध्यक्ष, सरदार जगजीत सिंह को मंच सचिव, सरदार आशिष सिंह को प्रेस सचिव तथा सरदार भूपेंद्र सिंह को मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगत का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुद्वारे की मर्यादा, सेवा भावना और सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने युवाओं को धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया।

मुस्लिम समुदाय ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर उठाई मांग

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए व स्लाटर हाउस बंद हो : अंजुमन इस्लामिया

अनंत ज्ञान

नाहन। गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष बॉबी अहमद की अगुवाई में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से देशभर में स्लॉटरहाउस को बंद करने की भी मांग उठाई। मीडिया से बात करते हुए अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष बॉबी अहमद ने बताया कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने को लेकर पिछले लंबे समय से हिंदू समुदाय द्वारा मांग उठाई जा रही है। हिंदू समुदाय के लोगों की भावनाओं का आदर करते हुए अंजुमन इस्लामिया ने भी इसका समर्थन किया। बॉबी अहमद ने कहा कि गाय के कत्ल को लेकर अक्सर मुस्लिम समुदाय को टारगेट किया जाता है, जबकि इस मामले में सभी समुदायों की समान जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से सख्त कानून बनाने और सभी वर्गों को साथ लेकर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने देशभर में संचालित बूचड़खानों को बंद किए जाने की मांग भी उठाई। इसके अलावा शहर में सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं को लेकर भी प्रशासन पर सवाल उठाए गए। ज्ञापन में मांग की गई कि जिन पशुपालकों के जानवर सड़कों पर घूमते पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि हादसों पर रोक लग सके।

अंजुमन इस्लामिया ने सख्त कानून बनाने की भी अपील की अनंत ज्ञान

अधिकारियों ने बूथों पर बढ़ाया मतदाताओं का उत्साह

सोलन। पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण के दौरान विकास खंड संगड़ाह में लोकतंत्र का उत्सव पूरे उत्साह के साथ दिखाई दिया। क्षेत्र की तेरह पंचायतों में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में जारी रही। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही बनी रही और लोगों ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।चुनावी प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी लगातार सक्रिय नजर आए। एसडीएम संगड़ाह सुनील कायथ और बीडीओ नेहा नेगी ने शिवपुर, नौहराधार, लानाचेता, शामरा और भूटली मानल सहित विभिन्न पंचायतों के मतदान केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर चुनाव प्रक्रिया की निगरानी की तथा मतदाताओं से बातचीत भी की। इस दौरान कुछ मतदान केंद्रों पर लोकतंत्र के प्रति जागरूकता और मतदान के प्रति लोगों के उत्साह को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मतदाताओं को सम्मानित भी किया गया। अधिकारियों ने लोगों से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।वहीं मतदान के बीच क्षेत्र में कुछ व्यवस्थागत मुद्दे भी चर्चा में रहे। कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायतें सामने आईं, जबकि उपमंडलीय पुलिस अधिकारी का पद खाली होने को लेकर भी लोगों के बीच चर्चा होती रही। हालांकि इन सबके बीच मतदान प्रक्रिया क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से जारी रही।

पंचायतीराज चुनाव में बूथों पर उमड़ी मतदाताओं की भीड़

भारी भीड़ और अव्यवस्था के बावजूद शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया रही जारी

अनंत ज्ञान

दाड़लाघाट/सोलन । पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण के दौरान जहां पूरे प्रदेश में मतदान को लेकर उत्साह देखने को मिला, वहीं दाड़लाघाट ग्राम पंचायत के वन विश्राम गृह ओर राजकीय प्राथमिक विद्यालय दाड़लाघाट के मतदान केंद्र पर अव्यवस्थाओं के कारण मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि इसके बावजूद मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जानकारी के अनुसार राजकीय केंद्रीय पाठशाला दाड़लाघाट में बनाए गए मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। वहीं वन विश्राम गृह स्यार में अलग-अलग वार्डों के लिए अलग-अलग बूथ बनाए गए थे, लेकिन यहां पर्याप्त स्थान न होने के कारण मतदाताओं को खड़े रहने में

कठिनाई हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार मतदान केंद्र के आगे एक कमरे का निर्माण हुआ है तथा बीच में लगे पिलरों के कारण कतार में खड़े होने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बची, जिससे विशेषकर बुजुर्गों और महिलाओं, युवाओं को असुविधा का सामना करना पड़ा।

इसी के साथ स्यार में एक ही संकरी गली में तीन मतदान समूह (बूथ) रखे जाने के कारण भी भीड़ एक जगह इकट्ठी हो गई, जिससे स्थिति और अधिक कठिन हो गई तथा लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ा। मतदाताओं ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में मतदान केंद्रों पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसी को भी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके बावजूद लोगों ने धैर्य बनाए रखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कसौली क्षेत्र के जंगलों में भड़की भीषण आग

सोलन। कसौली-धर्मपुर सड़क मार्ग के आसपास जंगलों में लगी भीषण आग ने क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। सामने आई तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि आग तेजी से फैलते हुए पूरे जंगल को अपनी चपेट में ले रही है। पहाड़ियों पर उठती आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही हैं, जबकि धुएं के गुबार से वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार देर शाम अचानक जंगल से आग की लपटें उठती दिखाई दीं, जिसके बाद देखते ही देखते आग ने बड़े क्षेत्र को अपनी गिरफ्त में ले लिया। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। आशंका जताई जा रही है कि तेज गर्मी और सूखी झाड़ियों के कारण आग तेजी से फैली। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को घटना की सूचना दे दी गई है। आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं ताकि यह रिहायशी क्षेत्रों तक न पहुंचे। जंगलों में लगातार बढ़ रही आग की घटनाओं ने पर्यावरण और वन्य जीवों के लिए भी खतरा पैदा कर दिया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि जंगल का रुख न करें।

मुकाबला बराबरी का रहा तो निर्दलीय पार्षद बनेंगे 'किंगमेकर'

सोलन में किसके सिर सजेगा ताज किसके हाथ में होगी सत्ता की चाबी

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। नगर निगम सोलन की 17 सीटों को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। शहर की चाय की दुकानों से लेकर सोशल मीडिया तक हर जगह चुनावी गणित और संभावित नतीजों को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। कोई भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलने की बात कर रहा है, तो कोई कांग्रेस की वापसी तय मान रहा है। वहीं कई राजनीतिक जानकार यह भी मान रहे हैं कि इस बार नगर निगम की सत्ता की चाबी निर्दलीय पार्षदों के हाथ में जा सकती है। राजनीतिक समीकरणों पर नजर डालें तो माना जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों को 7 से 8 सीटें मिल सकती हैं। ऐसे में शेष 3 सीटें पूरे चुनाव का रुख तय करेंगी। यही तीन सीटें यह निर्णय करेंगी कि नगर निगम में स्पष्ट बहुमत बनेगा या फिर मेयर चुनाव के लिए जोड़-तोड़ और राजनीतिक रणनीतियों का दौर चलेगा। चुनाव का सबसे दिलचस्प पहलू यह माना जा रहा है कि यदि किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला, तो मेयर पद को लेकर बड़ा राजनीतिक पेंच फंस सकता है। हालांकि यह 31 मई को घोषित होने वाले नतीजों से स्पष्ट होगा। निर्दलीय पार्षद 'किंगमेकर' की भूमिका में नजर आ सकते हैं और सत्ता गठन में उनकी अहम भूमिका रहेगी। इसके अलावा स्थानीय विधायक कर्नल धनीराम शांडिल के राजनीतिक प्रभाव पर भी सभी की नजरें टिकी हुई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नगर निगम चुनाव में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि विधायक कर्नल धनीराम शांडिल समर्थक कितने प्रत्याशी जीत दर्ज करने में सफल रहते हैं। इससे न केवल नगर निगम की सत्ता का समीकरण तय होगा, बल्कि भविष्य की स्थानीय राजनीति की दिशा भी प्रभावित हो सकती है। जरूरत पड़ने पर विधायक का वोट भी गेम चेंजर साबित हो सकता है। फिलहाल सोलन नगर निगम चुनाव पूरी तरह दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुका है और अंतिम परिणाम आने तक राजनीतिक अटकलों का बाजार गर्म रहने वाला है।

◆ विधायक का वोट भी हो सकता है गेम चेंजर

दो परिवारों के नाम मतदान सूची से गायब होने पर लोगों में रोष

सोलन। उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत डुमहर के वार्ड नम्बर एक के गांव बड़मल(खूबन) में दो परिवारों के नाम मतदान सूची से गायब होने पर लोगों में रोष व्याप्त है। गांव खूबन के निवासी राजेश कुमार पुत्र स्व. मोहन लाल ने बताया कि वह गांव खूबन के लगभग सौ साल से भी ज्यादा वर्षों से निवासी है और आज तक होने वाले विधानसभा लोकसभा व पंचायत के चुनावों में उनके परिजनों व उन्होंने स्वयं मतदान किया है लेकिन इस बार गांव के दो परिवारों के दस से बारह मतदाताओ के नाम मतदाता सूची से गायब कर दिए गए है।उन्होंने बताया कि वह हर बार होने वाले मतदान के चलते मतदान सूची में अपना नाम होने की निश्चिंतता से अपने कार्यों में व्यस्त थे। लेकिन दो दिन पूर्व जब चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी उनके पास आये व मतदान सूची देखी तो उनका नाम गायब पाया गया। जिस पर उन्होंने अपने स्तर पर पंचायत में छानबीन की तो वहाँ बैठे अधिकारी का जवाब था कि जो होना था होगया अब कुछ नही हो सकता है।

सिरमौर पुलिस ने आठ साल से फरार मुजरिम ठियोग में दबोचा

राजगढ़ थाने में दर्ज 2018 के मामले में आरोपी फरार चल रहा था

अनंत ज्ञान

नाहन। सिरमौर पुलिस की पीओ सेल टीम ने आठ साल से अदालत द्वारा घोषित फ़रार मुजरिम को जिला शिमला के ठियोग से धर दबोचा। ज़िले के एसपी एनएस नेगी ने बताया कि वर्ष 2018 से फरार चल रहे फरार मुजरिम को मुजरिम के खिलाफ थाना राजगढ़ में सेंधमारी व चोरी का मामला दर्ज था। पीओ सेल टीम नाहन ने आज उक्त मुजरिम को जय प्रकाश पुत्र श्री सुंदर सिंह, निवासी गांव धैला दयोठी, डा. शरगाँव, तहसील राजगढ़, जिला सिरमौर को ठियोग, शिमला से गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि मुजरिम जय प्रकाश, थाना राजगढ़ में दर्ज अभियोग संख्या 42/18 दिनांक 12 अगस्त 2018 जेर धारा 457, 380 आईपीसी में वांछित था।

मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था और अदालत द्वारा उसे फरार मुजरिम घोषित किया गया था। पीओ सेल नाहन की टीम लगातार फरार मुजरिमों की तलाश में जुटी थी। इसी कड़ी में गुप्त सूचना के आधार पर मुजरिम को आज ठियोग से दबोचा गया। गिरफ्तार आरोपी को आगामी कार्रवाई हेतु न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कालाअंब मतदान केंद्र पर संदिग्ध फर्जी मतदान को लेकर गरमाई सियासत

अनंत ज्ञान, नाहन। पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण के दौरान औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब के एक मतदान केंद्र पर कथित संदिग्ध मतदान का मामला सामने आने के बाद चुनावी माहौल अचानक गर्मा गया है। मतदान प्रक्रिया के बीच कथित तौर पर फर्जी तरीके से वोट डाले जाने के आरोपों ने प्रशासन और पुलिस को भी हरकत में ला दिया है। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर काफी रोष देखने को मिल रहा है और चुनावी प्रक्रिया पर भी सवाल उठने लगे हैं।जानकारी के अनुसार यह मामला कालाअंब स्थित बूथ नंबर-7 से जुड़ा बताया जा रहा है, जहां जिला परिषद चुनाव के दौरान एक संदिग्ध वोट डाले जाने को लेकर विवाद खड़ा हुआ। आरोप है कि मतदान प्रक्रिया के दौरान बिना उचित पहचान सत्यापन के बैलट पेपर नंबर 4735811 जारी कर दिया गया और उसके आधार पर मतदान भी कर लिया गया।इस घटना के बाद मौके पर मौजूद कुछ मतदाताओं ने तुरंत आपत्ति दर्ज कराई और हंगामा शुरू हो गया। शिकायत मिलते ही चुनाव अधिकारी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं तथा संबंधित मतदान कर्मियों से पूछताछ की जा रही है। स्थानीय लोगों में निष्पक्ष चुनाव को लेकर चिंता बढ़ गई है।प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज व मतदान रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, चुनाव आयोग को भी रिपोर्ट भेजी गई है। फिलहाल क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।स्थानीय लोगों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है और दोषियों को सजा देने की अपील की है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि पारदर्शिता से पूरी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

शराब के ठेके और अहाते के खिलाफ डीसी को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान

सोलन। शहर के मशरूम चौक और मुरारी मार्केट क्षेत्र में खोले गए शराब ठेकों को लेकर सोमवार को सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, अधिवक्ताओं और स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। लोगों ने आरोप लगाया कि मशरूम चौक स्थित महिला थाना और लाइब्रेरी के समीप तथा मुरारी मार्केट में बी.एल. स्कूल और दुर्गा मंदिर के सामने नियमों को ताक पर रखकर शराब के ठेके और अहाते खोले गए हैं, जिससे बच्चों, महिलाओं और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। इस मुद्दे को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने जिला उपायुक्त सोलन को ज्ञापन सौंपते हुए इन ठेकों को तुरंत अन्य स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि 'बच्चों का सुरक्षित भविष्य और महिलाओं की सुरक्षा किसी भी राजस्व से बढ़कर है। 'प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सोलन हेल्पिंग सोसायटी एवं 'मिशन कर्तव्य' के संस्थापक विजय भट्टी ने किया।

उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो सोलन की जनता बच्चों के भविष्य और महिलाओं की सुरक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग सोलन के सदस्य विजय गुप्ता लाम्बा, इंसाफ लीगल एसोसिएशन के डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट अरमान त्रेहन, सोलन हॉकी क्लब के वेदज्योति चन्देल, एडवोकेट भुवन ठाकुर, एडवोकेट संजय पांटा, एडवोकेट राकेश कुमार, व्यापारी ललित कौंडल, व्यापारी मुकेश शर्मा, पारस शर्मा, नितिन कुमार, सौरव सहित कई लोग मौजूद रहे। प्रशासन को तुरंत प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

हार सामने देखकर बौखला गए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार : रावत

अनंत ज्ञान

नाहन। पंचायती राज चुनाव के बीच सियासी बयानबाजी लगातार तीखी होती जा रही है। इसी कड़ी में जिला भाजपा प्रवक्ता प्रताप सिंह रावत ने श्री रेणुकाजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार पर तीखा हमला बोला है। जारी बयान में उन्होंने कहा कि 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे' वाली कहावत इन दिनों विनय कुमार पर पूरी तरह सटीक बैठ रही है। प्रताप सिंह रावत ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश की कमान सबसे कमजोर नेतृत्व के हाथों में सौंपकर बची-खुची कसर भी पूरी कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायती राज चुनाव में लगातार मिल रहे राजनीतिक संकेतों और माहौल को देखकर विनय कुमार बौखलाहट में बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री रेणुकाजी विधानसभा क्षेत्र में चुनाव

भाजपा प्रवक्ता प्रताप सिंह रावत।

लड़ रहे कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी भी अपने विधायक की कार्यशैली से निराश और हताश दिखाई दे रहे हैं।

क्षेत्र की जनता के बीच विकास को लेकर किए गए दावों और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर साफ दिखाई दे रहा है। रावत ने आरोप लगाया कि विधायक विनय कुमार ने क्षेत्र के विकास की बजाय अपने राजनीतिक और व्यक्तिगत हितों को अधिक प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि श्री रेणुकाजी बांध परियोजना जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों में भी स्थानीय लोगों के हितों को प्राथमिकता देने की जगह स्वयं को केंद्र में रखने का प्रयास किया गया। जारी बयान में प्रताप सिंह रावत ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार ने क्षेत्र में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े कई कार्य तेजी से आगे बढ़ाए है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों को लेकर पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है और जनता भी इस बदलाव को महसूस कर रही है। रावत ने दावा किया कि पंचायत चुनावों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता अब विकास और सुशासन के आधार पर ही अपना निर्णय करेगी। विकास ही मुख्य मुद्दा रहेगा।

शिक्षकों के सम्मान पर हमला हरगिज बर्दाश्त नहीं होगा: संघ

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल प्रदेश में सरकारी शिक्षकों के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई कथित अपमानजनक पोस्ट अब कानूनी कार्रवाई के घेरे में आ गई है। शिक्षकों को 'गधा शिक्षक' कहकर संबोधित करने और उनकी योग्यता व सामाजिक प्रतिष्ठा पर सवाल उठाने वाली पोस्ट के मामले में हिमाचल प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने गंभीर रुख अपनाते हुए साइबर क्राइम एवं स्टेट सीआईडी को जांच के निर्देश जारी किए हैं। इस कार्रवाई के बाद प्रदेशभर के शिक्षक समुदाय में संतोष और राहत का माहौल देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार राजकीय टीजीटी कला संघ के राज्य महासचिव विजय हीर ने इस मामले को लेकर पुलिस महानिदेशक हिमाचल प्रदेश को औपचारिक शिकायत भेजी थी। शिकायत में कहा गया कि सीबीएसई स्क्रीनिंग टेस्ट के परिणाम आने के बाद एक सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म पर शिक्षकों के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक व अपमानजनक और मानहानिकारक पोस्ट साझा की गई, जिसने पूरे शिक्षक समाज की भावनाओं को गहरा आघात पहुंचाया है। शिकायत के आधार पर हिमाचल प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने मामले का संज्ञान लेते हुए साइबर क्राइम शाखा और स्टेट सीआईडी को जांच सौंप दी है।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में संबंधित अधिकारियों को मामले की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाने तथा एक माह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट शिकायतकर्ता को उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह आदेश डीजीपी हिमाचल प्रदेश की स्वीकृति के बाद जारी किए गए हैं। विवादित सोशल मीडिया पोस्ट में शिक्षकों को गधा शिक्षक कहकर संबोधित किया गया तथा गधे के चेहरे वाले चित्रों के माध्यम से पूरे शिक्षक समुदाय का सार्वजनिक रूप से उपहास उड़ाया गया।पोस्ट में 1 लाख की सैलरी और खुद फेल, ऐसे लोग बनाएंगे देश का भविष्य,योग्यता नहीं तो नौकरी क्यों? और ऐसे गधे शिक्षक बच्चों का भविष्य बनाएंगे या बर्बाद करेंगे जैसे शब्दों और कैप्शनों का प्रयोग किया गया है। और अपमान का वातावरण तैयार करने का प्रयास करती है।

हाउसिंग कॉलोनी में सीवरेज समस्या से लोग परेशान

सोलन। नगर निगम सोलन की कार्यप्रणाली के चलते वार्ड-14 स्थित हाउसिंग कॉलोनी में लोगों को लंबे समय से सीवरेज समस्या और सड़कों की खस्ता हालत से जूझना पड़ रहा है। कॉलोनी के विभिन्न हिस्सों में खुले में बहती सीवरेज से जहां गंदगी फैल रही है, वहीं गर्मी के मौसम में बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। कॉलोनी के तरफ जाते बीच रास्ते में पिछले एक वर्ष से लगातार सीवरेज बहने से आसपास के लोगों और राहगीरों को खासी दिक्कते पेश आ रही है। लोग गर्मी के बावजूद दुर्गंध के चलते घरों की खिड़कियां नहीं खोल पाते हैं जबकि राहगीरों खासकर स्कूली बच्चों को मुंह में रूमाल रख कर चलना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कॉलोनी की सड़कों की हालत खराब होने के साथ-साथ सीवरेज व्यवस्था भी पूरी तरह चरमरा चुकी है। जगह-जगह खुले में बह रही सीवरेज से राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दाड़लाघाट के स्यार मतदान केंद्र में 89 वर्षीय दिनेश शर्मा ने किया मताधिकार का प्रयोग, दिखाई लोकतंत्र के प्रति जागरूकता

दाड़लाघाट। दाड़लाघाट के स्यार मतदान केंद्र में 89 वर्षीय दिनेश शर्मा ने उत्साह और जोश के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के प्रति गहरी आस्था का परिचय दिया। उम्र के इस पड़ाव पर भी मतदान केंद्र पहुंचकर उन्होंने युवाओं और आम नागरिकों को प्रेरित करने का कार्य किया। मतदान केंद्र पर मौजूद अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने उनके जज्बे की सराहना की। दिनेश शर्मा ने कहा कि मतदान प्रत्येक नागरिक का अधिकार ही नहीं बल्कि जिम्मेदारी भी है और सभी लोगों को बिना किसी लालच या दबाव के अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

मतदान केंद्र पर मौजूद लोगों ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का इस प्रकार मतदान के प्रति जागरूक रहना समाज के लिए प्रेरणादायक है। प्रशासन द्वारा भी बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे, जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। दिनेश शर्मा की सक्रिय भागीदारी ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र की मजबूती में हर नागरिक की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए प्रत्येक वोट की अहमियत होती है और सभी नागरिकों को अपने अधिकार का उपयोग अवश्य करना चाहिए।

अघोषित बिजली की कटौती से कालाअंब के उद्योगपति हुए परेशान

अनंत ज्ञान, नाहन। औद्योगिक क्षेत्र कालाअंब में लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर लघु उद्योग भारती सिरमौर इकाई ने नाराजगी जताई है। संस्था के अध्यक्ष अखिल महेश्वरी ने अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग नाहन को इस संबंध में एक ज्ञापन सौंप पत्र समस्या के शीघ्र समाधान की मांग उठाई है। ज्ञापन में कहा गया है कि कालाअंब एवं आसपास के औद्योगिक तथा व्यापारिक क्षेत्रों में पिछले काफी समय से बार-बार बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है।

इसके चलते उद्योगों, व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लघु उद्योग भारती ने कहा कि बिजली की लगातार बाधा से उद्योगों का उत्पादन कार्य प्रभावित हो रहा है तथा मशीनों के संचालन में भी दिक्कतें आ रही हैं। वहीं व्यापारिक प्रतिष्ठानों का कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। लघु उद्योग भारती ने यह भी कहा कि अचानक बिजली चले जाने और बार-बार वोल्टेज फ्लक्चुएशन के कारण मशीनरी एवं विद्युत उपकरणों के खराब होने का खतरा बढ़ गया है।

जिससे उद्योगों और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। अध्यक्ष अखिल महेश्वरी ने विद्युत विभाग से मांग की है कि समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं और क्षेत्र में नियमित व सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। संस्था ने चेतावनी दी कि लगातार बिजली संकट जारी रहने पर उद्योगपति आंदोलन करने को मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से लेकर विभाग को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि उद्योगों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित न हों।उन्होंने शीघ्र सुधार न होने पर उग्र आंदोलन की भी चेतावनी दी है।

कुनिहार में छात्रों ने किया शैक्षिक भ्रमण

अनंत ज्ञान, अर्की। लक्ष्य बीएड कॉलेज मन्जयाट के विद्यार्थियों ने विशेष विद्यालय कुनिहार का शैक्षिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षु अध्यापकों को विशेष शिक्षा की रणनीतियों तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशिक्षु रोशन लाल शर्मा द्वारा एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उन्होंने विद्यार्थियों को समावेशी शिक्षा, विशेष बच्चों के शिक्षण की नीतियां, कक्षा प्रबंधन तथा विविध शिक्षार्थियों के साथ कार्य करते समय धैर्य और संवेदनशीलता के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विशेष बच्चों के समग्र विकास हेतु अपनी जाने वाली विभिन्न विशेष शिक्षा रणनीतियों पर भी प्रकाश डाला। इस शैक्षिक भ्रमण में प्रशिक्षु अध्यापक, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा डॉ. कुसुम गुप्ता भी शामिल रहे।

कैफे कर्मी से कथित मारपीट मामले में भड़के लोग, ऊना में चक्का जाम

लोए-लोए कैफे मालिक पर कामगार के अपहरण और बेरहमी से मारपीट के आरोप

अनंत ज्ञान

ऊना। सदर थाना ऊना के तहत हमीरपुर रोड स्थित लोए-लोए कैफे के मालिक पर अपने ही कामगार को अगवा कर बेरहमी से मारपीट करने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामले को लेकर सोमवार देर शाम पीड़ित युवक के परिजनों और गांव के लोगों ने कैफे के बाहर तथा मुख्य सड़क पर प्रदर्शन करते हुए चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

प्रदर्शन के चलते सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। लोगों का आरोप था कि युवक के साथ गंभीर अत्याचार हुआ है, लेकिन शुरुआती स्तर पर पुलिस मामले को अपेक्षित गंभीरता से नहीं ले रही। भीड़ लगातार नारेबाजी करती रही और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर अड़ी रही।

स्थिति तनावपूर्ण होती देख अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार भाटिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों और पीड़ित परिवार से बातचीत कर भरोसा दिलाया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के आश्वासन के बाद देर रात लोगों ने प्रदर्शन समाप्त किया।

जानकारी के अनुसार पीड़ित युवक दीपांशु निवासी गांव लोअर अरनियाला ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि लोए-लोए कैफे के मालिक ईशान ठाकुर ने कुछ दिन पहले कैफे में लगी आग के लिए उसे जिम्मेदार ठहराया। युवक के मुताबिक आरोपी उसे जबरन गाड़ी में बैठाकर अपने साथ ले गया। रास्ते में उसके साथ मारपीट की गई और बाद में एक फार्म हाउस में ले जाकर बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा गया।

पीड़ित ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उसे बिजली का करंट भी लगाया गया और जान से मारने की धमकी दी गई। युवक का कहना है कि उस पर कई ऐसे आरोप लगाए गए, जिनसे उसका कोई संबंध नहीं था। घटना के बाद से वह मानसिक रूप से काफी डरा हुआ है।

पुलिस ने पीड़ित युवक का करवाया मेडिकल

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़ित युवक का मेडिकल करवाया है। शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार भाटिया ने बताया कि शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। पीड़ित का मेडिकल करवाया गया है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अनुराग का सम्मान प्रदेश के लिए गौरव का क्षण: विनोद

अनंत ज्ञान, ऊना। सांसद अनुराग ठाकुर को 'संसद रत्न पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनकी अध्यक्षता वाली कोयला, स्टील एवं खान संसदीय स्थायी समिति को उत्कृष्ट संसदीय कार्य प्रदर्शन और बेहतरीन कामकाज के लिए मिला है। इस उपलब्धि से हिमाचल प्रदेश और हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में खुशी की लहर है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के प्रदेशाध्यक्ष विनोद शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए अनुराग ठाकुर को विशेष बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल अनुराग ठाकुर का नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश और हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का विषय है।

विनोद शर्मा ने कहा कि सेवा, समर्पण और विकास के संकल्प के साथ निरंतर कार्य करने वाले लोकप्रिय सांसद को यह सम्मान मिलना उनकी मेहनत और जनसेवा का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अनुराग ठाकुर आगे भी प्रदेश और देशहित में इसी तरह प्रभावी भूमिका निभाते रहेंगे। गौरतलब है कि अनुराग सिंह ठाकुर संसदीय कार्यों में सक्रिय भागीदारी, क्षेत्र की आवाज को मजबूती से संसद में उठाने और विभिन्न जनकल्याणकारी नीतियों में योगदान के लिए जाने जाते हैं। उनकी अगुवाई में संसदीय समिति के उत्कृष्ट प्रदर्शन को राज्य के विकास और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जा रहा है।

निषाद 7.34 मीटर की छलांग लगाकर बने एशिया में नंबर वन

अनंत ज्ञान

विवेक शर्मा, अंब। बेंगलुरु के कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित 8वीं ओपन पैरा नेशनल चैंपियनशिप में पैरा ओलंपिक पदक विजेता निषाद कुमार ने पहली बार लॉन्ग जंप स्पर्धा में हिस्सा लेकर शानदार प्रदर्शन किया। निषाद ने 7.34 मीटर की छलांग लगाकर नया पर्सनल बेस्ट बनाया और आगामी एशियन पैरा गेम्स, नागोया के लिए क्वालिफाई भी कर लिया।

निषाद कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में उनके तीन प्रयास रहे। पहले प्रयास में उन्होंने 7.25 मीटर, दूसरे प्रयास में 7.34 मीटर और तीसरे प्रयास में 7.21 मीटर की छलांग लगाई। दूसरे प्रयास में लगाया गया 7.34 मीटर का जंप उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन के साथ वह वर्तमान में एशिया में नंबर एक स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले चीन का खिलाड़ी 7.19 मीटर के साथ शीर्ष पर था, जिसे उन्होंने पीछे छोड़ दिया है।

निषाद ने बताया कि इससे पहले राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी उन्होंने लॉन्ग जंप स्पर्धा में भाग लिया था, जहां 6.56 मीटर की छलांग लगाकर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था। निषाद कुमार की इस उपलब्धि से खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है और आगामी एशियन पैरा गेम्स में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है।

एसपी ऊना सचिन हीरेमठ पंचायत चुनावों के अंतर्गत ग्राम पंचायत लड़ोली में चुनावों गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए। अनंत ज्ञान

राजस्व विभाग से तहसीलदार, नायब तहसीलदार और कानूनगो चुनावों के मद्देनजर निरीक्षण करते हुए। अनंत ज्ञान

भाजपा नेता दविंदर भुट्टो ने सुगड़ियाल पंचायत में लोकतंत्र में निभाई भागीदारी

अनंत ज्ञान

राजेश ठाकुर, बंगाणा। कुटलैहड़ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक दविंदर कुमार भुट्टो ने ग्राम पंचायत सुगड़ियाल में अपने परिवार सहित मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी निभाई। मतदान के बाद उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की। मतदान केंद्र पर पहुंचने के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला।

दविंदर कुमार भुट्टो ने कहा कि पंचायत चुनाव गांवों के विकास और जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान का आधार होते हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर मजबूत और ईमानदार नेतृत्व चुना जाना बेहद जरूरी है, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके और लोगों की समस्याओं का समाधान समय पर हो सके। उन्होंने कहा कि कुटलैहड़ क्षेत्र की जनता इस बार विकास, पारदर्शिता और जनसेवा के मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान कर रही है। पूर्व विधायक भुट्टो ने दावा किया कि पंचायत चुनावों में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है और क्षेत्र में भाजपा समर्थित प्रत्याशी भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार से आम जनता परेशान है और लोग सरकार की नीतियों से निराश हैं। इसी कारण मतदाता भाजपा के पक्ष में खुलकर मतदान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और विकास कार्यों में धीमी गति को लेकर जनता में भारी नाराजगी है।

चुनावों के लिए 2728 अधिकारियों कर्मियों की तैनाती

अनंत ज्ञान, ऊना। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के सामान्य निर्वाचन-2026 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए जिला ऊना में तीन चरणों में होने वाले चुनावों हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि चुनावों के लिए कुल 14 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 29 सेक्टर अधिकारी, 284 सहायक रिटर्निंग अधिकारी, 602 प्रिजाइडिंग अधिकारी तथा 1799 पोलिंग अधिकारियों सहित कुल 2728 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त विभिन्न श्रेणियों में रिजर्व कर्मचारियों की भी व्यवस्था की गई है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत तैनाती सुनिश्चित की जा सके। जारी विवरण के अनुसार विकास खंड अम्ब में 2 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 8 सेक्टर अधिकारी, 57 सहायक रिटर्निंग अधिकारी, 111 प्रिजाइडिंग अधिकारी तथा 333 पोलिंग अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

विधायक विवेक ने गृह पंचायत वरनोह में परिवार सहित मतदान करके निभाया लोकतांत्रिक दायित्व

अनंत ज्ञान

राजेश ठाकुर, बंगाणा। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक शर्मा ने ग्राम पंचायत वरनोह में अपने परिवार सहित मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी निभाई। मतदान केंद्र पर पहुंचकर उन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और क्षेत्र की जनता से भी बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। मतदान के दौरान उनके साथ परिवार के सदस्य एवं कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

मतदान केंद्र पर लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला तथा मतदाता सुबह से ही लंबी कतारों में खड़े होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते नजर आए। मतदान करने के बाद विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि पंचायत चुनाव गांवों के विकास की दिशा तय करने वाले चुनाव होते हैं और जनता इस बार विकास, पारदर्शिता तथा जनहित के मुद्दों पर मतदान कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कुटलैहड़ क्षेत्र में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को जनता का भारी समर्थन मिल रहा है और चुनाव परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आएंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता ने कांग्रेस पार्टी की नीतियों और प्रदेश सरकार के कार्यों पर विश्वास जताया है।

विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हाल ही में हुए नगर परिषद चुनावों में जनता ने कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान कर कांग्रेस को बड़ी जीत दिलाई थी। उसी प्रकार पंचायत चुनावों में भी जनता मुख्यमंत्री ठाकुर सुखबिंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आम लोगों के हित में कार्य कर रही है तथा गांव-गांव तक विकास पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और सामाजिक कल्याण से जुड़े अनेक कार्य किए हैं, जिनका लाभ सीधे आम जनता को मिल रहा है।

विवेक शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का कार्य कर रही है और इसी कारण जनता का विश्वास कांग्रेस पार्टी के प्रति लगातार बढ़ रहा है। विधायक विवेक शर्मा ने केंद्र सरकार की नीतियों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश में लगातार बढ़ती महंगाई से आम आदमी परेशान है। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने लोगों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है।

बिलासपुर में पंचायत चुनावों को लेकर दिखा जबरदस्त उत्साह

अनंत ज्ञान

पिंक बूथ बने आकर्षण का केंद्र

पिंक मतदान केंद्र का निरीक्षण करते उपायुक्त राहुल कुमार।

ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर जिले में पंचायत चुनावों के दौरान लोकतंत्र का उत्सव पूरे जोश और उत्साह के साथ देखने को मिला। गांव-गांव में सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं की लंबी कतारें नजर आईं। युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों में मतदान को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। शांतिपूर्ण माहौल और प्रशासन की सख्त निगरानी के बीच जिले की 62 ग्राम पंचायतों में मतदान प्रक्रिया सुचारु रूप से जारी रही। उपायुक्त राहुल कुमार ने बताया कि पूरे जिले में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

इस बार घुमारवीं क्षेत्र में बनाए गए दो मॉडल पिंक पोलिंग बूथ विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन बूथों का संपूर्ण संचालन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है, जिससे महिला सशक्तिकरण का संदेश भी दिया जा रहा है। मतदाताओं की सुविधा के लिए बूथों पर बच्चों के खेलने की व्यवस्था, पेयजल, प्राथमिक उपचार सुविधा तथा बैठने के लिए विशेष टेंट लगाए गए हैं। इन व्यवस्थाओं को लेकर लोगों में खासा उत्साह और संतोष देखने को मिला। उपायुक्त ने इन मतदान केदो का दौरा भी किया और सारी व्यवस्था जांची। उन्होंने बताया कि मॉडल पिंक बूथ की यह पहल भविष्य में अन्य क्षेत्रों के लिए भी उदाहरण बन सकती है।

जिला बिलासपुर की 62 ग्राम पंचायतों में हुआ शांतिपूर्ण मतदान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के प्रथम चरण के तहत 62 ग्राम पंचायतों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त राहुल कुमार ने श्री नैना देवी जी विकास खंड की टाली जगात खाना, सदर विकास खंड की बामटा तथा घुमारवीं विकास खंड की पट्टा और सेऊ पंचायतों के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, बैठने की सुविधा और मतदान प्रक्रिया की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुचारू रूप से संपन्न कराया जाए, ताकि किसी भी मतदाता को असुविधा न हो।

घुमारवीं क्षेत्र में स्थापित पिंक मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण किया गया, जहां संपूर्ण संचालन महिला कर्मियों द्वारा किया गया। इन केंद्रों पर मतदाताओं के लिए बेहतर सुविधाएं, बच्चों के लिए खेल क्षेत्र, स्वास्थ्य जांच के लिए महिला स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती और सेल्फी प्वाइंट जैसी व्यवस्थाएं की गई थीं। मतदान केंद्रों पर युवा और महिला मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपायुक्त ने मतदान कर्मियों, मतदाताओं और सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आगामी चरणों में भी अधिक से अधिक मतदान की अपील की। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रशासन की नाक तले बदहाल सड़क पर पैदल चलना भी हुआ मुश्किल

अनंत ज्ञान

◆उपायुक्त कार्यालय के पीछे वाली सड़क बनी उपेक्षा का शिकार

ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर में उपायुक्त कार्यालय परिसर के पीछे कैंटीन से होकर नेशनल हाईवे को जोड़ने वाली सड़क इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। कभी कर्मचारियों और आम लोगों को सीधा संपर्क प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई यह सड़क अब गड्ढों, टूटी सतह और उखड़े डामर की वजह से लोगों के लिए परेशानी का कारण बन चुकी है। हालत यह है कि इस सड़क पर पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। विडंबना यह है कि जिस सड़क की यह दुर्दशा है, उसके बिल्कुल साथ ही लोक निर्माण विभाग के कार्यालय स्थित हैं। कैंटीन से ऊपर की ओर विभागीय कार्यालय मौजूद हैं, जबकि नीचे की ओर यह सड़क अपनी बदहाली की कहानी खुद बयान कर रही है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर विभागीय अधिकारियों और प्रशासन की नजर इस ओर क्यों नहीं पड़ रही।

स्थानीय कर्मचारियों और लोगों का कहना है कि यह सड़क वर्षों पहले इसलिए बनाई गई थी ताकि उपायुक्त कार्यालय परिसर में आने-जाने वाले कर्मचारियों और लोगों को नेशनल हाईवे तक सीधा और सुविधाजनक मार्ग मिल सके, लेकिन पिछले कई वर्षों से सड़क की सुध नहीं ली गई। बरसात के दिनों में यहां पानी भर जाता है और जगह-जगह बने गड्ढे दुर्घटना को न्योता देते हैं।

हैरानी की बात यह है कि उपायुक्त कार्यालय के बिल्कुल पीछे स्थित सड़क की यह हालत प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करती है। जब प्रशासन की नाक तले मौजूद सड़क ही बदहाल हो, तो दूरदराज क्षेत्रों की सड़कों की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। लोगों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि इस सड़क का तुरंत निरीक्षण कर इसकी मरम्मत और पुनर्निर्माण करवाया जाए, ताकि कर्मचारियों, आम जनता और छोटे वाहन चालकों को राहत मिल सके।

107 वर्षीय धनु राम कराड़ी ने किया मतदान

अनंत ज्ञान, ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर जिले के करोट गांव में पंचायत चुनावों के दौरान 107 वर्षीय धनु राम कराड़ी ने मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी गहरी आस्था का परिचय दिया। उम्र के इस पड़ाव पर भी उनका मतदान केंद्र पहुंचना लोगों के लिए प्रेरणा का केंद्र बना रहा। मतदान केंद्र पर मौजूद लोगों ने धनु राम कराड़ी के जज्बे की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए, क्योंकि मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान बेहद जरूरी है। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी वरिष्ठ मतदाता के उत्साह की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे मतदाता समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। पंचायत चुनावों के दौरान करोट गांव में धनु राम कराड़ी का मतदान चर्चा का विषय बना रहा।

बिलासपुर के डियारा में जल संकट से हाहाकार

चार दिन से सूखे नल, टैंकरों के सहारे जिंदगी, बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। भीषण गर्मी के बीच बिलासपुर नगर के डियारा सेक्टर स्थित वार्ड नंबर-8 में पिछले चार दिनों से गहराए पेयजल संकट ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि कई घरों में एक बूंद पानी तक नहीं पहुंच रहा, जबकि लोग मजबूरी में महंगे दामों पर निजी टैंकर मंगवाकर रोजमर्रा की जरूरतें पूरी कर रहे हैं।

गर्मी का पारा लगातार चढ़ रहा है और दूसरी तरफ पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को झेलनी पड़ रही है। पीने के पानी से लेकर घरेलू कामकाज तक के लिए लोग दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

स्थानीय लोगों ने जल शक्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि हर साल गर्मियों से पहले विभाग बड़े-बड़े दावे करता है कि शहर में पानी की कमी नहीं आने दी जाएगी, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। शहर के बीच बसे वार्ड नंबर-8 में चार दिनों से जलापूर्ति बंद होना विभागीय लापरवाही की बड़ी मिसाल बन चुका है।

स्थानीय निवासी विजय, संदीप, विकास, अजय, गुरुविंद्र सिंह, काला सिंह, अनिता देवी, पूनम कुमारी और प्रदीप कुमार सहित अन्य लोगों ने बताया कि वे लगातार विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिल रहे हैं। उनका आरोप है कि कर्मचारी रोजाना 'आज ठीक हो जाएगा' या 'कल पानी आ जाएगा' कहकर चले जाते हैं, मगर समस्या जस की तस बनी हुई है।

लोगों का कहना है कि निजी टैंकरों पर रोजाना सैकड़ों रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पानी की सप्लाई बहाल नहीं की गई तो वे खाली बर्तन और डिब्बे लेकर जल शक्ति विभाग कार्यालय के बाहर जोरदार धरना-प्रदर्शन करेंगे।

मामला हमारे ध्यान में आया है। कर्मचारियों को तुरंत समस्या दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही जलापूर्ति सामान्य कर लोगों को पर्याप्त पानी उपलब्ध करवाया जाएगा।

-राहुल दुबे
अधीक्षण अभियंता, जल शक्ति विभाग बिलासपुर

सड़क नहीं तो वोट नहीं: भड़ोली खुर्द में पंचायत चुनावों का बहिष्कार

अनंत ज्ञान

गोपाल कपिल, झंडूता। झंडूता उपमंडल की ग्राम पंचायत भड़ोलीकलां के वार्ड नंबर-1 भड़ोली खुर्द के ग्रामीणों ने सड़क सुविधा न मिलने से नाराज होकर पंचायत चुनावों के बहिष्कार का फैसला लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 35 साल पहले बना सड़क मार्ग आज भी कच्चा पड़ा है, जिससे खासकर बरसात में आवाजाही बेहद मुश्किल हो जाती है।

स्थानीय निवासी विक्रम ने बताया कि कई बार मरीजों और बुजुर्गों को ट्रैक्टर या पालकी के सहारे मुख्य सड़क तक पहुंचाना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार वे कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सड़क पक्की करने की मांग उठा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक सड़क पक्की नहीं होती, वे पंचायत चुनावों के साथ भविष्य के विधानसभा और लोकसभा चुनावों का भी बहिष्कार करेंगे।

बिलासपुर में बगावत पर भाजपा संगठन का चला डंडा

रोहित ठाकुर और देवांश चंदेल संगठनात्मक दायित्वों से किए मुक्त

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। पंचायत चुनावों के बीच बिलासपुर भाजपा में लंबे समय से सुलग रही अंदरूनी खींचतान आखिरकार खुलकर सामने आ गई है। संगठन ने पहली बार सख्त रुख अपनाते हुए बगावत पर बड़ा एक्शन लिया है। बरमाणा और जांगला जिला परिषद वार्ड में पार्टी लाइन से अलग जाकर चुनाव लड़ रहे नेताओं पर कार्रवाई करते हुए भाजपा ने बिलासपुर सदर से जुड़े रोहित ठाकुर और भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष रहे देवांश चंदेल को उनके संगठनात्मक दायित्वों से मुक्त कर दिया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल की अनुमति के बाद यह सूची जारी होते ही जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई।

काफी समय से यह सवाल उठ रहे थे कि जब प्रदेश के अन्य जिलों में भाजपा बागियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है, तो बिलासपुर में संगठन खामोश क्यों है, लेकिन अब हुई कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि पार्टी पंचायत चुनावों में अनुशासनहीनता को लेकर किसी भी प्रकार की नरमी दिखाने के मूड में नहीं है। भाजपा ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ मैदान में उतरने वालों को संगठन में जगह नहीं मिलेगी।

बरमाणा जिला परिषद वार्ड में भाजपा ने अशोक कुमार को अधिकृत उम्मीदवार बनाया है, लेकिन रोहित ठाकुर निर्दलीय मैदान में डटे हुए हैं। यह क्षेत्र सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में यह मुकाबला अब सीधे संगठन बनाम बगावत की लड़ाई बन चुका है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा का पारंपरिक वोट बैंक आखिर किस ओर झुकता है, यह चुनाव परिणाम तय करेगा। संगठन अब पूरी ताकत अधिकृत उम्मीदवार के पक्ष में झोंकने की तैयारी में दिखाई दे रहा है।

वहीं जांगला जिला परिषद वार्ड में देवांश चंदेल की बगावत पहले ही भाजपा के लिए चुनौती बनी हुई थी। भाजपा ने यहां अनूप महाजन को टिकट दिया, लेकिन देवांश चंदेल निर्दलीय मैदान में उतर गए। युवा वर्ग में उनकी सक्रियता और संगठनात्मक पकड़ को देखते हुए यह सीट पहले ही हाई प्रोफाइल मानी जा रही थी। अब कार्रवाई के बाद यह मुकाबला और अधिक प्रतिष्ठा का विषय बन गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच भी इस फैसले को लेकर अलग-अलग चर्चाएं चल रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने इस कार्रवाई से दोहरे संदेश देने की कोशिश की है।

पहला, संगठन अनुशासन से समझौता नहीं करेगा। दूसरा, अधिकृत उम्मीदवारों के पीछे पूरी पार्टी मजबूती से खड़ी है। हालांकि, दूसरी ओर यह भी माना जा रहा है कि यदि बागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में अंत तक टिके रहते हैं तो मुकाबला बेहद कांटे का और त्रिकोणीय बना रहेगा। बिलासपुर की राजनीति में अब बरमाणा और जांगला वार्ड केवल जिला परिषद सीटें नहीं रह गई हैं, बल्कि इन्हें स्थानीय विधायकों की राजनीतिक पकड़, संगठन की ताकत और भाजपा की अंदरूनी एकजुटता की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। आने वाले दिनों में यह साफ होगा कि भाजपा का यह सख्त एक्शन पार्टी को मजबूती देता है या फिर बगावत चुनावी समीकरणों को बदल देती है।

हर वोट में छिपी है क्षेत्र के विकास और लोकतंत्र की असली ताकत : सुरजीत भरमौरी

अनंत ज्ञान

चंबा। लोकतंत्र के महापर्व में जनभागीदारी का संदेश देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी चंबा के अध्यक्ष सुरजीत शर्मा भरमौरी ने अपने परिवार सहित गृह पंचायत सहेली के वार्ड नंबर-1 तियूला में पहुंचकर मतदान किया। इस दौरान उन्होंने जनता से भी बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता के वोट में निहित होती है और जागरूक मतदाता ही मजबूत राष्ट्र की नींव तैयार करते हैं। मतदान के उपरांत सुरजीत शर्मा भरमौरी ने कहा कि चुनाव केवल प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह जनता के अधिकार, विश्वास और भविष्य को मजबूत करने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का वोट क्षेत्र के विकास, सामाजिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों को नई दिशा देने का कार्य करता है। इसलिए हर व्यक्ति को बिना किसी भय, लालच या भेदभाव के अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

लोकतंत्र के महापर्व में सुरजीत शर्मा भरमौरी ने परिवार संग किया मतदान। अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत सहेली भौगोलिक दृष्टि से जनजातीय विधानसभा क्षेत्र भरमौर की पहली पंचायत मानी जाती है, जिसकी अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पहचान रही है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद यहां के लोग हमेशा लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति जागरूक रहे हैं और हर चुनाव में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते आए हैं।

मतदान केंद्र पर लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। युवा, महिलाएं और बुजुर्ग लोकतंत्र के इस पर्व में पूरे जोश के साथ शामिल होते नजर आए। सुरजीत शर्मा भरमौरी ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब समाज का हर वर्ग अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए मतदान में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

उन्होंने अंत में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती केवल नेताओं से नहीं बल्कि जागरूक और जिम्मेदार मतदाताओं से तय होती है तथा जनता की सक्रिय भागीदारी ही देश और प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

मेडिकल कॉलेज चंबा फैकल्टी एसोसिएशन ने नीतिगत फैसलों पर जताई चिंता

अनंत ज्ञान, चंबा। मेडिकल कॉलेज चंबा फैकल्टी एसोसिएशन ने नव नियुक्त फैकल्टी सदस्यों को प्रभावित करने वाले हालिया नीतिगत निर्णयों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से कई अधिसूचनाओं को वापस लेने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि फैकल्टी हितों की अनदेखी से चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मणिक सहगल और महासचिव डॉ. विनोद भारद्वाज ने जारी प्रेस नोट में कहा कि नव नियुक्त फैकल्टी के अवकाश में कटौती से कार्य-जीवन संतुलन प्रभावित होगा और शोध व शैक्षणिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। एसोसिएशन ने शैक्षणिक अवकाश पर लगाए गए प्रतिबंधों को अनुचित बताते हुए इन्हें वापस लेने की मांग की है। साथ ही समयबद्ध पदोन्नति, गैर-प्रैक्टिस भत्ता लागू करने और पारदर्शी करियर उन्नति व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई गई है।

जाति-धर्म नहीं, विकास और जनहित के नाम पर करें मतदान : भानु प्रताप

बोले- दो चरणों के चुनाव तय करेंगे लोकतंत्र की दिशा, मतदाता निजी स्वार्थ से ऊपर उठें

अनंत ज्ञान

राहुल सहगल, चंबा। चंबा जिले में शेष बचे दो चरणों के चुनावों को लेकर अधिवक्ता एवं समाजसेवी भानु प्रताप सिंह ने मतदाताओं से भावुक और सशक्त अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब जनता जातिवाद, धर्म, दबाव और निजी स्वार्थ की राजनीति से ऊपर उठकर लोकतंत्र को मजबूत करने वाला निर्णय ले।

अनंत ज्ञान से विशेष बातचीत में अधिवक्ता भानु प्रताप सिंह ने कहा कि चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होते, बल्कि यह समाज की सोच, जनता की जागरुकता और लोकतंत्र की वास्तविक ताकत को दर्शाने का सबसे बड़ा अवसर होते हैं। उन्होंने कहा कि चंबा में अभी दो चरणों के चुनाव बाकी हैं और इन चुनावों में जनता का फैसला आने वाले वर्षों की राजनीति और विकास की दिशा तय करेगा।

उन्होंने कहा कि जब वोट जाति, रिश्तेदारी, धर्म या व्यक्तिगत लाभ देखकर डाले जाते हैं, तब लोकतंत्र कमजोर होता है और योग्य नेतृत्व पीछे छूट जाता है। इसका सीधा असर विकास कार्यों, युवाओं के भविष्य और आम लोगों की समस्याओं पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत ऐसे प्रतिनिधियों को चुनने की है जो जनता के बीच रहकर काम करें, जवाबदेही निभाएं और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दें। भानु प्रताप सिंह ने कहा कि हर मतदाता को अपने वोट की ताकत समझनी होगी, क्योंकि लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता का सही निर्णय ही होता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने मत का प्रयोग पूरी बुद्धि, विवेक और समझदारी के साथ करें, ताकि ऐसे प्रतिनिधि चुनकर आएं जो केवल चुनावी वादों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीन पर विकास और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब जनता जागरूक होकर सही नेतृत्व का चयन करती है। अगर मतदाता सजग होकर मतदान करेंगे तो चंबा में विकास, पारदर्शिता और जनसेवा की नई राजनीति स्थापित हो सकती है। आने वाले दो चरण 28 एवं 30 मई को केवल चुनाव नहीं बल्कि चंबा के भविष्य, युवाओं की उम्मीदों और लोकतांत्रिक मूल्यों की सबसे बड़ी परीक्षा हैं, जिसमें जनता का एक-एक वोट निर्णायक भूमिका निभाएगा।

चंबा भाजपा में बढ़ी अंदरुनी खींचतान!

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। सदर चंबा की राजनीति में इन दिनों भाजपा के भीतर बढ़ती गुटबाजी और अंदरुनी खींचतान को लेकर चर्चाएं तेज होती दिखाई दे रही हैं। पार्टी में कई दावेदारों और अलग-अलग खेमों की सक्रियता ने राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है।

वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस पूरी तरह से केवल वर्तमान विधायक नीरज नैय्यर के चेहरे पर केंद्रित दिखाई दे रही है, जिससे भाजपा के सामने राजनीतिक चुनौती और भी बड़ी मानी जा रही है। भाजपा में पूर्व विधायक पवन नैय्यर, जिला अध्यक्ष धीरज नरयाल, राज सिंह ठाकुर और वरिष्ठ अधिवक्ता जय सिंह जैसे कई चेहरे लगातार चर्चा में बने हुए हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि टिकट की चर्चा शुरू होते ही भाजपा अलग-अलग खेमों में बंटी हुई नजर आने लगती है। यही कारण है कि कार्यकर्ताओं के बीच भी अंदरखाने कई तरह की चर्चाएं सुनने को मिल रही हैं। हाल ही में हुए नगर परिषद चुनावों ने भी भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। लगभग दस वर्षों बाद कांग्रेस समर्थित

◆ कई चेहरों की राजनीति से उलझी भाजपा, क्या 2027 में कांग्रेस को मिलेगा सीधा फायदा?

उम्मीदवारों ने मजबूत वापसी करते हुए भाजपा को कड़ी टक्कर दी। सदर चंबा में छह पार्षदों का समर्थन कांग्रेस के खाते में जाता दिखाई दिया, जबकि भाजपा पांच सीटों तक सीमित रही। राजनीतिक गलियारों में अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या यह सिर्फ स्थानीय चुनावी परिणाम हैं या फिर आने वाले विधानसभा चुनावों की बड़ी तस्वीर का संकेत?

इन चुनावों के बाद सबसे अधिक चर्चा भाजपा नेता जय सिंह को लेकर हो रही है। पार्टी के कई कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मानना है कि यदि नगर परिषद चुनावों के दौरान उनके अनुभव और जनाधार का इस्तेमाल चंबा में किया जाता, तो चुनावी परिणाम कुछ अलग हो सकते थे। माना जाता है कि उनका अपना मजबूत वोट बैंक है, जो उनके व्यक्तिगत प्रभाव के साथ जुड़ा हुआ है। लेकिन चुनावी समय में उन्हें धर्मशाला नगर निगम चुनावों में भेजे जाने के फैसले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी के भीतर यह चर्चा भी तेज हो गई है कि जिस नेता की ज़रूरत अपने जिले में महसूस की जा रही हो, उसे दूसरे जिले भेजना क्या रणनीतिक भूल नहीं थी? कई कार्यकर्ता इसे संगठन की बड़ी चूक मान रहे हैं। सूत्रों की मानें तो भाजपा के कुछ कर्मठ कार्यकर्ताओं को लगातार नजरअंदाज किए जाने और कुछ चेहरों को बार-बार आगे किए जाने से असंतोष की स्थिति भी बनती दिखाई दे रही है। संगठन और ज़मीनी कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि समय रहते पार्टी ने अंदरुनी नाराजगी को नहीं संभाला, तो इसका सीधा लाभ कांग्रेस को मिल सकता है। फिलहाल, चंबा की राजनीति में चर्चाओं का बाज़ार गर्म है। भाजपा के भीतर बढ़ती हलचल क्या 2027 विधानसभा चुनावों में बड़ा असर डालेगी या फिर पार्टी समय रहते हालात संभाल लेगी, इसका जवाब आने वाला वक्त ही देगा।

आयुषी ने की नवोदय परीक्षा उत्तीर्ण बगढार स्कूल का किया नाम रोशन

अनंत ज्ञान, डलहौजी। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बगढार की मेधावी छात्रा आयुषी ने जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। कक्षा 6 में प्रवेश के लिए आयोजित इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर आयुषी ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया है। आयुषी की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। विद्यालय की प्रिंसिपल अनुपमा आनंद ने छात्रा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आयुषी की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने बताया कि कठिन प्रतिस्पर्धा वाली इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करना बड़ी उपलब्धि है, जिसका श्रेय छात्रा की निरंतर मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन को जाता है। विद्यालय प्रबंधन और अध्यापकगण ने भी आयुषी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे होनहार विद्यार्थी स्कूल की पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। गौरतलब है कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा देश की प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं में गिनी जाती है, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन किया जाता है।

डलहौजी में लाखों रुपए के लोकार्पण हुए पर पर्यटक पीने के पानी को तरस रहे

सुभाष चौक और गांधी चौक में पानी की व्यवस्था ठप

अनंत ज्ञान

अजीत सिंह, डलहौजी। पर्यटन नगरी डलहौजी में इन दिनों पर्यटकों का भारी जमावड़ा देखने को मिल रहा है। मैदानी क्षेत्रों में लगातार बढ़ रही गर्मी के चलते लोग बड़ी संख्या में पहाड़ी इलाकों का रुख कर रहे हैं। डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल सुभाष चौक, गांधी चौक और आसपास के क्षेत्रों में पर्यटकों की चहल-पहल बढ़ गई है। हालांकि तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच पर्यटकों को यहां मूलभूत सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी की सामने आ रही है, जिससे पर्यटक और स्थानीय लोग परेशान हैं।

पर्यटकों का कहना है कि डलहौजी जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थल में पीने के पानी की उचित व्यवस्था न होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सुभाष चौक और गांधी चौक में लगाए गए शीतल जल प्याऊ लंबे समय से खराब पड़े हुए हैं। ये उपकरण केवल शोपीस बनकर रह गए हैं और उनकी देखरेख करने वाला कोई

शीतल जल प्याऊ बने शोपीस। अनंत ज्ञान

नजर नहीं आता। पानी की सुविधा न होने के कारण पर्यटकों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। कई पर्यटकों ने प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नाराजगी भी जताई। वहीं, डलहौजी बस स्टैंड में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है। हालांकि, टैक्सी यूनियन द्वारा पिछले कुछ वर्षों से पीने के पानी की व्यवस्था सुचारु रूप से चलाई जा रही है, जिसकी लोग सराहना कर रहे हैं। इसके बावजूद नियमित और पर्याप्त पानी उपलब्ध न होने से दिक्कत बनी हुई है। गौरतलब है कि हाल ही में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने डलहौजी में जल शक्ति विभाग की कई योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया था। उन्होंने दावा किया था कि पर्यटन की दृष्टि से भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। लेकिन जमीनी स्तर पर हालात कुछ और ही तस्वीर पेश कर रहे हैं। स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने प्रशासन से मांग की है कि गांधी चौक, सुभाष चौक और बस स्टैंड में नियमित रूप से पीने के पानी की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि किसी को भी पानी के लिए भटकना न पड़े।

समय पर थायराइड की जांच कराने से दीर्घकालिक जटिलताओं से होता है बचाव : डॉ. आकांक्षा

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर। 'थायरॉइड ग्लैंड मेटाबॉलिज्म , एनर्जी लेवल,हार्ट फंक्शन , बॉडी टेंपरेचर , मूड और हार्मोनल संतुलन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हाइपोथायरायडिज्म, हाइपरथायरायडिज्म, थायराइड नोड्यूल्स और ऑटोइम्यून थायराइड रोग जैसे विकार, यदि अनट्रीटेड छोड़ दिए जाएं, तो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं।'

विश्व थायराइड दिवस के अवसर पर बोलते हुए, एंडोक्रिनोलॉजिस्ट सलाहकार, लिवासा अस्पताल, मोहाली, डॉ. आकांक्षा गौतम ने कहा कि कई लोग शुरुआती लक्षणों जैसे कि बिना किसी स्पष्ट कारण के वजन में बदलाव, थकान, बालों का झड़ना, अनियमित मासिक धर्म, चिंता, नींद की समस्या, गर्दन में सूजन या ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई को नजरअंदाज कर देते हैं।

इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि समय पर थायराइड की जांच से दीर्घकालिक जटिलताओं को रोकने में मदद मिल सकती है, उन्होंने बताया। डॉ. आकांक्षा ने आगे इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं, विशेषकर गर्भावस्था, प्रसवोत्तर अवस्था और रजोनिवृत्ति के दौरान, थायराइड असंतुलन विकसित होने का जोखिम अधिक होता है। मधुमेह, मोटापा, ऑटोइम्यून विकार या थायराइड रोग के पारिवारिक इतिहास वाले व्यक्तियों को निवारक स्वास्थ्य देखभाल के हिस्से के रूप में नियमित हार्मोनल जांच और थायराइड प्रोफाइल परीक्षण करवाना चाहिए।

उन्होंने संतुलित पोषण, नियमित व्यायाम, तनाव प्रबंधन, पर्याप्त नींद और स्व-दवा से बचने सहित स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने लगातार लक्षणों को नजरअंदाज न करने की चेतावनी भी दी और लोगों को ऑनलाइन उपलब्ध अपुष्ट जानकारी पर भरोसा करने के बजाय विशेषज्ञ परामर्श लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

सिरसा : सात नशा तस्कर गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, सिरसा। पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए जिले क्षेत्र से सात नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से चार किलो चूरापोस्त व 20 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा प्रभारी ने मंगलवार को बताया कि पुलिस ने जिला के गांव भडोलांवाली क्षेत्र से एक वृद्ध व्यक्ति को चार किलो चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान गुरचरण सिंह के रूप में हुई है। सेल प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव भडोलांवाली क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक वृद्ध व्यक्ति प्लास्टिक का थैला लेकर आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर छुपने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर लिया और उसके थैले की तलाशी ली तो उसमें से चार किलो चूरापोस्त बरामद हुआ।

इसके अलावा पुलिस ने शहर के कीर्ति नगर क्षेत्र से आरोपी बलवीर को सात ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सेल सिरसा प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान शहर के कीर्ति नगर क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक पैदल आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुड़कर खिसकने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से सात ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

जींद में पेयजल आपूर्ति के संचालन व रखरखाव में 16 गांव बनेंगे रॉल मॉडल

अनंत ज्ञान

जींद। प्रदेश की ग्राम पंचायतें अब ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के संचालन और रखरखाव के कार्यों को स्वयं संचालित करने में सक्षम होंगी। इसी संबंध में राज्य के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये राज्य के सभी उपायुक्त के साथ समीक्षा बैठक ली। समीक्ष बैठक की अध्यक्षता जिला उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने की। इस बैठक के बाद डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि सरकार ने पंचायतों को पेयजल आपूर्ति के प्रबंधन, संचालन तथा विभिन्न प्रशासनिक निर्णय लेने के अधिकार प्रदान किए गए हैं। पंचायतें आवश्यकता अनुसार पेयजल दरों में संशोधन कर नई दरें लागू कर सकेंगी तथा अवैध कनेक्शनों को काटने की कार्रवाई भी कर सकेंगी।

जिला सलाहकार रणधीर मताना ने मंगलवार को बताया कि जिला जींद में 16 ग्राम पंचायतों को इस योजना के तहत रॉल मॉडल गांव बनाया जाएगा। जिसमें से खुंगा गांव में यह प्रक्रिया शुरू कर दी गई हैं। इस योजना में ग्रामीण जल प्रणाली के संचालन एवं रखरखाव हेतु सरकारी व सामुदायिक भागीदारी आधारित संचालन एवं रखरखाव नीति 2026 को जल्द धरातल पर लागू करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

योजना को दो चरणों में लागू किया जाएगा। प्रथम चरण में सिंगल पंचायत मेंटेनेंस योजना वाली जिले की 245 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है, जबकि दूसरे चरण में एक से अधिक पेयजल स्कीम वाली 55 पंचायतों में इस योजना को लागू किया जाएगा। नई ऑपरेशनल पॉलिसी के तहत प्रत्येक 500 घरों पर एक महिला को पेयजल कनेक्शन, पानी के नमूने लेने, बिल भरवाने तथा अन्य संबंधित कार्यों के लिए तैनात किया जाएगा। 500 से अधिक घर होने पर दो महिलाओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इसके लिए स्वयं सहायता समूहों सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

सोनीपत में मतदाता सूची पुनरीक्षण की तैयारी पूरी

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। सोनीपत में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंगलवार को आयोजित बैठक की अध्यक्षता एडीसी अजय चोपड़ा ने की, जिसमें निर्वाचन अधिकारियों, विभिन्न विभागों के अधिकारी और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

◆ एडीसी अजय चोपड़ा ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

एडीसी ने निर्देश दिए कि बूथ लेवल अधिकारियों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण 5 से 10 जून के बीच पूरा किया जाए और प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र निर्वाचन कार्यालय में जमा कराए जाएं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता से किया जाए।

उन्होंने राजनीतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट जल्द नियुक्त करने की अपील भी की। साथ ही सभी कार्यालयों में कॉल सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिए गए, ताकि मतदाताओं की समस्याओं का तुरंत समाधान हो सके। बैठक में बताया गया कि 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे, जिसमें नए मतदाताओं का पंजीकरण और संशोधन किया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों, संस्थानों और अस्पतालों में जागरूकता गतिविधियां चलाने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम से जोड़ा जा सके।

रयात बाहरा यूनिवर्सिटी ने ऑल-इंडिया रैंकिंग में हासिल किया प्रतिष्ठित स्थान

अनंत ज्ञान

गुरनाम सागर, खरड़। रयात बाहरा यूनिवर्सिटी ने 'द वीक' द्वारा जारी नई ऑल-इंडिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के उच्च शिक्षा क्षेत्र में अपनी बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि उसकी अकादमिक गुणवत्ता, आधुनिक शिक्षण प्रणाली और शोध क्षेत्र में लगातार हो रही प्रगति का प्रतीक मानी जा रही है।

रैंकिंग के अनुसार आरबीयू ने प्राइवेट यूनिवर्सिटियों में पंजाब भर में तीसरा स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही उभरती हुई यूनिवर्सिटियों की श्रेणी में पंजाब में दूसरा तथा राष्ट्रीय स्तर पर 35वां स्थान प्राप्त कर संस्थान ने महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। संस्थान ने व्यापक राष्ट्रीय रैंकिंग में भी प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत अकादमिक उपस्थिति दर्ज कराई है।

यूनिवर्सिटी के चांसलर गुरविंद्र सिंह बाहरा ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार, उद्योग-केंद्रित शिक्षा, शोध तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के प्रति संस्थान की निरंतर प्रतिबद्धता का परिणाम है।

उन्होंने इस सफलता का श्रेय फैकल्टी सदस्यों, विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और प्रशासनिक स्टाफ के सामूहिक प्रयासों को देते हुए कहा कि पूरी टीम की मेहनत ने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पहचान दिलाई है। इस उपलब्धि से पूरे रियात बाहरा विश्वविद्यालय परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल है।

रेवाड़ी रूट को स्पेशल ट्रेन की सौगात

अनंत ज्ञान, रेवाड़ी। गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने रेवाड़ी रूट को बड़ी सौगात दी है। भावनगर टर्मिनस-शकूरबस्ती-भावनगर टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है, जिससे रेवाड़ी और आसपास के यात्रियों को राहत मिलेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार ट्रेन संख्या 09257 भावनगर टर्मिनस-शकूरबस्ती स्पेशल 29 मई से 26 जून तक हर शुक्रवार को चलेगी। यह ट्रेन फुलेरा, रींगस, नारनौल और रेवाड़ी होते हुए दिल्ली पहुंचेगी और रेवाड़ी में सुबह 9 बजे पांच मिनट का ठहराव करेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 09258 शकूरबस्ती-भावनगर सेवा 30 मई से 27 जून तक हर शनिवार को संचालित होगी। ट्रेन में 22 डिब्बे लगाए जाएंगे, जिनमें एसी, स्लीपर और जनरल कोच शामिल होंगे। रेलवे ने बताया कि रेवाड़ी-हिसार सेक्शन में मनहेरू स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज निर्माण के चलते कुछ ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। इस दौरान भिवानी-रेवाड़ी और हिसार-रेवाड़ी सहित कुछ सेवाएं रद्द रहेंगी, जबकि एक ट्रेन का रूट भिवानी से किया जाएगा।

हाउस लिस्टिंग में फतेहाबाद जिला प्रदेश में पहले नंबर पर

अनंत ज्ञान

फतेहाबाद। जनगणना के तहत चल रहे घर-घर गणना अभियान में फतेहाबाद जिला ने पूरे हरियाणा में अपनी अलग पहचान बनाई है। जिला प्रशासन ने निर्धारित समय सीमा 31 मई से पांच दिन पहले ही शत-प्रतिशत गणना कार्य पूरा कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि ने न केवल जिला की प्रशासनिक कार्यक्षमता को प्रमाणित किया है, बल्कि यह भी दर्शाया है कि योजनाबद्ध रणनीति, कर्मचारियों की मेहनत और जनता के सहयोग से किसी भी बड़े लक्ष्य को समय से पहले प्राप्त किया जा सकता है।

डीसी डॉ. विवेक भारती के निर्देशन में एक मई से जिलाभर में घर-घर गणना अभियान शुरू किया गया था। अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए पूरे जिला को आठ जोन में विभाजित किया गया। प्रत्येक जोन में चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की गई, जिनके अधीन सुपरवाइजर और प्रगणकों की टीमें लगातार फील्ड में सक्रिय रहीं। प्रशासन द्वारा प्रतिदिन कार्य की समीक्षा की गई तथा प्रगति पर लगातार नजर रखी गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्व निभाए, जिसके चलते यह कार्य तय समय से पहले ही पूरा हो गया। 1790 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में हुआ सर्वे कार्यघर-घर गणना अभियान के तहत जिला में कुल 3 लाख 44 हजार 506 घरों की गणना की गई। इसके लिए 1790 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक बनाए गए थे तथा प्रत्येक ब्लॉक पर एक प्रगणक नियुक्त किया गया था। सबसे अधिक 736 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक फतेहाबाद तहसील चार्ज ऑफिसर के अंतर्गत बनाए गए।

इसके अलावा टोहाना तहसील में 347, तहसील रतिया में 238, एमसी फतेहाबाद में 162, एमसी टोहाना में 130, एमसी रतिया में 88, एमसी भूना में 59 तथा एमसी जाखल में 30 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक गठित किए गए। फतेहाबाद तहसील में सबसे अधिक घरों की गणनाघर-घर गणना के दौरान तहसील फतेहाबाद में सर्वाधिक 1 लाख 31 हजार 850 घरों की गणना की गई। वहीं, तहसील टोहाना में 68 हजार 215, तहसील रतिया में 50 हजार 589, एमसी फतेहाबाद में 35 हजार 355, एमसी टोहाना में 26 हजार 713, एमसी रतिया में 16 हजार 107, एमसी भूना में 10 हजार 360 तथा एमसी जाखल में 5 हजार 317 घरों की गणना पूरी की गई। अभियान के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक टीमों ने लगातार घर-घर जाकर जानकारी जुटाई। लोगों ने भी प्रशासन का पूरा सहयोग किया।

केंद्र की 2,620 करोड़ रुपए की जल परियोजना से पंजाब को नई उम्मीद : साहनी

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। राज्यसभा सांसद एवं पद्मश्री डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने भारत सरकार द्वारा भारत के अधिकार वाले सिंधु बेसिन के जल के अधिकतम उपयोग हेतु चिनाब-ब्यास लिंक सुरंग एवं संबद्ध परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान किए जाने पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारत सरकार का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया है।

डॉ. साहनी ने कहा कि प्रस्तावित 8.7 किलोमीटर लंबी सुरंग के माध्यम से चिनाब नदी के अतिरिक्त जल को ब्यास बेसिन में मोड़ा जा सकेगा। यह एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम है, जिससे पंजाब को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक निर्णय राष्ट्रीय जल सुरक्षा को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पंजाब के समक्ष बढ़ती जल चुनौतियों के समाधान के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पंजाब के गंभीर जल संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. साहनी ने कहा कि वे लगातार पंजाब के नदी जल को अन्य राज्यों की ओर मोड़े जाने का मुद्दा उठाते रहे हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब अपने वार्षिक पुनर्भरण योग्य भूजल संसाधनों का लगभग 164 प्रतिशत दोहन कर रहा है तथा राज्य के 23 में से 19 जिले भूजल के अत्यधिक दोहन की श्रेणी में आ चुके हैं।

डॉ. साहनी ने कहा कि चिनाब, झेलम एवं सिंधु नदी प्रणालियों के अतिरिक्त जल को पंजाब की ओर मोड़ने से भू-जल पुनर्भरण, कृषि तथा दीर्घकालिक जल सुरक्षा के लिए एक परिवर्तनकारी अवसर उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक पहल पंजाब के किसानों के भविष्य को सुरक्षित करने, गिरते भूजल स्तर को रोकने तथा राज्य को मरुस्थलीकरण के बढ़ते खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह परियोजना आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक समृद्ध, सुरक्षित और सतत भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी।

मतदान की झलकियां

बूथों पर सुबह से ही लगी लंबी कतारें

पंचायत चुनाव में पहले चरण के मतदान में बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं में दिखा काफी जोश

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनाव के पहले चरण के मतदान ने लोकतंत्र को लेकर ग्रामीण जनमानस की गहरी आस्था और जागरूकता की शानदार तस्वीर पेश की है। प्रदेश की 1293 पंचायतों में मंगलवार सुबह सात बजे शुरू हुई मतदान प्रक्रिया में लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। दोपहर तक ही अधिकांश मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें लग गई थीं और गांव-गांव में चुनाव को लेकर उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया। मतदान प्रतिशत के आधिकारिक आंकड़े अभी आना बाकी हैं, लेकिन शुरुआती रुझानों और बूथों पर उमड़ी भीड़ ने साफ संकेत दे दिए हैं कि इस बार पंचायत चुनाव में रिकॉर्ड मतदान होने की संभावना है। खास बात यह रही कि युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने एक साथ लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

राज्य चुनाव आयोग के अनुसार शिमला जिला पंचायत चुनाव के उत्साह का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा, जहां ठियोग, जुब्बल, रामपुर, कंडाघाट और चौपाल क्षेत्रों में सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर लोगों की भीड़ उमड़ती रही।

ठियोग के चिखड़ में 100 वर्षीय सूरत राम शर्मा ने मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपनी अटूट आस्था दिखाई, जबकि जुब्बल की झगटान पंचायत में 105 वर्षीय गोखी देवी पैदल मतदान केंद्र पहुंचीं। ग्राम पंचायत झगटान में 103 वर्षीय बुजुर्ग महिला और घरयाणा मतदान केंद्र में 90 वर्षीय पठानी व 71 वर्षीय जगदीश ने वोट डालकर नई पीढ़ी को प्रेरणा दी। कई स्थानों पर युवा अपने बुजुर्ग माता-पिता और दादा-दादी को सहारा देकर मतदान केंद्र तक पहुंचाते नजर आए, जिसने चुनावी माहौल को भावनात्मक व प्रेरणादायक बना दिया।

मंडी, कुल्लू, सोलन और कांगड़ा जिलों में भी लोकतंत्र का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। मंडी के गोपालपुर ब्लॉक में 113 वर्षीय बुजुर्ग महिला मतदाता ने वोट डालकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। बरोट पंचायत में 89 वर्षीय भेखलु राम और उनकी पत्नी बुज्जी देवी ने मतदान किया तो लोगों ने उनका तालियों से स्वागत किया। कुल्लू के गांव शिम मंडलगढ़ पंचायत में 102 वर्षीय राम लाल बौद्ध मतदान केंद्र पहुंचे, जबकि करसोग के तत्तापानी में 101 वर्षीय द्वारुकु देवी ने मतदान कर लोकतंत्र के प्रति अपने दायित्व को निभाया। विकासखंड कुनिहार की बसंतपुर पंचायत में 95 वर्षीय रूपलाल और 86 वर्षीय द्रोपती कंवर ने परिवार सहित मतदान कर ग्रामीण राजनीति में जनभागीदारी की मजबूत तस्वीर पेश की। प्रदेश के कई बूथों पर दिव्यांग मतदाताओं और महिलाओं की लंबी कतारें भी देखने को मिलीं।

ग्रामीण इलाकों में सुबह से ही बनी रही चहल-पहल

बहरहाल, प्रदेश भर में चुनाव आयोग और प्रशासन की ओर से मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे। दूरदराज के पहाड़ी इलाकों में भी मतदान दल समय से पहले बूथों तक पहुंचे और लोगों ने भी भारी संख्या में मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती दी। ग्रामीण इलाकों में सुबह से ही चहल-पहल बनी रही और कई जगह स्थानीय लोग पारंपरिक वेशभूषा में मतदान केंद्र पहुंचे। पहली बार वोट डालने वाले युवा मतदाताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पंचायत चुनाव को लेकर गांवों में चौपालों, बाजारों और घरों तक में दिनभर चुनावी चर्चाओं का दौर चलता रहा।

शिमला। प्रदेश में पंचायत चुनाव के पहले चरण के मतदान के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतंत्र के प्रति लोगों की गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। बुजुर्ग मतदाताओं ने भी पूरे जोश और जिम्मेदारी के साथ मतदान में भाग लेकर युवाओं को प्रेरित किया। लंबी कतारों में खड़े होकर लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती और जनजागरूकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत हुआ। अनंत ज्ञान

मुख्य सचिव की नियुक्ति पर गरमाई सियासत, जयराम ने सरकार की नीयत पर उठाए सवाल

भ्रष्ट अधिकारियों के आगे पूरी तरह 'कंप्रोमाइज्ड' हैं सीएम

अनंत ज्ञान

अनिल शर्मा, मंडी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी से जारी प्रेस बयान में प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू अधिकारियों के हाथों की कठपुतली बन चुके हैं और पूरी तरह से 'कंप्रोमाइज्ड' हैं। उन्होंने वर्तमान कार्यवाहक मुख्य सचिव को स्थायी नियुक्ति दिए जाने के फैसले की कड़े शब्दों में निंदा की। जयराम ठाकुर ने कहा कि जिस अधिकारी की नियुक्ति को माननीय उच्च न्यायालय में जनहित याचिका के जरिए चुनौती दी गई है और जहां कोर्ट ने सरकार को नोटिस जारी किया है, ऐसे संवेदनशील समय में उसी अधिकारी को स्थायी सीएस बनाना सरकार की नीयत पर बड़े सवाल खड़े करता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत तीन एफआईआर दर्ज हैं और चेस्टर हिल बेनामी संपत्ति मामले में भी इनका नाम आ चुका है। इसके बावजूद कार्रवाई करने के बजाय मुख्यमंत्री उन्हें संरक्षण दे रहे हैं, जिससे साफ है कि कांग्रेसी नेताओं और मित्र मंडली के कुछ गहरे राज इन अधिकारियों के पास दबे हैं। जयराम ठाकुर ने दावा किया कि मुख्यमंत्री इतने बेबस हैं कि वह भ्रष्ट अधिकारियों को पुरस्कृत कर रहे हैं और उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी सेवा विस्तार या पुनर्नियुक्ति देने की फिराक में हैं। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं उन्हीं अधिकारियों से मुख्यमंत्री आज घिरे हुए हैं।

भारी जन समर्थन के लिए जताया आभार

जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में पहले चरण के तहत संपन्न हुए पंचायती राज चुनावों में भाजपा को मिले भारी जन समर्थन के लिए प्रदेश की जनता का आभार जताया। उन्होंने दावा किया कि प्रथम चरण के नतीजों में अधिकांश स्थानों पर भाजपा की विचारधारा से जुड़े जनप्रतिनिधि जीतकर आए हैं, और जिला परिषद व पंचायत समिति के चुनावों में जनता ने कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ स्पष्ट जनादेश सुनाया है। उन्होंने कांग्रेस सरकार के राजनीतिक दबाव में काम कर रहे कुछ प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की।

नागेश के पिता के निधन पर घर जाकर जताया दुख

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में भौतिकी के प्राध्यापक प्रोफेसर नागेश ठाकुर के पूज्य पिता राम सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। जयराम ठाकुर ने जोगिंदर नगर के समहोली स्थित उनके पैतृक आवास पर पहुंचकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने प्रोफेसर नागेश ठाकुर और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं और ढांढस बंधाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं पूरे परिवार के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस असहनीय व अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

गोपनीय कक्ष में रख दीं दो मोहरें, रामपुर के एक बूथ पर चुनाव हुआ रद्द

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश के पंचायत चुनाव के बीच शिमला जिला के रामपुर उपमंडल से चुनावी प्रक्रिया में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। विकास खंड रामपुर की नरैण पंचायत के ब्रांदली मतदान केंद्र में गोपनीय कक्ष के भीतर दो अलग-अलग मोहरें रख दी गईं, जिसके बाद पूरे मतदान केंद्र में हड़कंप मच गया। मामला सामने आते ही प्रशासन हरकत में आया और अंततः वार्ड नंबर-एक का मतदान रद्द कर दिया गया। इस घटना ने चुनावी व्यवस्थाओं और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार मतदान केंद्र के गोपनीय कक्ष में एक सामान्य स्वास्तिक निशान वाली मोहर रखी गई थी, जिसका प्रयोग मतदाता अपने पसंदीदा प्रत्याशी के चुनाव चिह्न पर करते हैं। लेकिन इसके साथ ही वहां नोटा की मोहर भी रख दी गई, जिसका इस्तेमाल केवल चुनाव कर्मचारी करते हैं। आशंका जताई जा रही है कि कई मतदाताओं ने अनजाने में नोटा वाली मोहर का प्रयोग कर दिया होगा। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब साढ़े बारह बजे एक जागरूक मतदाता ने गोपनीय कक्ष में दो मोहरें रखे जाने पर सवाल उठाया। सूचना मिलते ही सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम रामपुर हर्ष अमरेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने मतदान केंद्र का निरीक्षण किया और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े कर्मचारियों से जानकारी ली।

बंगाणा की सुगड़ियाल पंचायत में चुनावों में बुजुर्गों का उत्साह बना प्रेरणा

103 वर्षीय ब्रह्मी व 95 वर्षीय जोगिंदर सिंह ने किया मतदान

अनंत ज्ञान

बंगाणा। कुटलैहड़ क्षेत्र की पंचायत सुगड़ियाल के चराडा बूथ पर पंचायत चुनावों के दौरान लोकतंत्र के प्रति अद्भुत उत्साह देखने को मिला। राष्ट्रीय ह्यूमन राइट युवा विंग के प्रदेश चेयरमैन, राज्य भाजयुमो कार्यकारिणी सदस्य अजय ठाकुर ने पंचायत सुगड़ियाल के चराडा बूथ पर पहुंचकर 103 वर्षीय ब्रह्मी देवी पत्नी स्वर्गीय रसील सिंह तथा 95 वर्षीय जोगिंदर सिंह के साथ मतदान किया। इस दौरान बुजुर्ग मतदाताओं के जोश और लोकतंत्र के प्रति उनकी निष्ठा को देखकर वहां मौजूद लोग भी भावुक हो उठे।

अजय ठाकुर ने कहा कि पंचायत चुनावों में इस बार बड़े बुजुर्गों की भागीदारी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है। उन्होंने कहा कि जिस उम्र में लोग घर से बाहर निकलने में कठिनाई महसूस करते हैं, उस उम्र में भी हमारे बुजुर्ग लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लेकर समाज को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्मी देवी और जोगिंदर सिंह जैसे वरिष्ठ नागरिक यह संदेश दे रहे हैं कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं बल्कि एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव गांवों के विकास की नींव होते हैं और हर मतदाता का वोट गांव की दिशा और दशा तय करता है। ऐसे में बुजुर्गों का मतदान केंद्र तक पहुंचकर मतदान करना समाज के लिए एक सकारात्मक उदाहरण है। अजय ठाकुर ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को भी इन बुजुर्गों से सीख लेनी चाहिए और लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस सेवादल ने भोरंज के पवन किए निलंबित

अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में हुई कार्रवाई

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस सेवादल द्वारा भोरंज विधानसभा क्षेत्र के गांव धमरोल निवासी पवन चौधरी को तत्काल प्रभाव से कांग्रेस पार्टी के मजबूत संगठन सेवादल से निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस सेवादल के राज्य महासचिव प्रशासन इंजी. संदीप बत्रा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि अनुशासन समिति की सिफारिश पर यह कार्रवाई की गई है।

निलंबन पत्र के अनुसार पवन चौधरी पर पार्टी समर्थित प्रत्याशी के खिलाफ लगातार आलोचना करने, पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने तथा बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद अनुशासनहीनता करने के आरोप लगाए गए हैं। सेवादल की अनुशासन समिति ने इन गतिविधियों को गंभीर मानते हुए उन्हें संगठन के सभी पदों से तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की सिफारिश की, जिसे स्वीकार करते हुए यह आदेश जारी किया गया। इन आदेश की प्रतिलिपि एआईसीएसडी के मुख्य आयोजक, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री, एचपीसीसी अध्यक्ष तथा एआईसीएसडी एवं एचपीसीएसडी प्रभारी को भी भेजी गई है।

इसके अलावा कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्य से भी रद्द कर दी है और अन्य पदों से निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि पवन चौधरी की धर्मपत्नी राजकुमारी जिला परिषद के धमरोल वार्ड से आजाद प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रही है,जबकि यहां से कांग्रेस समर्थित रसना देवी चुनाव लड़ रही है। इससे पहले भी पवन चौधरी पर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कार्य करने के आरोप लगे है।

कांग्रेस व सीएम पर कर रहे थे ब्यानबाजी : विजय

भोरंज ब्लॉक कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष विजय बन्याल का कहना है कि कांग्रेस सेवादल एक संगठित और अनुशासित संगठन है। पवन चौधरी लंबे कांग्रेस पार्टी में रह कर लंबे समय से कांग्रेस पार्टी, प्रदेश के मुख्यमंत्री व उनकी धर्मपत्नी, भोरंज विधायक सुरेश कुमार के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहा था। इसलिए संगठित व अनुशासित संगठन में पवन चौधरी जैसे व्यक्ति के लिए कोई जगह नहीं है। प्रदेश कांग्रेस में सेवादल से निलंबित करके सराहनीय कार्य किया है। इससे संगठन में अनुशासन की भावना और बढ़ेगी।

निलंबन का नहीं पड़ता कोई फर्क : पवन चौधरी

निलंबन पर पवन चौधरी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह कांग्रेस सेवादल की प्रदेश इकाई में कोई पदाधिकारी नहीं हूं। इसलिए इस निलंबन का कोई फर्क नहीं पड़ता। इससे पहले भी करीब एक वर्ष पहले ही मुझे कांग्रेस सेवादल के हटा दिया गया है।

◆ पार्टी विरोधी कार्य करने पर की सबसे बड़ी कार्रवाई

पहला चरण पंचायत चुनावों में मतदाताओं में काफी उत्साह, महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा किया मतदान

ऊना जिले की 85 पंचायतों में 78.25 फीसदी मतदान

अनंत ज्ञान

ऊना। ऊना जिला की 85 पंचायतों में आज(मंगलवार) को मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिला मुख्यालय पर सायं 5 बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पहले चरण में कुल 1,34,805 मतदाताओं में से 1,0,5,485 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया तथा औसत मतदान 78.25 प्रतिशत रहा। इनमें 55,249 महिला और 50,236 पुरुष मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के दौरान युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं सहित सभी वर्गों में लोकतंत्र के पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही विभिन्न मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

यह जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ऊना जतिन लाल ने बताया कि जिला की 85 पंचायतों में से सबसे ज्यादा मतदान प्रतिशतता 79.99 अंब में रहीं। यहां 19 पंचायतों के 111 वार्डों में कुल 20,415 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया, जिनमें 10,533 महिला एवं 9,882 पुरुष मतदाता शामिल रहे। वहीं, बंगाणा में मतदान प्रतिशतता 79.03 रहीं। इनमें कुल 19,946 मतदाताओं ने वोट किया जिनमें 10,441 महिला और 9,505 पुरुष मतदाता शामिल हैं।

ऊना में मतदान 77.38 फीसदी रहा, जिनमें कुल 20,809 मतदाताओं ने अपने वोट का प्रयोग किया, जिनमें 10,973 महिला और 9,836 पुरुष मतदाता शामिल रहे।

गगरेट में 76.63 प्रतिशत मतदान रहा जिनमें कुल 18,529 मतदाताओं ने वोट किया जिनमें 9,686 महिला और 8,843 पुरुष मतदाता शामिल रहे। इसके अलावा हरोली में मतदान प्रतिशतता 78.2 रहा, जिनमें कुल 25,786 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया जिनमें 13,616 महिला व 12,170 पुरुष मतदाता शामिल रहे।

28 मई को 83 पंचायतों में होगा चुनाव

जिला ऊना में पंचायत राज संस्थाओं के लिए दूसरे चरण में सभी उपमंडलों की कुल 83 ग्राम पंचायतों में 28 मई को चुनावा करवाया जाएगा, जिसमें विकास खंड अंब की 19, बंगाणा की 16, गगरेट की 14, ऊना की 18 तथा हरोली की 16 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। उपमंडल अंब के तहत 28 मई को धर्मशाला महंता खास, बधमाणा, नारी चिंतपूर्णी, डूहल बंगवाला, भगड़ा, अम्ब टिल्ला, चुरूड्डू, पोलियां पुरोहितां, घेवट बेहड़, कुठियाड़ी, दिलवां, राजपुर जस्वां, त्याई, कलरूही, बेहड़ जस्वां, मुबारिकपुर, भैरा, टकारला और कुठेड़ा खैरला में मतदान होंगे। वहीं, बंगाणा में ग्राम पंचायत धुंदला, मलांगड़, अरलूखास, करमाली, ढियुंगली, थानाकलां, घुघन ककराना, दोबड़, प्रोइयां कलां, बुधान, बैरियां, बोहरू, मोमन्यार, बौल, रायपुर और सोहारी में मतदान होंगे। इसी तरह उपमंडल गगरेट में ब्रहम्पुर, बढ़ेड़ा राजपूतां, रामनगर, गणु मंदवाड़ा, डंगोह खुर्द, लोहरली, टटेहड़ा, गगरेट अप्पर, मवा कोहलां, चतेहड़, रायुपर, संघनेई, डंगोह खास और नकडोह पंचायतों में मतदान होंगे। उपमंडल ऊना में देहला लोअर, भटोली, नारी, मजारा, बहडाला लोअर, झुडोवाल, बसोली, बदोली, बडसाला, धमांदरी, मदनपुर, कुरियाला, मैहतपुर, भडोलियां कलां, मलूकपुर, अप्पर बहडाला, बडैहर और डठवाड़ा पंचायतों का मतदान करवाया जाएगा। इसके अलावा हरोली उपमंडल में ग्राम पंचायत लोअर पंजावर, खड्ड, ईसुपर टांडा, भदसाली, भदसाली हार, धर्मपुर, बालीवाल, हरोली, लोअर ललड़ी, नंगल खुर्द, सिंगा, गोंदपुर जयचंद, दुलैहड़, मल्लूवाल, कुठारबीत और हलेड़ा बिलना में मतदान करवाया जाएगा।